शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भाजपा ने स्थानीय निकाय चुनावों के मद्देनजर रणनीतियों को लेकर एक .... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 11 जनवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।*। मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-11

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रथम पॉडकास्ट-इंटरव्यू का ट्रेलर जारी

युवा मिशन लेकर राजनीति में आएं, महत्वाकांक्षा लेकर नहीं

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर देश के युवाओं से राजनीति में आने की अपील की, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि युवकों को देश की राजनीति में मिशन लेकर आना चाहिए व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं लेकर राजनीति में नहीं आना चाहिए। प्रधानमंत्री ने पहली बार पॉडकास्ट पर दिए इंटरव्यू में कहा, मैं 2047 तक विकसित भारत के लिए सभी समस्याओं का समाधान चाहता हूं। सरकारी योजनाओं की 100 प्रतिशत डिलीवरी होनी चाहिए। यही वास्तविक सामाजिक न्याय और धर्मनिरपेक्षता है। इसके पीछे प्रेरक शक्ति है एआई, यानी एस्पिरेशनल इंडिया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने तीनों कार्यकाल और विकसित भारत के मुद्दे पर चर्चा की है। पॉडकास्ट पर पीएम मोदी के पहले इंटरव्यू के चुनिंदा अंश अभी इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जारी किए गए हैं। इसके विस्तृत प्रसारण की तारीख अभी घोषित नहीं की गई है, लेकिन इसका ट्रेलर ही दर्शकों को काफी आकर्षित कर रहा है।

योजनाओं की 100% डिलीवरी ही सच्चा सामाजिक न्याय है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंटरव्यू में कहा, पहले कार्यकाल में लोग मुझे समझने की कोशिश कर रहे थे और मैं दिल्ली को समझने की कोशिश कर रहा था। दूसरे कार्यकाल में मैं अतीत के दृष्टिकोण से सोचता था। तीसरे कार्यकाल में मेरी सोच बदल गई है, मेरा मनोबल ऊंचा है और मेरे सपने बड़े हो गए हैं। पीएम मोदी ने राजनीति के अपने अनुभवों को साझा करते हुए यह माना कि गलतियां होती हैं, सबसे होती हैं, मुझसे भी हुई है। मैं कोई देवता नहीं हूं।

प्रधानमंत्री मोदी ने पूरी दुनिया में जंग की स्थिति पर कहा, मैं हमेशा से कहता रहा हूं कि हम तटस्थ नहीं है, बल्कि शांति के पक्षधर हैं। उन्होंने तेजी से बदलते राजनीतिक माहौल और मापदंड, दुनिया के वर्तमान हालात और अपने व्यक्तिगत दृष्टिकोण को साक्षी रखते हुए भारत के युवाओं की राजनीति में भागीदारी पर खुलकर बात की। उन्होंने राजनीति में युवाओं की भागीदारी पर जोर दिया और कहा कि ज्यादा से ज्यादा युवाओं को राजनीति में शामिल होना चाहिए, लेकिन उन्हें मिशन लेकर राजनीति में आना चाहिए न कि महत्वाकांक्षाएं लेकर।पीएम मोदी ने कहा कि ये मेरा पहला पॉडकास्ट है, पता नहीं देश के लोगों को यह पसंद आएगा या नहीं। मुझे घबराहट बहुत ज्यादा है। यह मेरे लिए एक कठिन बातचीत है। इंटरव्यू ले रहे निखिल कामत ने पीएम से कहा कि वो ऐसे घर में पले-बढ़े जहां राजनीति को काफी नकारात्मक रूप से देखा जाता था। इस पर पीएम मोदी ने चुटकी लेते हुए कहा, अगर आपको अपनी कही बातों पर अब भी यकीन होता तो आज हम लोग इस बातचीत में नहीं होते। पीएम मोदी के इस पॉडकास्ट इंटरव्यू को सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसकी झलक शेयर की और कहा, मुझे आशा है कि आप सभी इसका उतना ही आनंद लेंगे जितना हमें आपके लिए इसे बनाने में आनंद आया।

कोऑपरेटिव बैंक घोटाले में राजद नेता के ठिकानों पर ईडी का छापा

सौ करोड़ के बैंक घोटाले में भी फंसेंगे लालू और तेजस्वी!

पटना, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

बिहार के कोऑपरेटिव बैंक में हुए सौ करोड़ से अधिक के घोटाले में राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो एवं पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और उनके सुपुत्र तेजस्वी यादव के फंसने की पूरी संभावना है। इस घोटाले में राष्ट्रीय जनता दल के कद्दावर नेता, राज्य के पूर्व मंत्री और उजियारपुर के विधायक आलोक मेहता के सीधे तौर पर लिप्त होने की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जांच कर रहा है। ईडी ने राजद विधायक आलोक मेहता के 16 ठिकाने पर छापेमारी की। ईडी की अलग-अलग टीमों ने पूर्व मंत्री आलोक मेहता के पटना, समस्तीपुर, वैशाली, दिल्ली, उत्तर प्रदेश के 16 ठिकानों पर छापा मार कर महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए और आवश्यक जांच-पड़ताल की।

राष्ट्रीय जनता दल अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव, पुत्र बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, बड़ी बेटी एवं पाटलिपुत्र से सांसद मीसा भारती वगैरह की जांच ईडी कर रहा है। अन्य घोटालों के साथ रेलवे भर्ती के लैंड फॉर जॉब घोटाले में भी लगातार पूछताछ चल रही है। कोऑपरेटिव बैंक घोटाले के आरोपी राजद विधायक और पूर्व मंत्री आलोक मेहता लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव के काफी करीबी रहे हैं।

आलोक मेहता दि वीएसवी को-ऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष थे। भारतीय रिजर्व बैंक से रजिस्टर्ड इस को-ऑपरेटिव बैंक में करीब 100 करोड़ का घोटाला सामने आया था, जिसके बाद आरबीआई ने इसके कारोबार पर रोक लगा दी थी। इसमें हजारों निवेशकों के करीब 100 करोड़ की रकम गायब हुई थी। दो कोल्ड स्टोरेज के नाम पर 60 करोड़ का गबन और फर्जी गारंटी-कागजातों पर लोन निकासी का मामला सामने आया था। ▶10पर

लोकपाल कानून की 'सीमाओं' को लेकर आया महत्वपूर्ण फैसला

पीएम जांच के दायरे में सुप्रीम कोर्ट के जज नहीं

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

लोकपाल संगठन के अध्यक्ष जस्टिस एएम खानविलकर ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि देश के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के बाकी जज लोकपाल की जांच के दायरे में नहीं आते। लोकपाल ने यह फैसला पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के खिलाफ दर्ज करवाई गई एक शिकायत पर सुनाया है। उनके खिलाफ शिकायत तब की गई थी जब वह मुख्य न्यायाधीश के पद पर थे। लोकपाल ने यह शिकायत खारिज कर दी। लेखपाल ने कहा, प्रधानमंत्री तक लोकपाल की जांच के दायरे में आते हैं, लेकिन लोकपाल कानून के प्रावधानों के मुताबिक सुपीम कोर्ट के जज लोकपाल की जांच की परिधि में नहीं आते।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ जांच की मांग खारिज

सुप्रीम कोर्ट के जज लोकपाल की जांच के दायरे में नहीं

लोकपाल ने इस शिकायत को लेकर कहा, असल मुद्दा जिसका उत्तर सबसे पहले दिया जाना चाहिए, वह यह है कि मुख्य न्यायाधीश या सुप्रीम कोर्ट के जज लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम-2013 की धारा 14 के अनुसार लोकपाल की जांच के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत नहीं आते हैं। लोकपाल कानून की धारा 14 में उन पदों के नाम नाम लिखे हैं, जिनके खिलाफ लोकपाल जांच हो सकती है। लोकपाल कानून की धारा 14 में लिखा है कि देश के प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, सांसद और ग्रुप ए, बी, सी और डी के अधिकारी/कर्मचारी तथा किसी सोसायटी, ट्रस्ट, बोर्ड, बॉडी के सदस्य या चेयरमैन समेत और किसी भी शख्स, जिसके खिलाफ भ्रष्टाचार या रिश्व-तखोरी का आरोप है, उसके खिलाफ लोकपाल जांच कर सकता है।

मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ की गई शिकायत पर सुनवाई में लोकपाल ने इसी धारा 14 का हवाला देते हुए कहा कि जांच सिर्फ उनके खिलाफ हो सकती है जिनका नाम इस कानून में लिखा है। लोकपाल ने कहा कि इसमें मुख्य न्यायाधीश या सुप्रीम कोर्ट के जज का नाम नहीं लिखा गया ऐसे में यह इसके अंतर्गत नहीं आते। इसके अलावा लोकपाल ने 2013 के कानून में दी गई बॉडी की परिभाषा को भी सुप्रीम कोर्ट के ऊपर नहीं लागू पाया। लोकपाल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट न ही संसद के किसी अधिनियम से बना है और न ही वह पैसे के लिए केंद्र सरकार पर निर्भर है, ऐसे में वह बॉडी की परिभाषा में नहीं आता।

लोकपाल ने यह सभी तर्क रखते हुए अपने फैसले में कहा, ऐसे में इस दृष्टांत के अनुसार मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के बाकी कार्यरत जज लोकपाल की जांच के दायरे में नहीं आएंगे। लोकपाल ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ के खिलाफ दायर की शिकायत भी ख़ारिज कर दी। लोकपाल ने कहा कि हाई कोर्ट के जजों के मामलों में यह नियम लागू नहीं होगा। इस शिकायत में आरोप था कि पूर्व मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने अपनी शक्तियों का गलत ▶10पर

पुराना फैसला बदलने से सुप्रीम कोर्ट का इन्कार

समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता नहीं

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने भारत में समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने पर विचार करने से इन्कार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के पुराने निर्णय को चुनौती देने वाली समीक्षा याचिकाओं में कहा गया था कि सर्वोच्च न्यायालय समलैंगिक विवाह को मान्यता नहीं देने के अपने पुराने फैसले की समीक्षा करे। शीर्ष न्यायालय ने इन याचिकाओं पर विचार करने से इन्कार कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस बीवी नागरत्ना, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने चैंबर में समीक्षा याचिकाओं पर विचार किया। इसके बाद इन्हें खारिज कर दिया। अपने पुराने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि समलैंगिक विवाह को कानूनी मंजूरी देने का कोई संवैधानिक आधार नहीं है। जुलाई 2024 में जस्टिस संजीव खन्ना ने सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था। इसके बाद इन समीक्षा याचिकाओं की सुनवाई के लिए एक नई पीठ का गठन किया गया था। उल्लेखनीय है कि न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा अक्टूबर 2023 का फैसला सुनाने वाली मूल पीठ के एकमात्र सदस्य हैं, क्योंकि अन्य सभी सदस्य (सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति एसके कौल, रवींद्र भट और हिमा कोहली) सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

समीक्षा पीठ ने कहा कि उसने उसने समलैंगिक विवाह पर पुराने निर्णयों को ध्यान से पढ़ा है और इन निर्णयों में कोई त्रुटि नहीं मिली। पीठ के आदेश में कहा गया है, हमें रिकॉर्ड में कोई त्रुटि स्पष्ट नहीं मिली। हम आगे पाते हैं कि दोनों निर्णयों में व्यक्त किए गए विचार कानून के अनुसार हैं और इस तरह कोई हस्तक्षेप उचित नहीं है। दरअसल, 17 अक्टूबर 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक विवाहों को कानूनी मान्यता देने से इनकार कर दिया था और कहा था कि यह विधायिका का मामला है। हालांकि, बेंच के सभी जज इस बात पर सहमत थे कि भारत सरकार समलैंगिक रिश्ते में शामिल व्यक्तियों के अधिकारों की जांच करने के लिए एक समिति का गठन करे।

सुप्रीम कोर्ट ने सर्वसम्मति से यह भी माना था कि समलैंगिक जोड़ों को हिंसा, जबरदस्ती या धमकी के बिना सहवास करने का अधिकार है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे संबंधों को विवाह के रूप में औपचारिक रूप से मान्यता देने के लिए कोई निर्देश पारित करने से परहेज किया। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस एसके कौल ने समलैंगिक जोड़ों के नागरिक संघ बनाने के अधिकार को मान्यता देने पर सहमत थे, लेकिन अन्य तीन न्यायाधीश असहमत थे।इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में कई समीक्षा याचिकाएं दायर की गईं। इन याचिकाओं में समलैंगिक जोड़ों के साथ होने वाले भेदभाव को स्वीकार करने के बावजूद उन्हें कोई कानूनी सुरक्षा प्रदान नहीं करने के निर्णय को गलत ठहराया गया। उन्होंने तर्क दिया कि यह मौलिक अधिकारों को बनाए रखने और उनकी रक्षा करने के न्यायालय के कर्तव्य का परित्याग है। इन याचिकाओं में यह भी तर्क दिया गया था कि निर्णय विर-ोधाभासी और स्पष्ट रूप से अन्यायपूर्ण है। न्यायालय ने माना कि सरकार द्वारा भेदभाव के माध्यम से याचिकाकर्ताओं के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन किया जा रहा है, लेकिन इस भेदभाव को प्रतिबंधित करने का तार्किक अगला कदम उठाने में विफल रहा।

अरविंद केजरीवाल के मुंह से फिर निकली शौचोक्ति

बिहार यूपी वाले सब फर्जी वोटर हैं

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

बेजा और अवांछित बयानों के लिए कुख्यात दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी के सरगना अरविंद केजरीवाल के मुंह से एक बार फिर आपत्तिजनक बात निकली है। केजरीवाल ने दिल्ली में रहने वाले बिहार और उत्तर प्रदेश के लोगों को फर्जी मतदाता बताया है। केजरीवाल की इस शौचोक्ति से राजनीतिक सामाजिक जगत से तमाम निंदा प्रस्ताव जारी हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि दिल्ली में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को बसा कर उन्हें मतदाता बनवाने वाले अरविंद केजरीवाल यूपी बिहार के लोगों को फर्जी मतदाता बता रहे हैं।

आम आदमी पार्टी (आपा) के मुखिया एवं पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में जारी विधानसभा चुनावों के नाम पर स्कैम का आरोप लगाया है। यूपी-बिहार के लोगों को फर्जी वोटर बताते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा वोटर लिस्ट में बड़े पैमाने पर हेराफेरी कर रही है और स्थानीय चुनाव अधिकारी भाजपा के सामने घुटने टेक दिए हैं। इस बयान पर भाजपा ने केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में सिर्फ एक लाख मतदाता हैं और इसमें से साढ़े पांच लाख वोट काट रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनावी अधिकारियों ने जब इन मामलों में सुनवाई की तो पता चला इन लोगों में से किसी ने वोटर लिस्ट में से अपना नाम हटाने का आवेदन नहीं दिया था। केजरीवाल का कहना है कि इन लोगों के नाम से फर्जी आवेदन दिया गया था। केजरीवाल ने कहा, बहुत बड़े स्केल पर स्कैम चल रहा है। बहुत बड़ा फ्रॉड चल रहा है। पिछले 15 दिनों में 13000 नए वोटरों का नाम जोड़ने के लिए आवेदन आए हैं। ये लोग अचानक कहां से आ गए? जाहिर है ये यूपी-बिहार से ला-ला कर वोटर बनवा रहे हैं। यूपी और आसपास के स्टेट से ला-ला कर फर्जी वोटर खड़ा करा रहे हैं। केजरीवाल ने कहा, विधानसभा में 18.5 प्रतिशत वोट इधर-उधर कर दिए जाएं तो ये चुनाव थोड़े ही है, ये तो तमाशा है, नाटक है।

अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा, दिल्ली में चुनाव के नाम पर स्कैम हो रहा है। भाजपा बड़े पैमाने पर वोटर लिस्ट में हेराफेरी कर रही है। स्थानीय चुनाव अधिकारियों ने भाजपा के सामने घुटने टेक दिए हैं। आज चुनाव आयोग से मिलकर शिकायत की है। अगर चुनाव आयोग ने तुरंत कार्रवाई नहीं की तो दिल्ली में लोकतंत्र की हत्या हो जाएगी। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वे दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी मारलेना, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और सांसद संजय सिंह के साथ चुनाव आयुक्त से मिलने के लिए गए। वहां उन्होंने भाजपा को लेकर कई शिकायतें कीं। केजरीवाल ने कहा, हमारे कुछ मुद्दे थे। इनमें से एक था दिल्ली विधानसभा के अंदर 15 दिसंबर से 7 जनवरी के बीच यानी 22 दिन में 5500 वोट काटने के लिए यूपी बिहार से लोग आ गए हैं।

अरविंद केजरीवाल द्वारा यूपी-बिहार के लोगों को फर्जी वोटर कहने पर भाजपा ने जबरदस्त पलटवार किया है। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा, दिल्ली में रह रहे यूपी-बिहार के लोग अरविंद केजरीवाल के लिए फर्जी! ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 80,620/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 93,000/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29^0

न्यूनतम : 20^0

योगी सरकार ने तलब की 1978 के संभल दंगों की रिपोर्ट

कश्मीर की तरह मारे काटे गए थे संभल के हिंदू

लखनऊ, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभल में 1978 में हुए दंगों के बारे में पूरी रिपोर्ट तलब की है। राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य श्रीचंद्र शर्मा के नोटिस पर यह निर्देश दिया है। करीब 47 साल पहले यह दंगा होली के बाद 29 मार्च को शुरू हुआ था। 184 लोगों की हत्या की गई थी। करीब 30 दिनों तक कर्फ्यू लगा रहा था।

योगी सरकार ने 47 साल बाद इन दंगों की दोबारा जांच के निर्देश दिए हैं। संभल के पुलिस अधीक्षक केके बिश्नोई ने कहा कि विधान परिषद सदस्य श्रीचंद्र शर्मा ने 17 दिसंबर को जो पत्र दिया था, उसके बाद शासन ने आख्या (रिपोर्ट) मांगी है। इसमें कहा गया है कि 1978 के दंगों से जुड़ी जो भी सूचना है वह उपलब्ध कराएं। ये सूचनाएं संकलित की जा रही हैं और इसके बाद सरकार को उपलब्ध करवाया जाएगा।

मुरादाबाद के कमिश्नर आंजनेय सिंह ने 8 जनवरी 2025 को संभल के जिलाधिकारी डॉक्टर राजेंद्र पेंसिया को इस दंगे से जुड़े सभी रिकॉर्ड सौंपने को कहा है। दंगे से मामलों की फिर से जांच की जा रही है। कमिश्नर आंजनेय सिंह ने इस मामले को लेकर एक बैठक भी बुलाई है। इससे पहले 7 जनवरी को संभल के एसपी केके बिश्नोई ने डीएम पेंसिया को पत्र लिखकर बताया था कि उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य श्रीचंद्र शर्मा ने 1978 के दंगों की नए सिरे से जांच की मांग की है। शर्मा ने इस संबंध में उत्तर प्रदेश के गृह विभाग के उप सचिव और पुलिस अधीक्षक (मानवाधिकार) से पत्र मिलने का उल्लेख किया था। गृह विभाग के उप सचिव सत्येंद्र प्रताप सिंह ने एक सप्ताह के भीतर ▶10पर

मुस्लिम लीग की विचारधारा से नहीं चलेगा देश : योगी

मुस्लिम दोस्तों ने काटा था बनवारी गोयल का अंग-अंग

विवादित मस्जिदें महज ढांचा हैं मस्जिद नहीं : योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि सनातन धर्म से जुड़े प्रतीकों को शांतिपूर्वक वापस दिया जाना चाहिए और इसमें कोई विवाद नहीं होना चाहिए। सीएम योगी ने यह भी कहा कि जहाँ भी ऐसे दावे हैं, उन्हें मस्जिद न कह कर विवादित ढांचा कहा जाए। उन्होंने संभल की मस्जिद के विषय में आइन-ए-अकबरी का हवाला दिया है। उन्होंने चेताया है कि यह देश मुस्लिम लीग की विचारधारा से नहीं चलेगा। सीएम योगी ने प्रयागराज में आयोजित धर्म संसद में कहा, संभल में श्रीहरि विष्णु का 10वां अवतार जन्म लेने वाला है। यह हमारे पुराणों में उल्लेख है, कब विष्णु का कौन सा अवतार आएगा, ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

घरेलू परिधान क्षेत्र से जुड़े सभी प्रमुख व्यापार संघों की एक बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक अनूठी पहल के तहत, सीएमएआई ने घरेलू परिधान क्षेत्र से जुड़े सभी प्रमुख व्यापार संघों की एक बैठक मुंबई में आयोजित की। बेंगलूरु के दिलीप जैन ने बताया कि बैठक में संघों के समूह ने सामूहिक रूप से विचार-विमर्श किया और एक उद्योग एक आवाज के तहत भारत सरकार को प्रस्तुत करने के लिए सिफारिशों का एक चार्टर तैयार किया।

मुख्य बातों में परिधान व्यापार को बढ़ावा देने, सतत विकास को बढ़ावा देने और महत्वपूर्ण उद्योग आवश्यकताओं को संबोधित करने के उपाय शामिल थे। इस अवसर पर राजस्थान परिधान निर्यातक संघ (जीईएआर) जयपुर, बेंगलूरु परिधान निर्माता संघ (बीएएमए) बेंगलूरु, दक्षिण भारत परिधान संघ (एसआईजीए) बेंगलूरु, कर्नाटक होजरी और परिधान संघ (खागा), कर्नाटक इनरवियर संघ (किया), लुधियाना के निटवियर और परिधान निर्माता संघ (कमल) लुधियाना, ऊनी परिधान निर्माता संघ लुधियाना, तिरुपुर निर्यातक संघ (टीईए) तिरुपुर, सूरत कपड़ा व्यापारी संघ (फोस्टा) सूरत, बिजनेस नेटवर्क इंटरनेशनल सूरत, गारमेंट व्यापार संगठन सूरत, इंदौर रेडीमेड वस्त्र व्यापारी संघ (आईआरवीवीएस) मध्य प्रदेश, गुजरात परिधान मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन (जीजीएमए) अहमदाबाद, गारमेंट होलसेलर्स एसोसिएशन (जीडब्ल्यूएमए) हैदराबाद, वेस्ट बंगाल होजरी एंड गारमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (डब्ल्यूबीएचजीएमए) कोलकाता और सोलापुर गारमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एसजीएमए) सोलापुर उपस्थित थे।

समकितमुनि के दर्शन वंदन का लिया लाभ

रायचूर/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजाजीनगर संघ बेंगलूरु के पदाधिकारियों ने रायचूर में विराजित आगम ज्ञाता वाणी के जादूगर डॉ. समकितमुनि के दर्शन वंदन का लाभ लिया। ज्ञातव्य है कि डॉ. समकितमुनि के पावन सानिध्य में श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्व-ावधान में आगामी होली चातुर्मास घोषित है और गुरदेव का रायचूर से विहार बेंगलूरु की ओर गतिमान है। होली चातुर्मास के पश्चात गुरुदेव का बेंगलूरु से चेन्नई की ओर विहार होगा। गुरुदेव का आगामी 2025 का चातुर्मास चेन्नई में घोषित है। इस मौके पर रायचूर संघ के उपाध्यक्ष किशोरकुमार आबड़, राजाजीनगर संघ के अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया, उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर, मंत्री नेमीचंद दलाल, सहमंत्री राकेश दलाल, कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट एवं युवाध्यक्ष धीरज नाहर मौजूद रहे।

73 लाख रुपये का हाइड्रो गांजा जब्त, केरल का व्यक्ति गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेंगलूरु सीसीबी ने शुक्रवार को गोवा से मेंगलूरु और केरल में मादक पदार्थ की आपूर्ति करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। यह मेंगलूरु सीसीबी की मेंगलूरु को नशा मुक्त बनाने की पहल का हिस्सा है। पुलिस ने उसके कब्जे से 73 लाख रुपये मूल्य का हाइड्रो गांजा और अन्य सामान जब्त किया। पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने कहा कि आरोपी शमी पी के (42) केरल के कोझिकोड का रहने वाला है। केरल से मेंगलूरु शहर में हाइड्रो गांजा ले जाए जाने की सूचना पर कार्रवाई करते हुए सीसीबी के अधिकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर बप्पनडु के पास एक कार को रोका। पुलिस ने आरोपी के पास से 73 लाख रुपये मूल्य का 738 ग्राम हाइड्रो गांजा, परिवहन के लिए इस्तेमाल की गई कार और एक मोबाइल फोन बरामद किया। जब्त की गई संपत्तियों की कुल कीमत लगभग 80,10,000 रुपये आंकी गई है। मुल्की पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि हाइड्रो गांजा विदेश से लाया गया था। पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल की देखरेख और पुलिस उपायुक्त सिद्धार्थ गोयल, के रविशंकर के निर्देशन में मादक पदार्थ हाइड्रो वीड की बिक्री या परिवहन का पता लगाने के लिए अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व सीसीबी इकाई के एसीपी मनोज कुमार नाइक ने किया। साथ ही पुलिस निरीक्षक श्याम सुंदर एचएम, पीएसआई शरणप्पा भंडारी और सीसीबी कर्मियों ने भी इस अभियान में सहयोग किया।

छह लोगों के आत्मसमर्पण के बाद कर्नाटक में कोई माओवादी नहीं: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में माओव-ादी गतिविधियों के बारे में मौजूदा जानकारी के आधार पर, हाल ही में आत्मसमर्पण करने वाले छह व्यक्ति राज्य में जीवित बचे हुए अंतिम व्यक्ति माने जा रहे हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने माओवादियों में से एक रविंद्र के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब दिया, जो अभी भी लापता है, जबकि सरकार का दावा है कि कर्नाटक अब माओवादी-मुक्त राज्य है।

इसके अलावा, रविंद्र के लापता होने पर राज्य के गृह मंत्री ने कहा कि ऐसी जानकारी है कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के समूह ने उसे निष्कासित कर दिया है। हालांकि, उसके निष्कासन का कारण अज्ञात है, और जांच चल रही है। उन्होंने कहा यदि कोई और सामने आता है, तो उस पर नजर रखी जाएगी। मुठभेड़ में मारे गए माओवादी विक्रम गौड़ा के परिवार के लिए मुआवजे की मांग के बारे में उन्होंने कहा कि अनुरोध की समीक्षा की जाएगी। माना जाता है कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों ने जंगल में अपने हथियार फेंक दिए हैं, और पुलिस उन्हें खोजने के लिए काम कर रही है। भाजपा के आरोपों के बारे में, जिसमें दावा किया गया है कि सरकार माओवादियों के पुनर्वास के लिए दिखाई गई प्रतिबद्धता के समान हथियार खोजने के लिए प्रतिबद्धता नहीं दिखा रही है, उन्होंने कहा हम अपना काम कर रहे हैं। जंगल में हथियार कहां छिपाए गए हैं, यह पता लगाने के लिए पुलिस आवश्यक मदद लेगी। इसके लिए एक प्रक्रिया है, और पुलिस उसी के अनुसार काम करेगी। क्या भाजपा को यह नहीं पता? उन्होंने भी राज्य पर शासन किया है। क्या तब पुलिस विभाग वही नहीं था? उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों और मुठभेड़ में मारे गए माओवादी विक्रम गौड़ा के मामले अलग-अलग मुद्दे हैं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार को बेंगलूरु में अपने गृह कार्यालय कृष्णा में आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को गुलाब के फूल और भारतीय संविधान की प्रतियां भेंट करके मुख्यधारा में शामिल होने का स्वागत किया। छह माओवादियों के आत्मसमर्पण के साथ, कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने कर्नाटक को वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) मुक्त राज्य घोषित कर दिया है। गुरुवार को विशेष एनआईए अदालत ने आत्मसमर्पण करने वाले छह माओवादियों को 30 जनवरी तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। श्रींगेरी के मुंडागरु से मुंडागरु लता, कलासा के बालेहोल से वनजाक्षी, मेंगलूरु के पास कुटलुरु से सुंदरी, रायचूर से मरप्पा जयन्ना अरोली, तमिलनाडु से वसंता टी. उर्फ रमेश और केरल से टी.एन. जीशा ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की मौजूदगी में आत्मसमर्पण किया। कर्नाटक भाजपा ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर माओवादियों को शाही व्यवहार देने और उनके आत्मसमर्पण में मदद करने के लिए सवाल उठाया है।

चिकमगलूरु के डिप्टी कमिश्नर और जिला मजिस्ट्रेट के कार्यालय ने वामपंथी उग्रवादियों के लिए आत्मसमर्पण-सह-पुनर्वास योजना के तहत आत्मसमर्पण करने वाले प्रत्येक माओवादी को 3 लाख रुपये की सब्सिडी जारी करने का आदेश दिया है।

कर्नाटक में पहचाने गए आठ माओवादियों में से विक्रम गौड़ा मुठभेड़ में मारा गया, छह ने आत्मसमर्पण कर दिया है और एक, रवींद्र अभी भी फरार है। चिकमंगलूरु जिले के श्रृंगेरी का रहने वाला रविंद्र 14 मामलों का सामना कर रहा है और माओवादियों को मुख्यधारा में लाने के लिए काम करने वाले समूहों के संपर्क में नहीं आया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि रविंद्र 18 साल से लापता है।

कर्नाटक में ओबीसी और दलितों को संगठित करने के लिए

केएस ईश्वरप्पा 4 फरवरी को 'क्रांतिवीर ब्रिगेड' का करेंगे गठन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मंत्री के.एस. ईश्वरप्पा, जिन्हें भाजपा से निकाल दिया गया है, ओबीसी और दलितों को संगठित करने के लिए क्रांतिवीर ब्रिगेड का गठन करने जा रहे हैं। इसे 4 फरवरी को कर्नाटक के विजयपुरा जिले के बसवाना बागेवाड़ी में लॉन्च किया जाएगा। उनका दावा है कि इस लॉन्च में कई संत शामिल होंगे।

ईश्वरप्पा, जो भाजपा के ओबीसी चेहरे थे, ने भाजपा में रहते हुए इसी तरह की ब्रिगेड शुरू की थी।

उन्होंने भाजपा के केंद्रीय नेताओं द्वारा इसे छोड़ने की सलाह दिए जाने के बाद, कथित तौर पर पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा के कहने पर, इस मिशन को छोड़ दिया था। रायन्ना ब्रिगेड अब केवल भाजपा को सत्ता में लाने के लिए नहीं, बल्कि पिछड़े समुदायों पर ध्यान केंद्रित करेगी। ईश्वरप्पा ने घो-षणा की है कि प्रस्तावित ब्रिगेड 'किसी भी हिंदू संगठन या समूह' के साथ खड़ी होगी। इसके अलावा, विभिन्न धार्मिक संस्थानों और मठों के प्रमुख प्रस्तावित ब्रिगेड का हिस्सा होंगे, जिसका दावा है कि इसका कोई राजनीतिक संबंध नहीं होगा।

ईश्वरप्पा ने बताया कि वे ब्रिगेड के संयोजक होंगे, पूर्व मंत्री गुलिहट्टी शेखर और ओबीसी नेता मुकुदप्पा सहित कुछ अन्य लोगों के अलावा, उनके बेटे कंथेश कार्यकारी अध्यक्ष होंगे। उन्होंने कहा कि अन्य मुद्दों के अलावा, ब्रिगेड उन लोगों का मुद्दा उठाएगी जिन्हें वक्फ बोर्ड से बेदखली के नोटिस मिले हैं। जब उनसे पूछा गया कि अगर भाजपा के नेता उन्हें ऐसा प्रस्ताव देते हैं तो क्या वे भाजपा में फिर से शामिल होने पर विचार करेंगे, तो ईश्वरप्पा ने कहा कि अगर पार्टी को 'साफ' करने के लिए उपाय किए जाते हैं तो वे इस पर विचार करेंगे।

यह मांग उन्होंने भाजपा में रहते हुए उठाई थी। उन्होंने कहा भाजपा से मेरे निष्कासन का मुख्य कारण मेरी मांग थी कि पार्टी को वंशवादी शासन लागू करने की कोशिश करने वालों के चंगुल से मुक्त करके साफ किया जाना चाहिए। इस सवाल का जवाब देते हुए कि क्या वह विधायक बसनगौड़ा पाटिल यत्नाल के नेतृत्व वाले भाजपा के बागी विधायकों के समूह को समर्थन दे रहे हैं, जो भी इसी तरह की मांग कर रहे हैं, ईश्वरप्पा ने कहा कि उन्होंने न तो भाजपा में किसी को समर्थन की पेशकश की है और न ही उन्होंने भाजपा में किसी से अपनी ब्रिगेड के लिए समर्थन मांगा है।

बेलगावी के पास व्यवसायी को गोली मारी

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के बिलिगुंडी गांव में शुक्रवार को एक व्यवसायी को गोली मार दी गई। पुलिस ने बताया कि व्यवसायी प्रफुल पाटिल को अस्पताल ले जाया गया। वह खतरे से बाहर है। व्यवसायी बेलगावी से बिलिगुंडी जा रहा था, तभी उस पर हमला हुआ। उसकी कार पर गोलियां चलाई गईं। पुलिस उपायुक्त रोहन जगदीश के नेतृत्व में एक टीम ने घटनास्थल का दौरा किया। आगे की जांच पड़ताल जारी है।

शांतिनगर महिला मंडल का चुनाव सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन महिला मंडल शांतिनगर बेंगलूरु के पदाधिकारियों का चुनाव सम्पन्न हुआ।

इसके तहत उषा मुथा अध्यक्ष, आरती लुणावत उपाध्यक्ष, वन्दना मरलेचा मंत्री, अंजु मुथा सहमंत्री और अंजु बेताला कोषाध्यक्ष नियुक्त हुई।

यह जानकारी श्री वर्धमान श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन महिला मण्डल शांतिनगर की ओर से-शांतिनगर संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने दी।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर का एक प्रतिनिधिमंडल काचीगुड़ा एक्सप्रेस से हैदराबाद विराजित आचार्य श्री पार्श्वचंद्र के दर्शन और सेवा के लिए रवाना हुआ। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वरिष्ठ सदस्य प्रकाश चंद नाहटा ने किया। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल आचार्य से आगामी फाल्गुनी चातुर्मास अलसूर संघ में करने और उन्हीं की शिष्या शशिप्रभा जी का 2025 का चातुर्मास लाभ अलसूर संघ को प्रदान करने की विनती करते हुए विनती पत्र समर्पित करेगा। उगमराज मुथा, धनपत राज तातेड, मनोज गादिया एवं तेजराज तातेड भी प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे।*

भव्य शोभा यात्रा निकाली

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कैलासपुरम स्थित कोल्लापुरदम्मा मंदिर में गुरुवार प्रातः विशेष पूजा अर्चना की गई। श्रीक्षेत्र गौडागेरे स्थित बसवेश्वर मंदिर में पोषित गाय का बछड़ा (बसवन्ना) को कैलासपुरम मंदिर में विविध रंग बिरंगे फूलों से सजा कर कुमकुम, दूध, दही व शहद से पूजा कर शोभायात्रा निकाली गई। भक्तों ने बीच राह में बछड़े की जगह-जगह पूजा आरती कर मंगल गीत गाए। अब कोल्लापुरदम्मा मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य शुरू किया गया है। मंदिर निर्माण उपयोग में लिए जाने वाले पत्थरों पर बछड़े ने अपने दोनों पैर रखकर आशीर्वाद दिया। बछड़े के मंदिर से पुनः लौटने पर श्रद्धालु सड़क पर लेट गए, लेकिन बिना किसी को स्पर्श किए हुए बछड़ा भक्तों के ऊपर से निकल गया। पूजा अनुष्ठान के मुख्य अथिति पर्यावरण जाग्रति वेदिके बन्नूर के अध्यक्ष महेंद्र सिंह राजपुरोहित ने बताया कि कोल्लापुरदम्मा मंदिर प्राचीन है। इस मंदिर पर भक्तों की अटूट श्रद्धा भक्ति रही है। अब दानदाताओं की सहायता से इस मंदिर का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। मूर्तिकार अरुण योगीराज मूर्ति को तैयार कर रहे है। इस मौके पर राजन्ना, विजयकुमार, महेश एन., गोविंदराजू, शहर कांग्रेस पार्टी के सचिव दुर्गेश कुमार, अशोक, चंदन, सुरेश, व्यवस्थापक महेश, पूर्व पार्षद सुनंदा सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्री पार्श्व सुशीलधाम में चल रहे उपधान तप के दौरान शुक्रवार को स्थानीय चंदापुर गुरुकुलम के छात्रों एवं शिक्षकों ने मंदिर एवं आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी के दर्शन वंदन किए। आचार्यश्री ने उन्हें जीवन में सत्कार्य की प्रेरणा देते हुए कहा कि पुण्य का फल सुख एवं पाप का फल दुःख है। दुःख से दूर रहना हो तो पाप कार्यों से दूर रहना जरूरी है। उपधान व्यवस्थापक कल्याण मित्र परिवार के सदस्य अशोक सेठ ने बच्चों को ज्ञान प्रदर्शनी के माध्यम से महावीर स्वामी के जीवन चरित्र से अवगत कराया।*

दो दिवसीय मेगा अग्रवाल ट्रेड फेयर का आगाज आज से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बल्लारी रोड स्थित पैलेश ग्राउंड के गेट नम्बर 6 ग्रांड कैंसल के हॉल में अग्रवाल समाज कर्नाटक द्वारा निर्धारित दो दिवसीय अग्रवाल मेगा ट्रेड फेयर की शुरुआत शनिवार से होगी। अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल ने बताया कि शनिवार सुबह 9 बजे इस मेगा ट्रेड फेयर का उद्घाटन सेंट्रल सेल्स टैक्स जीएसटी प्रिंसिपल चीफ कमिश्नर एवं आबकारी अधिकारी प्रमोद कुमार अग्रवाल, विशेष अतिथि पद्मश्री डॉ. एचआर नागेन्द्र गुरुजी व मुख्य सहयोगी गुरु पुनवानी के चैयरमेन संजय कुमाए बैद करेंगे। इस विशाल ट्रेड फेयर में पूरे दक्षिण भारत से करीब 250 स्टॉल पर हर तरह के व्यपारी अपने प्रोडक्ट के साथ तैयार हैं। इस मेगा ट्रेड फेयर के लिए अग्रवाल समाज की पूरी टीम, युवा संघ व महिला मंडल की टीम एकजुटता के साथ कार्य में जुटी है। सचिव सतीश गोयल ने बताया कि इस मेगा ट्रेड फेयर में मार्बल ग्रेनाइट, स्टील आयरन, सेनेटरी वेयर, कंप्यूटर, हार्डवेयर, गारमेंट्स, जेवलर्स, क्लॉथ, प्लास्टिक व हथकरघा से तैयार समान उपलब्ध होंगे। कोषाध्यक्ष अंकित मोदी व युवा संघ के अध्यक्ष रोहित केडिया ने बताया कि इस ट्रेंड फेयर में संगीत जगत के कलाकार भी अपनी प्रस्तुति देंगे। बच्चों के लिए अनेक गेम्स भी उपलब्ध रहेंगे। अग्रवाल समाज द्वारा पहली बार यह ट्रेड फेयर का आयोजन किया जा रहा है। शहर की सभी सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं ने भी विशेष रूप से उत्साह के साथ भाग लेने का आह्वान किया है। सभी संस्था समाज के पदाधिकारियों को भी निमंत्रण भेज कर आमंत्रित किया गया है। मीडिया समूह को भी आमंत्रित किया गया है। इस मेगा ट्रेड फेयर में निशुल्क प्रवेश रहेगा। सुबह 9 बजे से 6 बजे तक खरीदारी का लुप्त उठा सकेंगे। बड़े बड़े उद्योग जगत के व्यवसायी ट्रेंड फेयर को सफल बनाने के लिए सहयोगी बने हैं।

भाजपा ने स्थानीय निकाय चुनावों के मद्देनजर रणनीतियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र ने आगामी जिला, तालुक पंचायत, बीबीएमपी और स्थानीय निकाय चुनावों के मद्देनजर लागू की जाने वाली रणनीतियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक की। शहर के एक निजी होटल में आयोजित रात्रिभोज में केवल पूर्व विधायकों, पूर्व विधान परिषद सदस्यों और पार्टी के कुछ पदाधिकारियों को ही आमंत्रित किया गया था। विजयेंद्र के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद आयोजित पहली डिनर पार्टी में उम्मीद से ज्यादा संख्या में पूर्व विधायक, पूर्व विधान परिषद सदस्य और पार्टी नेता शामिल हुए। ऊपरी तौर पर कहा गया कि यह पार्टी संगठन को लेकर एक बैठक थी, लेकिन यह बैठक बसनगौड़ा पाटिल यत्नाल, रमेश जारकीहोली, अरविंदा लिंबावली और अन्य असंतुष्टों से बदला लेने के बहाने आयोजित की गई थी जो उनके नेतृत्व के खिलाफ लड़ रहे थे। विजयेंद्र गुट के एक प्रमुख व्यक्ति ने व्यक्तिगत रुचि ली और पूर्व विधायकों और पूर्व विधान परिषद सदस्यों और पूर्व मंत्रियों को बैठक में आमंत्रित किया। अधिकांश लोगों ने उम्मीद से कहीं अधिक संख्या में गणमान्य लोगों के रात्रि भोज में भाग लेकर विजयेंद्र के नेतृत्व को बधाई दी। नेताओं ने कहा विजयेंद्र को 2028 के विधानसभा चुनाव तक नेतृत्व नहीं बदलना चाहिए। आइए उनके नेतृत्व में चुनाव का सामना करें। पता चला है कि संभव हो तो पार्टी नेताओं से मुलाकात कर उन्हें मनाने का निर्णय लिया गया है। यत्नाल और उनकी टीम द्वारा चलाया जा रहा अलग संघर्ष जल्द ही बंद किया जाना चाहिए। इससे पार्टी के संगठन को झटका लगा है। सभी संघर्ष पार्टी चिन्ह के तहत होने चाहिए। बैठक में वरिष्ठों को अलग-अलग और अलग-अलग संचालन न करने देने के लिए मनाने पर भी चर्चा हुई। यत्नाल और उनकी टीम अलग-अलग लड़ रही है और पार्टी के संगठन को झटका लगा है। इसको लेकर कार्यकर्ताओं में आक्रोश है। अगर हम कांग्रेस सरकार की विफलताओं का मुद्दा उठाते हैं, तो सबसे पहले अपनी थाली सही करना होगा। इस बात को वरिष्ठों के संज्ञान में भी लाया गया है। हर चीज का जल्द ही सुखद अंत होगा। सूत्रों ने कहा कि विजयेंद्र ने उन्हें कांग्रेस सरकार की सनक और प्रलोभन का शिकार न होने के लिए मना लिया है। भाजपा विधायक बसन गौड़ा पाटिल के गुट के नेताओं ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र के खिलाफ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से शिकायत दर्ज कराई थी। हाल ही में विजयेंद्र ने अमित शाह से मुलाकात कर यत्नाल गुट के खिलाफ शिकायत की थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि इसके कारण पार्टी कांग्रेस के खिलाफ लड़ाई में पिछड़ रही है। इसके जवाब में दिलचस्प बात यह है कि यत्नाल गुट ने अब पार्टी नेताओं से शिकायत की है। दूसरे गुट का दावा है कि विजयेंद्र पार्टी में सभी को एक साथ लाने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। पार्टी के महत्वपूर्ण फैसले लेते समय सभी नेताओं से सलाह नहीं ली जाती। इसका पार्टी संगठन पर बड़ा असर पड़ रहा है। इसके अलावा उन्होंने खुद को सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के साथ जोड़ लिया है। इस प्रकार, सरकारी विफलताओं के खिलाफ संघर्ष तार्किक अंत तक नहीं पहुंच पा रहा है। यत्नाल गुट के नेताओं ने अमित शाह से शिकायत की कि मीडिया के बयान सिर्फ प्रसारण तक ही सीमित रह जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि विधायक बसनगौड़ा पाटिल गुट के नेताओं द्वारा विजयेंद्र के नेतृत्व के खिलाफ राय जुटाने के लिए जिले का दौरा शुरू करने की खबर के मद्देनजर पार्टी के पूर्व मंत्रियों और विधायकों का विश्वास हासिल करने के लिए इस डिनर पार्टी का आयोजन किया गया था। इस मौके पर भाजपा केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य और पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा, विपक्ष के नेता आर. अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी और पूर्व मुख्यमंत्री डी.वी. सदानंद गौड़ा, विधान परिषद के पूर्व सदस्य कृष्ण भट्ट, आमंत्रित गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

अवैध रूप से रह रहा एक बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारत में अवैध रूप से रह रहे एक बांग्लादेशी नागरिक को मेंगलूरु जिले के एक गांव से गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आरोपी की पहचान 25 वर्षीय अनुरुल शेख के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, शेख को मेंगलूरु शहर के बाहरी इलाके मुक्का गांव से गिरफ्तार किया गया। आंतरिक सुरक्षा प्रभाग (आईएसडी) और मेंगलूरु पुलिस ने संयुक्त रूप से अभियान चलाया और एक गुप्त सूचना के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी तीन साल पहले लालगोल सीमा (पूर्वी पश्चिम बंगाल) क्षेत्र से भारत में घुस आया था। आरोपी मेंगलूरु आया था और एक निर्माण मजदूर के रूप में बस गया था। शुरुआत में वह पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद आया और बाद में मेंगलूरु चला गया। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने हाल ही में बेलगावी सुवर्ण विधान सौधा में विधान परिषद में कहा कि राज्य पुलिस ने राज्य में अवैध रूप से रह रहे 159 बांग्लादेशी नागरिकों और 24 पाकिस्तानी नागरिकों को हिरासत में लिया है। इसके अलावा, जांच में पाया गया है कि कर्नाटक में बांग्लादेश से 115 अवैध अप्रवासी रह रहे थे। परमेश्वर ने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा अवैध अप्रवासियों के मामले को देखने और उन्हें ट्रैक करने के लिए एक विशेष इकाई का गठन किया गया है। भारतीय क्षेत्र में अवैध अप्रवासी कोई नई घटना नहीं है। अवैध अप्रवासी लाखों की संख्या में देश में आ रहे हैं। इससे पहले, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत, बेंगलूरु ने 30 दिसंबर, 2024 को बेंगलूरु में बसे बांग्लादेशी आतंकवादी जाहिदुल इस्लाम उर्फ कौसर को सजा सुनाई थी। आरोपी डकैती, साजिश और धन जुटाने के साथ-साथ गोला-बारूद की खरीद से जुड़े मामलों में भी शामिल था। एनआईए की जांच के अनुसार, भारत के जेएमबी अमीर जाहिदुल इस्लाम, फरार जेएमबी प्रमुख सलाउद्दीन सालेहिन के साथ बांग्लादेश में 2005 के सिलसिलेवार विस्फोटों के सिलसिले में बांग्लादेश पुलिस की हिरासत से भागने के बाद 2014 में अवैध रूप से भारत में घुस आए थे। छिपने के दौरान, वह और उसके साथी अक्टूबर 2014 के बर्दवान विस्फोट मामले में शामिल थे। विस्फोट के बाद, जाहिदुल और उसके साथी बेंगलूरु भाग गए, जहाँ उन्होंने जेएमबी की भारत विरोधी गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए पश्चिम बंगाल और असम के भोले-भाले मुस्लिम युवकों को कट्टरपंथी बनाया और भर्ती किया। आरोपी और उसके साथियों ने जनवरी 2018 में बोधगया में भी विस्फोट किया था।

मुझे परेशान करने वालों से सुरक्षा पाने के लिए मैं हर दिन करता हूं पूजा: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि मुझे परेशान करने वालों से सुरक्षा पाने के लिए मैं हर दिन पूजा और होम करता रहता हूं। इसमें कोई खास बात नहीं है।

उन्होंने वैकुंठ एकादशी के अवसर पर मल्लेश्वरम के वेंकटेश्वर मंदिर में भगवान के दर्शन करने के बाद पत्रकारों से बात की। गुरुवार को तमिलनाडु के विभिन्न मंदिरों में पूजा करने के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा मैं हर दिन पूजा करता हूं, मैं हर दिन भगवान को देखता हूं, मैं होम करता हूं, मैं अपने मन और शांति के लिए पूजा करता हूं। मेरी भगवान में, कर्मकांड में और धर्म में आस्था है। उन्होंने कहा कि भगवान के सामने झुके बिना वह घर नहीं छोड़ते। केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के इस बयान पर कि डीके शिवकुमार दुश्मनों के विनाश के लिए विशेष पूजा करते हैं, डीके शिवकुमार ने कहा मैं हर दिन पूजा करता हूं। मैं स्वस्थ रहूँ, मुझे परेशान करने वालों से मेरी रक्षा हो सके। उन्होंने कहा कि इसमें कोई लीपापोती नहीं है। हर दिन मीडिया ऐसी नई खबरें बनाता है जो वहां नहीं होतीं और मुझे परेशान करती हैं। उन्होंने कहा कि वह उनसे सुरक्षा की भी प्रार्थना करेंगे। वैकुंठ एकादशी के मौके पर लाखों लोगों को भगवान के दर्शन हुए। उन्होंने कहा कि उन्होंने भगवान से प्रार्थना की है कि भगवान राज्य के सभी लोगों का भला करें और सभी को आर्थिक समृद्धि मिले।

ईडी ने 43 पूर्व बीबीएमपी पार्षदों का मांगा विवरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 2016-19 के दौरान बोरवेल खोदने और आरओ यूनिट बनाने की निगम की 970 करोड़ रुपये की परियोजना में कथित अनियमितताओं की जांच जारी रखते हुए 43 पूर्व बीबीएमपी पार्षदों का विवरण मांगा है। एक आंतरिक दस्तावेज के अनुसार, ईडी ने 2015 से 2019 तक उन वार्डों/जोनों के पार्षदों के पते, पैन और आधार कार्ड विवरण, ईमेल आईडी और संपर्क नंबर मांगे हैं, जहां परियोजना को लागू किया गया था। 100 से अधिक बीबीएमपी कर्मचारियों का विवरण भी मांगा गया है। बोरवेल के लिए धन का एक बड़ा हिस्सा जल संकट को दूर करने के लिए शहर के बाहरी इलाकों में आवंटित किया गया था। 43 पूर्व पार्षदों की भूमिका जांच के दायरे में आ गई है, क्योंकि उन्होंने धन जारी

करने की मांग करते हुए पत्र लिखे हैं। यशवंतपुर, केआर पुरम, ब्यातारायणपुरा, आरआर नगर और बोम्मनहल्ली जैसे निर्वाचन क्षेत्रों में अनियमितताएं पाई गईं। 2016-17 और 2017-18 में 9,558 बोरवेल खोदने के लिए फंड जारी किए गए थे। शिकायतों के अनुसार, इनमें से केवल 1,000 बोरवेल खोदे गए थे। अन्य सभी मामलों में, भुगतान प्राप्त करने के लिए कथित तौर पर फर्जी बिल बनाए गए थे। ऐसे भी मामले सामने आए हैं, जहां 600 फीट गहरे बोरवेल खोदे गए, लेकिन बिल 1,500 फीट गहराई के लिए मांगे गए। ईडी ने ठेकेदारों और बीबीएमपी के बीच अनुबंध प्रदान करते समय समझौतों की प्रतियां, बोरवेल, स्थापित आरओ इकाइयों और प्रस्तुत दस्तावेजों (जैसे चालान और बिल) का विवरण और लेखा या वित्त में अधिकारियों के नाम मांगे हैं, जो ठेकेदारों को धन जारी करने में लगे थे। इसने 16 मिमी व्यास वाले बोरवेल और पंपों के लिए 10 लाख रुपये के एकसमान भुगतान पर भी स्पष्टीकरण मांगा। ईडी ने 2016-19 के दौरान बोरवेल खोदने और आरओ इकाइयों के निर्माण के लिए नागरिक निकाय की 970 करोड़ रुपये की परियोजना में 400 करोड़ रुपये की कथित हेराफेरी के संबंध में मंगलवार और बुधवार को मध्य बेंगलूरु के एनआर स्क्वायर में बीबीएमपी के मुख्यालय में तलाशी वारंट जारी किए और अभियान चलाया। पूर्व नगरसेवक एन आर रमेश की शिकायत पर तलाशी शुरू की गई। जब शिकायत ईडी तक पहुंची, तो बीबीएमपी ने कथित तौर पर लगभग दो साल पहले आरआर नगर में बोरवेल खोदना शुरू कर दिया, जहां बिल का दावा बहुत पहले किया गया था। ईडी के अधिकारियों ने कथित तौर पर शिकायतों पर बोरवेल सामग्री जब्त की थी। ईडी ने नवंबर 2022 में धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत पुलिस एफआईआर के बराबर प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की। इसके अलावा, ईडी ने 1 अप्रैल 2015 से 31 दिसंबर 2019 तक आरओ इकाइयों की स्थापना, बोरवेल खोदने और सीवर लाइन बिछाने से संबंधित कार्यों का विवरण मांगा है, जिनकी अनुमानित लागत 3 करोड़ रुपये और 10 करोड़ रुपये है। उन्होंने निविदा का लाभ उठाने के लिए ठेकेदारों द्वारा जमा की गई बैंक गारंटी भी मांगी है। केंद्रीय एजेंसी ने 3 करोड़ रुपये से अधिक के इन कार्यों और एक परियोजना प्रबंधन सलाहकार की नियुक्ति को मंजूरी देने वालों का विवरण, उन लोगों की सूची, उनके पते और बैंक विवरण भी मांगे हैं, जिन्होंने पहले परियोजना प्रबंधन सलाहकार के रूप में काम किया है।

रेणुकास्वामी हत्याकांड मामला

अभिनेता दर्शन समेत सभी आरोपी अदालत में हुए पेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

रेणुकास्वामी हत्याकांड में अभिनेता दर्शन और उनकी दोस्त अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा समेत सभी आरोपी शुक्रवार को यहां सत्र अदालत में पेश हुए। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मामले में जमानत पर रिहा सभी 17 आरोपी प्रक्रिया के अनुसार यहां 57वीं सीसीएच अदालत में पेश हुए। सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने सभी आरोपियों की उपस्थिति पर गौर करने के बाद अगली पेशी 25 फरवरी तय की और उन्हें उस दिन फिर से पेश होने का निर्देश दिया। अदालत ने जमानत की शर्तों के तहत हर महीने पेश होने का आदेश दिया था और यह ऐसी ही एक पेशी है। बताया जा रहा है कि जमानत मिलने के बाद पहली बार सभी आरोपी एक साथ अदालत में मौजूद थे। मीडिया और दर्शकों की मौजूदगी में अपनी कानूनी टीम के साथ दर्शन अदालत पहुंचे, जबकि पवित्रा गौड़ा को पहले अपने वकील से बातचीत करते देखा गया। अन्य आरोपी भी अपने कानूनी प्रतिनिधियों के साथ आए थे। दर्शन, पवित्रा गौड़ा और अन्य आरोपियों -

आर नागराजू, अनु कुमार उर्फ अनु, लक्ष्मण एम, जगदीश उर्फ जग्गा और प्रदूष एस राव को 13 दिसंबर को हाईकोर्ट ने जमानत दे दी थी, जबकि अन्य को पहले ही जमानत मिल गई थी। 47 वर्षीय दर्शन मेडिकल कारणों से पहले से ही अंतरिम जमानत पर थे, क्योंकि हाईकोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी थी। कर्नाटक सरकार ने हाल ही में दर्शन, पवित्रा और अन्य को जमानत देने के हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। दर्शन को 11 जून को गिरफ्तार किया गया था। पवित्रा गौड़ा और मामले में 15 अन्य सह-आरोपियों को उसी अवधि के दौरान गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के अनुसार, अभिनेता के प्रशंसक 33 वर्षीय रेणुकास्वामी ने अपने दोस्त पवित्रा गौड़ा को अश्लील संदेश भेजे थे, जिससे दर्शन नाराज हो गए और कथित तौर पर उसकी हत्या कर दी गई। उनका शव पिछले साल 9 जून को सुमनहल्ली में एक अपार्टमेंट के बगल में एक तूफानी जल निकासी नाले के पास मिला था। चित्रदुर्ग में दर्शन के फैन क्लब का हिस्सा रहे आरोपियों में से एक राघवेंद्र ने रेणुकास्वामी को यहां आर आर नगर में एक शेड में इस बहाने से लाया था कि अभिनेता उससे मिलना चाहता है। इसी शेड में कथित तौर पर उसे प्रताड़ित किया गया और उसकी हत्या कर दी गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, चित्रदुर्ग के मूल निवासी रेणुकास्वामी की मौत कई कुंद चोटों के परिणामस्वरूप सदमे और रक्तस्राव के कारण हुई। पुलिस ने कहा कि पवित्रा, जो आरोपी नंबर एक है, रेणुकास्वामी की हत्या के लिए मुख्य कारण थी। उन्होंने कहा जांच में यह साबित हो गया है कि उसने अन्य आरोपियों को उकसाया, उनके साथ साजिश रची और अपराध में भाग लिया।

शहर में गंभीर मामले और दुर्घटनाएं हुई हैं कम: पुलिस आयुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने कहा कि शहर में गंभीर मामले और दुर्घटनाएं कम हुई हैं। वह शुक्रवार को अदुगोडी में शहरी सशस्त्र रिजर्व बल के कावटू मैदान में आयोजित मासिक अभ्यास में सलामी ले रहे थे। मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री के मामले हमारे लिए एक बड़ी चुनौती थे। हमने पहले ही काफी नियंत्रण कर लिया है।

उन्होंने यह भी कहा कि साइबर मामलों की भयावहता को सामने लाया जा रहा है। मुख्य रूप से बेंगलूरु शहर में महिलाओं की सुरक्षा पर अधिक जोर दिया गया है। पुलिस का काम बढ़िया है। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु शहर महिलाओं के लिए बेहद सुरक्षित है। पिछले साल हमें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। कई

मामलों में आरोपियों की पहचान हो चुकी है। कमिश्नर ने कहा कि वर्षों से कोर्ट में उपस्थित हुए बिना फरार चल रहे आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जनता द्वारा अपने कर्तव्यों के निर्वहन में शहर पुलिस की सराहना की जाती है। वरिष्ठ अधिकारियों ने पुलिस कर्मियों की कार्यशैली की सराहना की। मुख्यमंत्री ने पुलिस के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि पुलिस का काम पारदर्शी और लोगों के अनुकूल होना चाहिए। शहर में ट्रैफिक प्रबंधन एक बड़ी चुनौती है और ट्रैफिक पुलिस इसे प्रबंधित कर अच्छा काम कर रही है। उन्होंने कहा कि खतरनाक वाहन चलाने के मामलों का पता लगाया जा रहा है और उन्हें पर्याप्त रूप से नियंत्रित किया जा रहा है।

शहर के कई हिस्सों में हुए मामलों का पता सीसी कैमरे की मदद से लगाया गया है और हमें कैमरों से काफी मदद मिली है। पूरे शहर में अब तक कुल 3.50 लाख सीसी कैमरे लगाए जा चुके हैं और आने वाले दिनों में डेढ़ लाख सीसी कैमरे और लगाए जाएंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि वह कुल 5 लाख सीसी कैमरे लगाने के लिए कदम उठाएंगे। पुलिस अधिकारी व कर्मी मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें। सभी को अच्छे वातावरण में काम भी करना चाहिए। काम के अलावा उन्हें अपने परिवार को भी समय देना चाहिए। आयुक्त ने कहा कि शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान दें।

बर्फ ही बर्फ, फिर भी झेलम प्यासी

कश्मीर के अन्य नदी नालों का भी यही हाल

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 10 जनवरी।

भारी बर्फबारी के बावजूद कश्मीर की निशानी और जीवनदायिनी नदी झेलम प्यासी ही है। कश्मीर के लिए महत्वपूर्ण जल स्रोत झेलम नदी ने इस मौसम में इतिहास में सबसे कम जलस्तर दर्ज किया है, जिससे इस क्षेत्र पर जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभाव को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। वर्तमान में, संगम बिंदु पर जल स्तर चिंताजनक -0.75 फीट पर है, जबकि राम मुंशी बाग और अशम में रीडिंग क्रमशः 3.73 फीट और 1.08 फीट है, जो जल प्रवाह में महत्वपूर्ण गिरावट को दर्शाता है।

यह कमी केवल झेलम तक ही सीमित नहीं है। लिद्दर नाला और रामबियारा नाला सहित अन्य प्रमुख सहायक नदियां भी गंभीर रूप से कम जल स्तर का अनुभव कर रही हैं। बटकोट में लिद्दर नाला -0.38 मीटर पर बह रहा है, जबकि वाची में रामबियारा नाला -0.47 मीटर पर है।

दरअसल खतरनाक स्थिति को क्षेत्र में ग्लेशियरों के लगातार घटने के कारण माना जा रहा है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी

है कि जल स्तर में यह गिरावट लंबे समय तक सूखे के कारण है, जो औसत से अधिक तापमान और अनियमित वर्षा पैटर्न के कारण और भी बदतर हो गया है। सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, झेलम का मुख्य स्रोत ग्लेशियर हैं, लेकिन लंबे समय तक सूखे के कारण उनका द्रव्यमान कम हो रहा है, जिसके परिणामस्वरूप प्रवाह शून्य से नीचे है। अधिकारी का कहना था कि जल स्तर में कमी के कारण पूरे कश्मीर में जलापूर्ति योजनाओं के बाधित होने पर चिंता करने का माहौल है। जबकि स्वतंत्र मौसम विशेषज्ञ फैजान आरिफ केंग कहते हैं कि अक्टूबर से चल रहे सूखे ने इस समस्या को और बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि झेलम में पहले सीजन में -1.0 फीट का ऐतिहासिक न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया था।

पिछले पांच वर्षों में दिसंबर से फरवरी के महत्वपूर्ण सर्दियों के महीनों के दौरान इस क्षेत्र में सामान्य से कम वर्षा हुई है, जिससे नदी को पानी देने वाले ग्लेशियरों की पुनःपूर्ति में बाधा आ रही है। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि बढ़ते तापमान के कारण ग्लेशियर पिघल रहे हैं, जिससे उनका कुल आकार और आयतन कम हो रहा है। केंग कहते हैं कि यह प्रवृत्ति जारी रहने की संभावना है, जो क्षेत्र की जल सुरक्षा के लिए गंभीर जोखिम पैदा करती है। वे बताते थे कि शोध से पता चलता है कि जम्मू और कश्मीर पिछले 60 वर्षों में अपने ग्लेशियरों का लगभग 30 प्रतिशत खो चुका है, अनुमान है कि अगर मौजूदा रुझान जारी रहा तो इस सदी के अंत तक 70 परसेंट तक ग्लेशियर गायब हो सकते हैं।

जानकारी के लिए जम्मू, कश्मीर और लद्दाख में लगभग 18,000 ग्लेशियर हैं, जिनमें से सभी तेजी से पिघल रहे हैं। कश्मीर विश्वविद्यालय के पृथ्वी विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. इरफान राशिद ने कहा कि क्षेत्र का सबसे बड़ा कोलाहोई ग्लेशियर 1960 के दशक से 25 प्रतिशत पीछे हट गया है। अब यह सालाना लगभग 35 मीटर कम हो रहा है। इसी वजह से विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि इस सदी के अंत तक तापमान 4-7 डिग्री तक बढ़ सकता है, जिससे ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना और भी बढ़ जाएगा, जिसे रोका नहीं जा सकता।

अफगानिस्तानी लड़की ने हिंदू से शादी की तो मिलने लगी धमकियां

मुंबई, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

अफगानिस्तान से शरणार्थी के तौर पर भारत आई एक लड़की को हिंदू लड़के से शादी करने पर परिवार से धमकियां मिल रही हैं। लड़की के साथ रहने वाली उसकी बहन को परिवार धमकियां दे रहा है। परिवार ने उनके खिलाफ एक फर्जी मामला भी दर्ज करवा दिया। परिवार के खतरे से बचने के लिए अब पति-पत्नी और उसकी बहन ने बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

बॉम्बे हाई कोर्ट में इस मामले की सुनवाई 3 जनवरी, 2025 को जस्टिस रेवती मोहिते और जस्टिस नीला गोखले ने की है। उन्होंने सुनवाई के दौरान पाया कि दोनों को पहले ही मुंबई पुलिस सुरक्षा दे रही है। यह सुरक्षा जून, 2024 में उन्हें दी गई थी। यह सुरक्षा अफगानी लड़की के पति के मुंबई पुलिस कमिश्नर को लिखे पत्र के बाद दी गई थी।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा, याचिकाकर्ताओं के वकील ने हमें बताया है कि पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा पारित आदेश के पालन में चंडीगढ़ पुलिस ने याचिकाकर्ताओं को सुरक्षा प्रदान की है। हमें यह भी बताया गया है कि वर्तमान में मुंबई पुलिस ने भी याचिकाकर्ताओं को पुलिस सुरक्षा प्रदान की है तथा यह तब तक जारी रहेगी जब तक उन पर खतरा बना रहेगा।

हाई कोर्ट ने कहा कि दिल्ली में दर्ज केस को लेकर वह जब चाहे तब सही कदम उठा सकती है। यह याचिका एक अफगानी शरणार्थी लड़की, उसके हिंदू पति और बहन द्वारा दायर की गई थी। लड़की 2017 में अपने परिवार के साथ अफगानिस्तान से भारत में शरण के लिए आई थी। वर्तमान में 20 साल की है। उसके साथ उसकी छोटी बहन भी आई थी।

अफगान युवतियों के पास संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएच-सीआर) का कार्ड भी है। बाद में भारत में रहने के दौरान ही अफगानी लड़की को हरियाणा के एक हिंदू लड़के से प्रेम हो गया और उसने उसके साथ जून 2024 में हिंदू रीति-रिवाज से विवाह कर लिया। अफगानी लड़की के परिजनों को यह पसंद नहीं आया और उसे वह धमकियां देने लगे। दोनों लड़कियों के खिलाफ परिजनों ने एक झूठा मुकदमा भी दिल्ली में दर्ज करवा दिया। अफगानी लड़की इसके बाद पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट पहुंची जहां से उसे सुरक्षा मिली। उसके साथ उसकी छोटी बहन भी परिवार से अलग रहती है। लड़की के हिंदू पति को बाद में कैंसर हो गया जिसके चलते वह मुंबई इलाज करवाने चले गए, यहां भी उन्होंने सुरक्षा के लिए याचिका डाली। अफगान परिवार की कट्टरता और तालिबानी रवैये से तीनों नाराज हैं। इस पर अगली सुनवाई 28 जनवरी 2025 को है।

आयुष्मान योजना में इलाज न देने पर बुजुर्ग ने की आत्महत्या

बेंगलुरु, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

बेंगलुरु में एक सरकारी अस्पताल द्वारा आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) के तहत इलाज करने से इनकार किए जाने पर 72 वर्षीय एक वरिष्ठ नागरिक ने आत्महत्या कर ली। इस घटना के बाद राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने स्वतः संज्ञान लेते हुए केंद्र और कर्नाटक सरकार से चार सप्ताह के भीतर रिपोर्ट मांगी है।

यह घटना किदवई मेमोरियल इंस्टिट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी में हुई, जहां अस्पताल ने एक वरिष्ठ नागरिक को 5 लाख की चिकित्सा सहायता देने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि राज्य सरकार के आदेश अभी तक नहीं पहुंचे हैं। एनएचआरसी ने इसे मानवाधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मामला बताते हुए कहा कि अगर वरिष्ठ नागरिकों को उनके कल्याण के लिए बनाई गई योजना का लाभ नहीं मिल रहा है, तो यह उनके जीवन के अधिकार का उल्लंघन है। आयोग ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और कर्नाटक सरकार को नोटिस जारी कर यह भी पूछा है कि राज्य और अन्य केंद्र शासित प्रदेशों में योजना का क्रियान्वयन कैसा चल रहा है।

गौरतलब है कि आयुष्मान भारत योजना का उद्देश्य गरीब और वरिष्ठ नागरिकों को स्पेशल हेल्थ सर्विस देना है। इस योजना के तहत लाभार्थियों को इलाज के लिए 5 लाख तक का कवर दिया जाता है। लेकिन बेंगलुरु की इस घटना ने दिखाया कि योजना के सही ढंग से लागू न होने के कारण नागरिकों को इसका लाभ नहीं मिल रहा। यह भी सामने आया है कि कर्नाटक में अन्य सरकारी अस्पतालों में भी योजना के तहत इलाज देने में रुकावटें आ रही हैं। योजना के लाभार्थियों को फर्जी दस्तावेजों की मांग और सरकारी आदेशों की कमी के नाम पर योजनाओं का लाभ नहीं दिया जा रहा है।

कश्मीर के विकास में नया मोड़ लाएगा जेड मोड़ टनल

13 जनवरी को उद्घाटन करेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

जम्मू, 10 जनवरी (ब्यूरो)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 जनवरी को गंदरबल जिले में जिस जेड मोड़ टनल का उद्घाटन करने जा रहे हैं उसके बारे में विशेषज्ञों का कहना है कि यह कश्मीर के विकास में एक नया मोड़ लाएगा। इसके लिए समारोह स्थल और टनल के आसपास की सुरक्षा का जिम्मा विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) को सौंपा गया है। टनल को मल्टी टीयर सुरक्षा घेरे में रखा गया है। सुरंग के सुरक्षित और सुचारु उद्घाटन के लिए सुरक्षा उपायों की जमीनी स्तर पर योजना को अंतिम रूप दिया जा रहा है। बहुप्रतीक्षित निर्मित जेड मोड़ टनल एक महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजना है, जिसे 13 जनवरी को जनता की सेवा के लिए खोल दिया जाएगा। इससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी और अर्थव्यवस्था में बदलाव आने की उम्मीद है।

एक बार चालू होने के बाद यह सुरंग गगनगीर से सोनमर्ग तक की यात्रा के समय को घटाकर केवल 20 से 25 मिनट कर देगी, जिससे यात्रा के घंटे

कम हो जाएंगे और लोकप्रिय पर्यटन स्थल तक पूरे साल सुरक्षित पहुंच मिलेगी। कई वर्षों से निर्माणाधीन यह सुरंग यह भी सुनिश्चित करेगी कि सोनमर्ग की सड़क कठोर सर्दियों के महीनों में भी खुली रहे, जब भारी बर्फबारी और हिमस्खलन के कारण अक्सर राजमार्ग को लंबे समय तक बंद करना पड़ता है। इस विकास से क्षेत्र की सुंदर सुंदरता और रणनीतिक सीमा क्षेत्रों तक निर्बाध पहुंच प्रदान करके स्थानीय लोगों और यात्रियों के सामने आने वाली सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक को कम करने की उम्मीद है। आधुनिक सुविधाओं और अत्याधुनिक सुरक्षा सुविधाओं से लैस इस टनल से सोनमर्ग में पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जो अपने शीतकालीन खेलों और लुभावने परिदृश्यों के लिए प्रसिद्ध है।

स्थानीय लोगों, होटल व्यवसायियों और व्यापारियों ने इसके प्रति उत्साह प्रकट करते हुए कहा कि उन्हें घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों तरह के पर्यटकों की संख्या में वृद्धि की उम्मीद है। स्थानीय व्यवसायी इरशाद अहमद भट कहते थे कि जेड मोड़ सुरंग का खुलना हमारे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। यह न केवल हमारी आजीविका में सुधार करेगा, बल्कि शीतकालीन पर्यटन के विकास के लिए नए अवसर भी प्रदान करेगा, जो हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। जबकि स्थानीय नेताओं के बकौल, सुरंग में क्षेत्र के बुनियादी ढांचे और रणनीतिक महत्व को मजबूत करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि यह दूरदराज के क्षेत्रों को व्यापक राष्ट्रीय आर्थिक ढांचे से जोड़कर एक अधिक एकीकृत और समृद्ध क्षेत्र बनाएगा।

एक अधिकारी ने इसे जम्मू और कश्मीर के लोगों के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने कहा कि जेड-मोड़ सुरंग क्षेत्रीय विकास में एक नया अध्याय है। यह सीमावर्ती क्षेत्रों में माल, सेवाओं और लोगों के सुरक्षित मार्ग को सुनिश्चित करेगी और क्षेत्र के आर्थिक विकास को बढ़ाएगी। वे कहते हैं कि सुरंग का पूरा होना दूरदराज के क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण और स्थानीय निवासियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए लाभ प्रदान करने की सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस टनल को गेम चेंजर बताया। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा कि जम्मू कश्मीर, खास तौर पर मध्य कश्मीर, आने वाले दिनों में बुनियादी ढांचे के एक महत्वपूर्ण हिस्से के उद्घाटन का इंतजार कर रहा है। यह सम्पत्ति घाटी में शीतकालीन पर्यटन के विस्तार के लिए गेम चेंजर साबित होगी। कंगन के विधायक मियां मेहर अली ने इस परियोजना की सराहना करते हुए कहा कि जेड मोड़ सुरंग यह सुनिश्चित करेगी कि सोनमर्ग कठोर सर्दियों के महीनों में भी सुलभ रहे, जिससे स्थानीय लोगों और आगंतुकों दोनों को लाभ होगा। सोनमर्ग विकास प्राधिकरण (एसडीए) के सीईओ गुलाम मोहम्मद भट कहते थे कि इस सुरंग का खुलना न केवल समय बचाने वाला है, बल्कि यह सोनमर्ग के लिए गेम चेंजर भी साबित होगा।

गाली के विरोध पर हामिद कुरैशी ने आदिवासी युवती की हत्या कर दी

मुंबई, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले के शहादा से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक कट्टरपंथी मुस्लिम ने मामूली विवाद में जनजातीय समाज की युवती पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवती की अस्पताल में उपचार के दौरान दो दिन बाद मृत्यु हो गई। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों रिज्जू मुस्लिम कुरैशी और उसके शौहर हामिद कुरैशी को गिरफ्तार किया है। जनजातीय समाज में इस घटना को लेकर काफी आक्रोश है। उन्होंने हमलावरों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की है। युवती पर हमले के विरोध में शहादा शहर गुरुवार (9 जनवरी) सुबह से ही बंद है। शहर में तनावपूर्ण माहौल होने के कारण बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

शाहदा शहर के मालोनी में जब 23 वर्षीय युवती को अपनी मां के साथ हुए दुर्व्यवहार के बारे में पता चला तो वह इसका जवाब पूछने के लिए मुस्लिम परिवार के पास गई। उसने पूछा कि उन्होंने उसकी मां को गाली क्यों दी?

इस बात पर विवाद बढ़ गया और कट्टरपंथी मुस्लिम ने उस पर चाकू से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। बताया जा रहा है कि 29 दिसंबर 2024 की रात करीब 8 बजे यह विवाद शुरू हुआ।

मालोनी इलाके में दीपाली सागर चित्ते की मां और रिज्जू मुस्लिम कुरैशी के साथ पहले मामूली बहस हुई, जो देखते ही देखते गाली-गलौज में बदल गई। जब दीपाली और उसके परिजन इस बारे में पूछताछ करने गए तो रिज्जू के शौहर मुस्लिम हामिद कुरैशी ने गुस्से में आकर दीपाली पर चाकू से हमला कर दिया।

हमले में घायल दीपाली को इलाज के लिए शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस बीच, अगले दिन उसकी हालत ज्यादा बिगड़ गई और उसे 3 जनवरी 2025 को सूरत के एक अस्पताल ले जाया गया। 5 जनवरी को दोपहर करीब 12 बजे उपचार के दौरान दीपाली की मौत हो गई। इस मामले में दीपाली चित्ते की शिकायत पर शहादा पुलिस ने पहले ही मुस्लिम हामिद कुरैशी और रिज्जू मुस्लिम कुरैशी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 118(1), 352, 3(5) के तहत मामला दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

इस बीच अदालत के दोनों आरोपियों को जमानत दिए जाने के बाद विभिन्न संगठनों ने 4 जनवरी को मालोनी में विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद 5 जनवरी को देर रात तक विभिन्न संगठनों के प्रदर्शनकारी शाहदा पुलिस स्टेशन पर एकत्रित हुए और आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की। फिर, 6 जनवरी को सभी नागरिकों द्वारा शहर बंद का आह्वान किया गया। इसके बाद से शहर में तनावपूर्ण माहौल है। यहां बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

सोशल मीडिया पर दीपाली चित्ते के हत्यारों को सख्त से सख्त सजा देने की मांग की जा रही है। इंस्टाग्राम पर अर्जुन काले नाम के यूजर ने लिखा है कि एक मुस्लिम व्यक्ति ने जनजातीय समाज से आने वाली दीपाली चित्ते पर चाकू से जानलेवा हमला किया, जिसके परिणामस्वरूप इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सरकार को जनजातीय समुदाय के खिलाफ बढ़ते अत्याचारों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री व स्थानीय जनप्रतिनिधियों को इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप कर आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। हमें अपनी न्यायिक प्रणाली पर भरोसा है कि वह यह सुनिश्चित करेगी कि पीड़ित को इंसाफ मिले।

असम पुलिस की टीम गूगल मैप में गड़बड़ से नागालैंड पहुंची

जोरहाट, 10 दनवरी (एजेंसियां)।

असम के जोरहाट में छापेमारी पर जा रही एक पुलिस टीम धोखे से नागालैंड पहुंच गई। यह गड़बड़ी गूगल मैप के चलते हुई। गूगल मैप ने पुलिस को दिखाया कि वह असम में जा रहे हैं लेकिन असल में वह नागालैंड के एक चाय बागान में पहुंच गए। इसके चलते उन्हें स्थानीयों ने अपराधी समझ कर पकड़ लिया।

यह घटना मंगलवार 7 जनवरी को हुई। पुलिस की यह टीम एक मामले में आरोपित एक शख्स को पकड़ने जा रही थी। स्थानीयों ने उन पर हमला किया जिसमें एक पुलिसकर्मी घायल भी हुआ। 16 सदस्यों वाली यह पुलिस टीम रात भर बंधक बनी रही। इसके बाद जब सुबह नागालैंड के अधिकारी पहुंचे तो इन्हें छोड़ा गया। पुलिस टीम में अधिकांश लोग सादे कपड़े पहने हुए थे और हथियारबंद थे, जिसके चलते और भी गड़बड़ हुई।

जेल में बंद सांसद अमृतपाल सिंह पर फिर लगा यूएपीए

चंडीगढ़, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

जेल में बंद खालिस्तानी सांसद अमृतपाल सिंह पर पंजाब पुलिस ने अनलॉफुल एक्टिविटीज प्रिवेंशन एक्ट (यूएपीए) लगा दिया है।

यह कार्रवाई फरीदकोट में अक्टूबर 2024 में हुई एक सिख एक्टिविस्ट की हत्या के मामले में हुई है। इस मामले में सांसद के साथ 11 और लोगों पर यूएपीए लगाया गया है। आरोप है कि अमृतपाल सिंह की शह पर गैंगस्टरों ने एक्टिविस्ट गुरप्रीत सिंह की हत्या की थी। अमृतपाल डिब्रूगढ़ की जेल में बंद है।

9 अक्टूबर 2024 को सिख एक्टिविस्ट गुरप्रीत सिंह हरी नाव उर्फ भोडी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में तीन लोग पकड़े गए थे। इन तीनों ने इस मामले में रेकी की थी। तीनों का हैंडलर करमवीर सिंह उर्फ गोरा भी कनाडा में रहता है। इस हत्याकांड का मास्टरमाइंड गैंगस्टर अर्श दल्ला है। गुरप्रीत सिंह बेहबलकलां इन्साफ मोर्चा का सदस्य था और इस बार के पंजाब पंचायत चुनावों में भी सक्रिय रहा था। यह मोर्चा बेअदबी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे दो युवकों के पुलिस फायरिंग में मारे जाने पर कार्रवाई की मांग करता आया है। गौरतलब है कि पंजाब के खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह 14 जनवरी 2025 को नई पार्टी लॉन्च करने वाला है।

गुमटाला पुलिस चौकी में धमाका, आतंकी हैप्पी ने ली जिम्मेदारी

चंडीगढ़, 10 जनवरी (एजेंसियां)। गुरुवार देर रात को बाईपास स्थित गुमटाला पुलिस चौकी में फिर से एक धमाका हुआ। पुलिस ने कहा कि यह धमाका पुलिस वाहन का रेडिएटर फटने के कारण हुआ। जबकि विदेश में बैठे आतंकी हैप्पी पसिया ने इस धमाके की जिम्मेदारी ली है। धमाके के तुरंत बाद भारतीय सेना के जवान भी मौके पर पहुंच गए और जांच शुरू कर दी। इसके अलावा पुलिस अधिकारियों ने भी मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। गुरुवार देर रात करीब 12:30 बजे पुलिस चौकी में धमाके की आवाज सुनाई दी, जिसके बाद चौकी के अंदर तैनात सभी कर्मी बाहर आ गए। पुलिसकर्मियों ने बताया कि चौकी के बाहरी यह एएसआई तजिंदर सिंह की 2008 मॉडल की गाड़ी खड़ी थी, जिसका रेडिएटर फट गया और उसी के कारण धमाके की आवाज हुई। रेडिएटर फटने के कारण कूलेंट भी बाहर निकल गया। हालांकि, पुलिस कितना सच और कितना झूठ बोल रही है, यह अभी कहा नहीं जा सकता। क्योंकि आतंकियों की ओर से ग्रेनेड हमला करने की जिम्मेदारी ली गई है।

जो महाकुंभ तक नहीं पहुंच पाए उन तक पहुंचेगी कुंभवाणी

सीएम योगी ने आकाशवाणी के एफएम चैनल कुंभवाणी का शुभारंभ किया

महाकुंभ नगर, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार को सर्किट हाउस में महाकुंभ के अवसर पर प्रसार भारती के एफएम चैनल कुंभवाणी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने एफएम चैनल के सफल होने की आकांक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि पूरा विश्वास है कि यह एफएम चैनल न सिर्फ लोकप्रियता की नई ऊंचाई हासिल करेगा, बल्कि महाकुंभ को दूरदराज के उन गांवों तक भी ले जाएगा जहां लोग चाहकर भी यहां नहीं पहुंच पाते हैं। उन लोगों तक इन सुविधाओं के माध्यम से हम महाकुंभ की हर जानकारी पहुंचाएंगे। सीएम योगी ने कहा कि दूर दराज में रहने वालों के लिए इस तरह का सजीव प्रसारण कर पाएंगे तो उनको भी सनातन गौरव के इस महासमागम को जानने, सुनने और आने वाली पीढ़ी को बताने का अवसर प्राप्त होगा। सीएम ने कुंभवाणी चैनल शुरू करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सूचना प्रसारण मंत्रालय व प्रसार भारती को भी धन्यवाद दिया।

सीएम योगी ने कहा कि वास्तव में लोक परंपरा और लोक संस्कृति को आम जन तक पहुंचाने के लिए हमारे पास जो सबसे पहले माध्यम था वो आकाशवाणी ही था। मुझे याद है कि बचपन में हम आकाशवाणी के माध्यम से उस समय प्रसारित होने वाले

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में प्रसार भारती के एफएम चैनल कुंभवाणी का शुभारंभ किया। साथ में हैं प्रसार भारती के अध्यक्ष नवनीत सहगल।

रामचरित मानस की पंक्तियों को बड़े ध्यान से सुना करते थे। समय के अनुरूप तकनीक बढ़ी और लोगों ने विजुअल माध्यम से भी दूरदर्शन के माध्यम से सचित्र उन दृश्यों को देखना प्रारंभ किया। बाद में निजी क्षेत्र के भी कई चैनल आए, लेकिन समय की इस प्रतिस्पर्धा के अनुरूप खुद को तैयार करना और दूरदराज के क्षेत्रों में जहां पर कनेक्टिविटी के इश्यू होते हैं वहां पर बहुत सारी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए प्रसार भारती के एफएम चैनल ने 2013, 2019 और अब 2025 में भी कुंभवाणी के नाम पर इस विशेष एफएम चैनल को शुरू करने की कार्यवाही प्रारंभ की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ केवल एक आयोजन नहीं है, बल्कि सनातन गौरव का एक महाआयोजन है, एक महासमागम है। जिसको सनातन धर्म के गौरव और गरिमा को देखना हो तो वो कुंभ का दर्शन करें, यहां आकर अवलोकन करे। जो लोग एक संकीर्ण दृष्टि से सनातन धर्म को देखते हैं, साम्प्रदायिक मतभेद, भेदभाव या छुआछूत के नाम पर लोगों को बांटने का काम करते हैं उन लोगों को आकर देखना चाहिए कि यहां पर न पंथ का भेद है, न जाति का भेद है, न छुआछूत है, न कोई लिंग का भेद है। सभी पंथ और सम्प्रदाय एक साथ एक ही जगह स्नान करते हैं। सभी लोग एक जगह आकर आस्था की डुबकी लगाकर सनातन गर्व के संदेश को पूरे देश और दुनिया तक लेकर जाते हैं। यह एक आध्यात्मिक संदेश है। इस अवसर पर पूरी दुनिया यहां पर एक घोंसले के रूप में देखने को मिलती है।

सीएम योगी ने कहा कि दुनिया के बहुत सारे लोगों का यहां पर आगमन शुरू हो चुका है। वो आस्था की डुबकी लगाकर आध्यात्म की गहराइयों को समझने का प्रयास करना चाहते हैं। यह अद्भुत क्षण है और इस अद्भुत क्षण को प्रसार भारती ने कुंभवाणी के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। पूरे दिन भर के कुंभ के कार्यक्रमों को न सिर्फ आंखों देखा हाल के माध्यम से बल्कि महाकुंभ के आयोजन के साथ जुड़े हुए हमारे धार्मिक उद्धरणों को भी दूर दराज के गांवों में प्रसारित करने का काम कुंभवाणी करेगा। जब भी हम सनातन धर्म के इस गौरव को पूरी ईमानदारी के साथ आगे बढ़ाएंगे तो यह मानकर चलिए कि आमजन के मन में इसके प्रति सच्ची श्रद्धा का भाव होगा। उन्होंने कहा कि जब कोविड महामारी आई थी और लॉकडाउन प्रारंभ हुआ था तब जैसे ही दूरदर्शन ने रामायण सीरियल दिखाना प्रारंभ किया तो दूरदर्शन की टीआरपी बढ़ गई थी। आज तो एफएम चैनल युवाओं के बीच बहुत लोकप्रिय है। निश्चित रूप से इसका लाभ प्रसार भारती को प्राप्त होगा।

इस अवसर पर केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री डॉ एल मुरुगन ने सीएम योगी का आभार जताया। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, ओमप्रकाश राजभर, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, प्रसार भारती बोर्ड के अध्यक्ष नवनीत सहगल उपस्थित रहे।

103.5 मेगाहर्ट्ज पर प्रसारित होगा एफएम चैनल

महाकुंभ से जुड़ी सभी तरह की जानकारियों के लिए प्रसार भारती ने ओटीटी बेस्ड कुंभवाणी एफएम चैनल की शुरुआत की है। यह चैनल 103.5 मेगाहर्ट्ज फ्रीक्वेंसी पर प्रसारित होगा। यह चैनल 10 जनवरी से 26 फरवरी तक ऑन एयर रहेगा। इसका प्रसारण प्रातः 5.55 बजे से रात्रि 10.05 तक इसका प्रसारण होगा।

मिल्कीपुर में नए चेहरे पर दांव लगा सकती है भाजपा

पूर्व विधायक से लेकर नौकरशाह तक दावेदार

लखनऊ, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

अयोध्या के मिल्कीपुर विधानसभा सीट के लिए 5 फरवरी को मतदान होना है। उप-चुनाव की घोषणा के साथ ही भाजपा में टिकट को लेकर होड़ मच गई है। टिकट के लिए एक दर्जन से अधिक लोगों ने दावेदारी की है, लेकिन भाजपा को किसी नए चेहरे की तलाश है। पार्टी स्तर पर प्रत्याशी चयन को लेकर मंथन शुरू हो गया है। पार्टी नेतृत्व और जिला प्रभारी मंत्री के अलावा उपचुनाव में लगाए गए मंत्रियों के बीच मंथन हो रहा है।

मिल्कीपुर सीट पर 5 फरवरी को मतदान होना है। लिहाजा, पार्टी स्तर पर ऐसे प्रत्याशियों के चयन को लेकर मंथन किया जा रहा है, जिसकी जीत पर संशय न हो। टिकट की दौड़ में पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा सबसे आगे हैं। गोरखनाथ 2017 में इस सीट से विधायक रह चुके हैं। हालांकि 2022 में वह हार गए थे। इनके अलावा नौकरशाह व उप परिवहन आयुक्त सुरेंद्र रावत भी दावेदारों में शुमार हैं।

संगठन और सरकार के कई नेता मिल्कीपुर में गैरविवादित नए चेहरे को उतारने के पक्षधर हैं। इसलिए सुरेंद्र सिंह रावत को गंभीर दावेदार माना जा रहा है। दावेदारों में पूर्व विधायक रामू प्रियदर्शी भी हैं। ये 1991 में सोहवल से विधायक रहे हैं और 2012 में

भाजपा ने इन्हें मिल्कीपुर से चुनाव लड़ाया था, लेकिन हार गए थे। लगातार तीन बार से जिला संगठन में महामंत्री रहे राधेश्याम त्यागी भी दावेदारों में हैं। अन्य दावेदारों में भाजपा के प्रदेश अनुसूचित मोर्चा के कोषाध्यक्ष चंद्रकेश रावत के नाम की भी चर्चा है। हाल में नौ विधानसभा सीटों पर हुए उप-चुनाव में भाजपा ने सात सीटें जीती हैं। इनमें मिल्कीपुर से सटे अंबेडकरनगर की कटेहरी और मुरादाबाद की कुंदरकी सीट पर तीन दशक बाद जीत मिलना चमत्कार से कम नहीं है। ऐसे में लोकसभा चुनाव में अयोध्या सीट हार चुकी भाजपा के लिए मिल्कीपुर सीट जीतना अहम माना जा रहा है।

उपचुनाव के लिए भाजपा के कई स्थानीय पदाधिकारियों ने दावेदारी की है। हालांकि चंद्रभानु पासवान, पूर्व ब्लॉक प्रमुख विनय कुमार रावत, सियाराम रावत, विजय बहादुर फौजी, काशीराम पासी, शांति पासी और बाराबंकी की जिला पंचायत सदस्य नेहा आनंद सिंह ने भी टिकट के लिए दावेदारी कर रखी है।

महाकुंभ-2025 : मुख्यमंत्री योगी ने मां की रसोई का किया उद्घाटन

महाकुंभ नगर, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रयागराज में स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय में नंदी सेवा संस्थान द्वारा संचालित मां की रसोई का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए संस्थान की ओर से शुरू की गई इस सेवा पर प्रसन्नता जाहिर की और खाने की गुणवत्ता, स्वच्छता के साथ ही यहां दी जा रही सुविधाओं की भी सराहना की। यही नहीं उन्होंने थाली परोसकर सेवा भी की और मां की रसोई के किचन का भी अवलोकन किया।

प्रयागराज दौरे के दूसरे दिन सीएम योगी स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय पहुंचे, जहां उन्होंने फीता काटकर नंदी सेवा संस्थान द्वारा संचालित मां की रसोई का शुभारंभ किया। शुभारंभ करने के बाद सीएम डाइनिंग रूम में भी पहुंचे, जहां लोगों को बैठाकर खाना खिलाने का प्रबंध किया गया है।

यहां मुख्यमंत्री ने स्वयं अपने हाथों से थाली लगाकर वहां उप-स्थित लोगों की सेवा की। इसके बाद औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी उन्हें लेकर सीधे किचन पहुंचे, जहां खाना तैयार किया जाता है। यहां उन्होंने खाने की गुणवत्ता से लेकर अन्य सभी प्रबंधों के विषय में सीएम योगी को जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने रसोई का निरीक्षण करते हुए वहां साफ-सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया। आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए सेवा भाव से शुरू की गई इस रसोई की सीएम योगी ने भूरि भूरि प्रशंसा की। इस दौरान पूरे प्रांगण में जय श्री राम का उद्घोष भी होता रहा।

आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए नंदी सेवा संस्थान द्वारा यह सेवा शुरू की गई है। इसमें मात्र 9 रुपए में लोगों को भरपेट भोजन मिलेगा।

थाली में दाल, 4 रोटी, सब्जी, चावल, सलाद और मिठाई दी जाएगी। इस अवसर पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, पूर्व मेयर अभिलाषा गुप्ता, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद और जगदगुरु महामंडलेश्वर संतोष दास (सतुआ बाबा) उपस्थित रहे।

भू माफिया को देर सवेर खाली करनी ही होगी जमीन: सीएम योगी

सीएम ने पूर्व स्वतंत्रता सेनानी कमला बहुगुणा की प्रतिमा का किया अनावरण

महाकुंभनगर, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रयागराज में पूर्व स्वतंत्रता सेनानी और समाजसेवी कमला बहुगुणा की प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि यह सुखद संयोग है कि राजधानी लखनऊ में पूर्व सीएम हेमवती नंदन बहुगुणा की प्रतिमा का भी अनावरण करने का अवसर मिला और आज प्रयागराज में स्वतंत्रता सेनानी श्रद्धेय कमला बहुगुणा की प्रतिमा का भी अनावरण करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भू माफिया को भी निशाने पर लिया। सीएम योगी ने चेतावनी दी कि भू माफिया ने प्रयागराज में जो सैकड़ों एकड़ भूमि कब्जाई है, उसे खाली करना ही पड़ेगा। सीएम योगी ने प्रयागराज के भूमाफिया को निशाने पर लेते हुए कहा कि प्रयागराज में सैकड़ों एकड़ भूमि पर तमाम भूमाफिया ने कब्जा किया हुआ है। देर सवेर तो इसे खाली होना ही है। इससे पूर्व सीएम योगी के मंच पर चढ़ते जय

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रयागराज में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कमला बहुगुणा की प्रतिमा का अनावरण किया)

श्री राम, हर हर महादेव, हर हर गंगा मैया, वंदे मातरम का भी उद्घोष हुआ।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर पूर्व स्वतंत्रता सेनानी कमला बहुगुणा के संघर्ष को भी याद किया। सीएम योगी ने कहा, कमला बहुगुणा ने बचपन से ही ब्रिटिश शासन के खिलाफ आंदोलन में हिस्सा लिया। 8 साल की उम्र में ही उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ नारे लगाए, जिसके कारण उन्हें ब्रिटिश पुलिस ने प्रताड़ित भी किया। जब उन्होंने घर में अपनी मां से शिकायत की तो मां ने उन्हें और मजबूत किया। मां बोलीं कि यह देश की आजादी के लिए संघर्ष का हिस्सा है और हमें इस तरह पिटाई की आदत डालनी होगी। तभी अंग्रेजों से हम अपने देश को आजादी दिला पाएंगे।

सीएम योगी ने बताया कि 2019 के महाकुंभ के दौरान एक शिविर में पहुंचे। वहां पता चला कि कमला बहुगुणा ने 1954 में ही एक शिविर की शुरुआत की थी, जो आज भी संचालित होता है। यहां खोया-पाया के साथ ही कई प्रकार से श्रद्धालुओं की मदद की जाती है। मुख्यमंत्री योगी ने बहुगुणा परिवार के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को सराहा। उन्होंने कहा, हेमवती नंदन बहुगुणा ने मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री के पद पर रहते हुए भी कभी भौतिक सम्पत्ति की चाह नहीं की। वे यहीं प्रयाग में किराए के मकान में रहते थे, जबकि वे आसपास के सभी घर खरीद सकते थे। उनकी यही विशेषता बहुगुणा परिवार को यादगार बनाए रखेगी।

सीएम योगी ने महाकुंभ के आयोजन के महत्व पर भी जोर दिया। सीएम ने कहा कि लोगों के अंतर्मन में जो भाव अयोध्या के लिए था, वही भाव आज महाकुंभ के लिए भी है। सीएम योगी ने कहा कि प्रयाग एक पवित्र स्थान है, जहां न केवल मनुष्य, बल्कि पवित्र आत्माएं भी पहुंचती हैं। यही कारण है कि स्वच्छ प्रयाग की कल्पना को साकार करने की दिशा में युद्धस्तर पर काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ के आयोजन के लिए सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा ने भी कार्यक्रम के दौरान संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वे विदेश में थे। वहीं पर महाकुंभ के जरिए यूपी की बदलती तस्वीर की खबरें आने लगीं। उन्होंने कहा कि यूपी के विकास की खबरें देश दुनिया में पहुंच रही हैं। इस दौरान डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह उपस्थित रहे। पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी ने मंच का संचालन किया।

राम मंदिर के बाद अयोध्या में बन रहा राम कथा म्यूजियम

अयोध्या, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण तो हो चुका है, अब बारी राम कथा म्यूजियम की है। पर्यटन को नए आयाम देने के लिए, राम कथा का प्रसार हर किसी तक पहुंचाने के लिए एक अत्याधुनियक, विशाल म्यूजियम का निर्माण किया जाएगा। बताया जा रहा है कि 2 साल के अंदर में 40 हजार वर्ग फीट में यह म्यूजियम बनकर तैयार हो जाएगा।

इस म्यूजियम के जरिए बताया जाएगा कि पुरातात्विक शोध एवं खनन के दौरान टीम को ऐसी

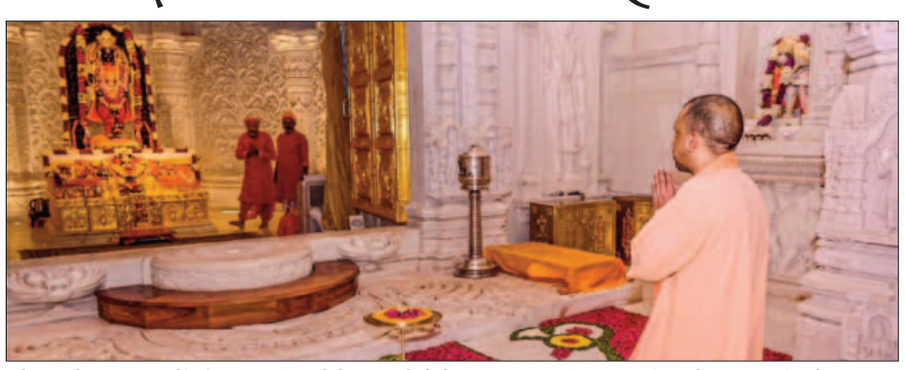

कौन-कौन सी चीजें मिली थीं जिन्हें आधार मानकर कहा गया कि अयोध्या में भगवान राम का मंदिर हुआ करता था। अभी इस समय यह प्रोजेक्ट शुरुआती चरण में चल रहा है, इसकी डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार की जाएगी। मंदिर ट्रस्ट ही इस भव्य म्यूजियम की फंडिंग करने वाला है, वहीं बिल्डिग राज्य सरकार की रहने वाली है।

पुरातात्विक सर्वेक्षण के दौरान असंख्य ऐसी वस्तुएं और प्राचीन मंदिर स्थापत्य कला के अवशेष मिले थे, जो यह बताने के लिए काफी थे कि यहां कभी प्राचीन मंदिर हुआ करता था। म्यूजियम में ऐसी ही कुछ प्राचीन वस्तुओं को रखा जाएगा। इसके अलावा राम मंदिर बनवाने में किन लोगों का योगदान रहा, उसके लिए म्यूजियम में एक विशेष स्थान रखा जाएगा। कुल तीन फ्लोर तैयार होंगे और पूरे म्यूजियम को 26 सेक्शन में बांटा जाएगा। इसके ऊपर राम दरबार, सबके काम, राम वन पथ जैसे कई दूसरे हिस्से भी म्यूजियम का हिस्सा रहेंगे। अब जानकारी के लिए बता दें कि राम मंदिर का निर्माण पिछले साल 22 जनवरी को हुआ था, अब मंदिर ट्रस्ट इसी वजह से 11 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की वर्षगांठ मना रहा है।

जांच की जद में बरेली की सौ से अधिक वक्फ सम्पत्तियां

बरेली, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

बरेली जिले की 100 वक्फ सम्पत्तियां छानबीन और पैमाइश के घेरे में आ गई हैं। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग को आदेश का इंतजार है।

जल्दी ही जिले की वक्फ सम्पत्तियों के अभिलेखों से सम्पत्तियों की पैमाइश की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा था कि वक्फ के नाम पर जमीन कब्जा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी। एक-एक इंच जमीन वापस ली जाएगी। इसी मामले में अब वक्फ सम्पत्तियों की छानबीन के आसार हैं। बरेली जिले में वक्फ की करीब 3171 सम्पत्तियां है। तमाम सम्पत्तियों को लेकर छोटे बड़े विवाद भी सामने आते रहे हैं। इनकी शिकायतें हुईं। अब नए सिरे से जांच हो सकती है। अवैध कब्जे प्रशासन की प्राथमिकता में आएंगे।

ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने बताया कि वक्फ के नाम पर कब्जे हुए हैं और वक्फ सम्पत्तियों पर भी अवैध कब्जे हैं। मौलाना ने कहा, इस मामले में मैं मुख्यमंत्री के बयान को सही मानता हूं। यह भी मानता हूं कि वक्फ बोर्ड की मिलीभगत के बगैर अवैध कब्जे नहीं हो सकते। इसलिए जब छानबीन हो तो इस बिंदु को भी देखा जाए। इत्तेहादे मिल्लत कौंसिल के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. नफीस खां ने कहा कि जिन्होंने नाजायज कब्जे किए हैं, उन पर कार्रवाई की जाए। वह सम्पत्तियां भी खाली कराई जाएं जिन पर सरकारी कब्जे है। मैं तो यही चाहता हूं कि वक्फ सम्पत्तियों को संरक्षित किया जाए।

ध्यान साधना

दुखों और रोगों से मुक्ति दिलाता है मेडिटेशन

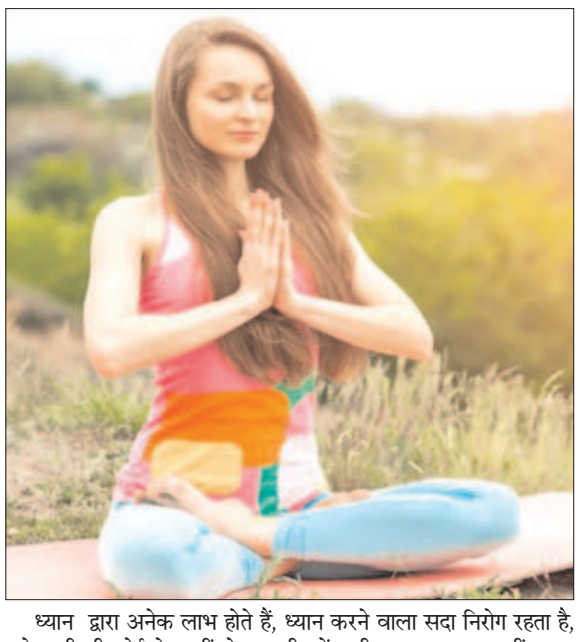

ध्यान द्वारा अनेक लाभ होते हैं, ध्यान करने वाला सदा निरोग रहता है, उसे कभी भी कोई रोग नहीं होता। शरीर में भारीपन या आलस्य नहीं रहता, शरीर का वर्ण उज्जवल हो जाता है। ध्यान द्वारा हम सब प्रकार के दुखों से भी मुक्ति पा सकते हैं। साधारणतया जीवन में एक के बाद एक समस्याएं आती रहती हैं। उनसे बचने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय भी करते हैं। कई लोग दुखों से बचने के लिए शराब, सिगरेट व अन्य खतरनाक किस्म के नशों का प्रयोग करते हैं। इससे उनका दुख कम तो नहीं होता, अपितु और अधिक बढ़ जाता है। उनका शरीर भी नशे की अग्नि में जल कर भस्म हो जाता है। जो दुख आने पर नशा नहीं करते वे चिंताएं इतनी रखते हैं कि चिंता से उनकी चिता बन जाती है।

ध्यान से रोगों और दुखों से छुटकारा

ध्यान द्वारा हम अनेक प्रकार के रोगों से ही नहीं, अनेक प्रकार के दुखों से भी छुटकारा पा सकते हैं। ध्यान द्वारा हम लाभ चाहते हैं तो हमें यह भी जानना आवश्यक है कि

हम ध्यान कैसे करें?

ध्यान की सही प्रक्रिया क्या है?
ध्यान के लिए किन बातों का ध्यान रखा जाए?
ध्यान करने के लिए किस प्रकार बैठा जाए।

इस संबंध में योगी बताते हैं कि ध्यान करने बैठें तो सिर, गला और छाती उठाए रख कर सीधी रखें, इधर-उधर न झुकने दें एवं शरीर सीधा और स्थिर रखें। यदि हम सिर, गला और छाती सीधे न रखेंगे, तो निद्रा और आलस्य के कारण ध्यान नहीं सध पाएगा। इसके और भी कारण हैं। मेरुदंड सीधा रखना आवश्यक है।

यह अवश्य रखें ध्यान

ध्यान करने बैठें तो यह अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि शरीर को अकड़ाया न जाए, बल्कि उसे सरल और सहज ढंग से सीधा रखा जाए। जब हम ध्यान में एकाग्रता का प्रयास करते हैं, तो इंद्रियां जैसे बरबस ही विषयों की तरफ भागने लगती हैं। ऐसा करने का उनका पुराना अभ्यास पड़ा हुआ है। अतः इंद्रियों को बाहरी विषयों से हटाकर परमात्मा अथवा उसके स्वरूप दिव्य ज्योति में ध्यान लगाना चाहिए। जहां ध्यान किया जाए वहां आसन की भूमि समतल होनी चाहिए, वहां कूड़ा-करकट नहीं होना चाहिए। ध्यान का अभ्यास करने वाले की प्रकृति यदि ठीक है, तो शुरू से उसे कभी कोहरा दिखाई देता है, कभी धुआं दिखाई देता है, कभी सूर्य के समान प्रकाश दिखाई देता है, कभी आग जैसा तेज दिखाई देता है, कभी जुगनू की टिमटिमाहट-सी दिखाई देती है। ऐसे दृश्य यह आभास देते हैं कि ध्यान-साधना प्रगति पथ पर है और ध्यान में उन्नति हो रही है।

ध्यान की प्रक्रिया निरंतर चलती रहने से एक स्थिति यह आती है कि ध्यानी को पृथ्वी, जल, तेज, वायु एवं आकाश पर अधिकार प्राप्त हो जाता है। इन महाभूतों से संबंधित पांचों योगविषयक सिद्धियां प्राप्त हो जाती हैं। जब शरीर ध्यानस्थ होता है, तो परमात्मा की कृपा बरसती है। सभी प्रकार के दुखों का अंत हो जाता है। रोगनाश के लिए ध्यान एक अत्यंत प्रभावशाली उपाय है। ध्यान करने वाला आत्मतत्व के द्वारा ब्रह्मतत्व को भली-भांति प्रत्यक्ष कर लेता है और फिर वह सब प्रकार के बंधनों से सदा के लिए छूट जाता है।

ईर्ष्या से ग्रसित इंसान

स्वयं को पहुंचाता है नुकसान

इंसान विपरीत भावों के जाल में उलझता हुआ जीता है। उसके कुछ भाव सकारात्मक होते हैं और कुछ नकारात्मक। प्रेम, सद्भाव, सेवा और त्याग की प्रवृत्ति जहां जीवन के उत्थान का कारण बनती है, वहीं दूसरी ओर क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष जैसे भाव मानव को कितना नुकसान पहुंचाते हैं, इसकी अनुभूति उसे खुद भी नहीं हो पाती। इनमें ईर्ष्या एक नकारात्मक भाव है, जिसकी तीव्रता कभी मंद तो कभी तेज प्रतीत होती है। कहीं-कहीं तो अत्यधिक ईर्ष्या से ग्रस्त प्राणी दूसरों को हानि पहुंचाने के साथ स्वयं अपने विनाश की ओर अग्रसर होता जाता है। यदि यह मानें कि चिंता चिता के समान है तो ईर्ष्या उसकी अग्नि है। तभी तो इसे जलन की संज्ञा दी जाती है। स्वभाव में ईर्ष्या का पुट कहीं न कहीं अपने आप में छोटेपन का परिचायक है। मनुष्य प्रत्येक क्षेत्र में सफल नहीं हो सकता, परंतु अविवेकी लोग यह मानने लगते हैं कि मैं सबसे अग्रणी हूं, मुझसे अच्छा या योग्य और कोई नहीं। ऐसी परिस्थिति में जब वे वह नहीं प्राप्त कर पाते जो दूसरे आसानी से भोग रहे होते हैं तो वे ईर्ष्या के भाव से ग्रस्त होने लगते हैं। यह भाव उनकी प्रकृति व संस्कार का हिस्सा बन जाता है। फिर ईर्ष्या जन्म देती है क्रोध और

घृणा को, जो और भी भयंकर परिणाम का कारण बनते हैं।

मनोविज्ञानी भी इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि एक सीमा से आगे पहुंचकर ईर्ष्या मनुष्य को एक प्रकार की रुग्णावस्था में पहुंचा देती है। दुर्भाग्य तो यह है कि उसे इस विषम परिस्थिति का ज्ञान ही नहीं हो पाता कि कब ईर्ष्या की मनोदशा उसे किस दलदल में धंसाने लगती है। ईर्ष्या एक ऐसा छिपा हुआ भाव है जिसे मनुष्य जानते-समझते हुए भी अस्वीकार करता रहता है। वैज्ञानिक विश्लेषण यहां तक सिद्ध करने का दावा करते हैं कि क्रोध और ईर्ष्या की स्थिति में शरीर में नुक्सानदेह हार्मोन का स्राव ज्यादा होता है। ईष्या से ग्रस्ति प्राणी स्वयं अपने को ही पीड़ा देता है। यदि दूसरों से व्यर्थ की होड़ न करके संयम रखते हुए मनुष्य खुद को ऊपर उठाने में प्रयासरत रहे तो कोई कारण नहीं कि ईर्ष्या जैसी अग्नि से बचा न जा सके।

सेहत के लिए हानिकारक हैं ये फूड

आज के समय में ज्यादातर लोग बाहर की चीज़ें खाना पसंद करते है। ये उनकी सेहत के लिए बिल्कुल अच्छी नहीं होती। लेकिन हम अपनी डेली रूटीन में भी घर पर ऐसी कई चीज़ों का सेवन करते हैं, जो हमारी सेहत के लिए हानिकारक होती है। बावजूद इसके हम अपनी व्यस्त लाइफ के कारण अपने खान-पान पर ध्यान नहीं देते और जाने-अनजाने में घर बैठे कई बीमारियों को बुलावा दे देते हैं। आईए जानते हैं उन हानिकारक चीजों के बारे में

पैक्ड फूड: चॉकलेट, पैक्ड जूस, पॉपकॉर्न इन सभी में आर्टिफिशियल रंग मिला होता है, जो हमारे शरीर के लिए हानिकारक होता है। इसलिए इनका सेवन करने से बचें।

बासी खाना: बहुत से लोग रात के बचे चावल या बासी खाना अगले दिन खा लेते हैं, जिसे खाने से आपकी सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

अचार: अधिक मात्रा में अचार खाने से भी जुकाम, सूजन और गांठ जैसी बीमारी हो सकती है।

अंडा और दूध: किसी भी जानवर से निकलने वाली चीज़े जैसे कि दूध या अंडा बिना उबाले नहीं खाना चाहिए। इससे आप बीमार का शिकार हो सकते हैं।

चाय या कॉफी: अक्सर लोग सुबह उठकर खाली पेट चाय या कॉफी पीते हैं। इससे पेट में एसिडिटी की समस्या होती है।

घरेलू उपाय

हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी फटी एड़ियों की परेशानी

सर्दियों में फटी एड़ियों की परेशानी आम है. लेकिन ये और भी बुरी उस वक्त हो जाती है जब पैरों की रेगुलर केयर ना की जाए. रोज़ाना एड़ियों पर ध्यान ना देने से स्किन दिन ब दिन सख्त होने लग जाती है और ड्राय होकर फटने लगती है. फटने पर इसमें दर्द शुरु हो जाता है. अगर आप इस परेशानी से नहीं जूझना चाहती हैं तो पैरों का भी चेहरे की तरह ध्यान रखें और नीचे दिए गए टिप्स को अपनाएं.

1. सर्दियों में सबसे असरदार है पैट्रोलियम जैली. इसे बस आपको रोज़ाना रात को लगाना है. इसके लिए पैरों को अच्छे से धोने के बाद कॉटन तौलिए से पोंछे. उसके बाद एड़ियों पर वैसलीन लगाएं और मोज़े पहनकर सोएं.

2. सर्दियों में घर में भी मोज़े पहनकर रखें. बेहतर होगा कि आप सुबह नहाने के बाद भी पैरों को पोंछकर मॉइश्चराइज़र लगा लें. पैरों को खुला कम रखें. धूप में पैरों की गरम तेल से अच्छी तरह मालिश करें.

3. पैरों को हफ्ते में एक बार पेडीक्योर करें. इससे आपके पैरों की एक्स्ट्रा स्किन की लेयर हट जाएगी. इसके लिए आधा बाल्टी गरम पानी में थोड़ा नमक और शैम्पू डालें. नमक में ऐसी एक्सफोलिएटिंग प्रॉपर्टीज़ होती हैं, जिससे डेड स्किन जल्दी निकल जाती है. नेलपेंट हटाकर पैरों को पानी में डुबोएं. इससे आपके पैरों से सभी बैक्टिरिया भी निकल जाएंगे. फुट स्क्रबर से पैरों को 15 से 20 मिनट साफ करें. उसके बाद तौलिए से पोंछकर क्रीम लगाकर मोज़े पहन लें.

4. अगर आपकी एड़िया बहुत ही ज़्यादा फटी हो तो रात को सोने से पहले पैरो को साफ करके एड़ियों में गुनगुना मोम लगा लें. इससे आपकी फटी एि?यां जल्दी ठीक हो जाएंगी.

5. अगर आपको रोज़ाना मोज़े नहीं पहनने हो तो नहाने के बाद एड़ियों को हल्का स्क्रब करें और सरसों या फिर नारियल का तेल ज़रूर लगाएं. ये दोनों ऑयल भी डेड स्किन को खत्म कर त्वचा को जल्दी रिकवर करते हैं.

डायबिटीज मरीज के लिए वरदान है कसूरी मेथी

सर्दियों में कसूरी मेथी का अधिक सेवन किया जाता है, जो हरे पत्तेदार सब्जियों में आती है, जो हमारे स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद है। कसूरी मेथी में कैल्शियम, आयरन और विटामिन भरपूर मात्रा में होते है। इसमें पाएं जाने तत्व शरीर में बैक्टीरिया और फंगस इफैक्शन से लड़ने में मदद करते है। इसके अलावा भी इसके सेवन से कई तरह की परेशानियों दूर होती है। आइए जानते है कैसे।

पेट की प्रॉबल्म : कसूरी मेथी पेट की समस्याओं में काफी फायदेमंद है। इसके सेवन से कब्ज, दस्त, एसिडिटी जैसी प्रॉबल्म दूर रहती है। अगर पेट में किसी प्रकार की एलर्जी भी हो तो इसमें कसूरी मेथी काफी फायदेमंद हो सकती है।

कोलेस्ट्रॉल रखें कंट्रोल : कसूरी मेथी एथेरोस्क्लेरोसिस को कम करने में मदद करती है। लिपिड फ्लकचुएशन से पीड़ित रोगी के लिए कसूरी मेथी काफी फायदेमंद साबित हो सकती है। यह कोलेस्ट्रॉल के लेवल को ठीक रखती है।

डायबिटीज : कसूरी मेथी एंटी-डाबेटिक एलिमेंट की तरह काम करती है जो टाइप-2 डायबिटीज से ग्रसित मरीज के लिए काफी फायदेमंद है। इसलिए ऐसी स्थिति में कसूरी मेथी का सेवन करें।

त्वचा के लिए लाभकारी : कसूरी मेथी में विटामिन और आयरन भरपूर होता है जो त्वचा को किसी भी तरह की इंफेक्शन से बचाएं रखते है। इसके सेवन से चेहरे पर पिंपल्स और डार्क सर्कल की समस्या नहीं होती।

वैसलीन को इन तरीकों से करें इस्तेमाल

सर्दियों में फटे होंठों को मुलायम और हाथों को कोमल बनाने के लिए हर घर में पेट्रोलियम जेली का इस्तेमाल होता आ रहा है. इसके अलावा, पैरों की फटी एड़ियों को भी फिर पहले जैसी खूबसूरत बनाने के लिए पेट्रोलियम जेली लगाई जाती है. लेकिन सिर्फ हाथ-पैरों को सुंदर बनाने के अलावा पेट्रोलियम जेली को और भी कई तरीकों से इस्तेमाल किया जा सकता है. आपको बता दें कि पेट्रोलियम जेली को ज़्यादातर लोग वैसलीन के नाम से जानते हैं. यहां जानिए इसके चौंका देने वाले 7 फायदों के बारे में, जिससे आप सभी अब तक अनजान रहे हैं.

1. अगर आप हर वक्त महकना चाहते हैं और बार-बार परफ्यूम लगाने के झंझट से बचना चाहते हैं तो इसे लगाने से पहले उस जगह पेट्रोलियम जेली लगा लें. जैसे आपको गर्दन और कलाईयों पर परफ्यूम लगाना है तो उस जगह पहले थोड़ी पेट्रोलियम जैली यानी वैसलीन लगा लें और फिर परफ्यूम स्प्रे करें. इससे खूशबू पूरे दिन बनी रहेगी.

2. शूज़ को पॉलिश करने वाली वैक्स खत्म हो जाए और आपको जूते चमकाने हो! तो ऐसे में थोड़ी-सी पेट्रोलियम जेली अपने जूतों पर लगाएं और साफ कपड़े से इसे रगड़ें. ऐसा करने से आपके जूते शाइन करने लगेंगे. पेट्रोलियम जेली का बेस्ट पार्ट ये है कि इससे आप किसी भी रंग के शूज़ और हील्स को चमका सकते हैं.

3. सर्दियों में सिर्फ आपके या हमारे नहीं बल्कि जानवरों के नाखून भी सूख जाते हैं. अगर आपके घर में पालतू जानवर हों तो आप अपने पेट्स के नाखूनों के आस-पास थोड़ी पेट्रोलियम जेली से मसाज कर सकते हैं. ध्यान रखें जेली कम मात्रा में ही लगाएं ताकि वो इसे चाट ना सकें. इससे उनके नाखून चमक उठेंगे. अगर आपके पालतू जानवर को कोई समस्या पहले से हो तो आप पेट्रोलियम जेली के इस्तेमाल से पहले पशुचिकित्सक से सलाह ज़रूर लें.

4. आप बाहर जाने को तैयार हों और अचानक आपकी चेन खराब हो जाए! ऐसी सिचुएशन में गुस्सा होने के बजाय ज़रा सी पेट्रोलियम जेली चेन पर लगाएं और उसे दो-तीन बार ऊपर-नीचे करें. बस आपकी चेन अब ठीक हो गई है. कुछ लोल मोम का भी इस्तेमाल करते हैं, लेकिन पेट्रोलियम जेली से भी ये काम किया जा सकता है.

5. बालों में जूंओं हो जाना? पेट्रोलियम जेली आपकी इस परेशानी को भी खत्म कर सकता है. इसके लिए जेली को अपनी स्कैल्प पर लगाएं और थोड़ी देर बाद बालों को धो लें. इससे आपके जुएं तो कम हो जाएंगे लेकिन पेट्रोलियम जेली सिर से पूरी तरह निकालने के लिए कई बार धोना पड़ सकता है.

6. आपने नोटिस किया होगा जो लोग बालों को कलर करते हैं उनकी गर्दन और माथा दोनों भी रंग जाते हैं. आपके साथ ऐसा ना हो इसीलिए बालों को कलर करने से पहले माथे और गर्दन सभी जगह अच्छे से पेट्रोलियम जेली लगा लें. इससे आपके बालों का रंग आपकी स्किन पर नहीं आएगा.

7. हर लड़की रोज़ाना बाहर जाने से पहले मेकअप करती है. जितनी मेहनत वो इसे चेहरे पर लगाने में करती है उससे ज़रा सा भी समय अगर वो हटाने में करे तो चेहरे पर दाग-धब्बे, रिंकल्स नहीं हों. इसके लिए कॉटन में थोड़ी-सी पेट्रोलियम जेली लगाकर चेहरा साफ करें. इससे आपका आई मेकअप भी हट जाएगा.

रेसिपी

शकरकंद-आलू के पकौड़े

सामग्री

शकरकंद- 1 कप कसा हुआ, कच्चे आलू- 1 कप छिले और कसे हुए, मूँगफली पाउडर- 2 चम्मच, अरारोट पाउडर- 1 चम्मच, लाल मिर्च पाउडर- 1/2 चम्मच, धनिया- बारीक कटा हुआ, हरी मिर्च- 1 बारीक कटी हुई, नमक- स्वादानुसार, तेल- तलने के लिए

विधि

सबसे पहले कसे हुए शकरकंद और आलू को एक बड़े बोल में डाल कर अच्छी तरह मिला लीजिए। अब मूंगफली पाउडर, आरारोट पाउडर, महीन कटी प्याज, हरी मिर्च, लाल मिर्च पाउडर और हरी धनिया को इस मिश्रण में डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब कढ़ाई को गैस पर रख कर इसमें तेल डाल कर गरम करें। इस मिश्रण के बराबर आकार के हथेली के बीच में रख कर छोटे छोटे गोले बना लें। गर्म तेल में आहिस्ता से एक बार में चार से पांच गोले डालें। इन्हें हलका सुनहरा होने तक मध्यम आंच पर तल लें ताकि ये अंदर तक सिक जायें और कुरकुरे हो जायें। इसी प्रकार सारे पकौड़े तल लें। गरमा गरम पकोड़ों को हरे धनिए की चटनी या सॉस के साथ सर्व करें।

हरा भरा मेथी पुलाव

सामग्री

1-1/2 कप बासमती चावल, 1 कप हरा मटर, 50 ग्राम पनीर (छोटे-छोटे टुकड़ों में काट कर तल ले), 100 ग्राम मेथी पत्ता (कटा हुआ), 2 टमाटर (कटे हुए), 4-5 लहसुन का पेस्ट, 2-3 हरी मिर्च कटी हुई, 1/4 टी स्पून हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक स्वादानुसार, टे.स्पून तेल/बटर।

विधि

मेथी पत्ते को अच्छी तरह धो ले। पैन में तेल डालकर गरम करे और लहसुन पेस्ट डालकर हल्का भूरा होने तक भूने। उसके बाद कटा टमाटर, मटर, मेथी, हरी मिर्च, नमक, लाल मिर्च पाउडर और हल्दी पाउडर पैन में डालकर 8/9 मिनट तकअच्छी तरह भून ले। चावल को भी पैन में डालकर 5 मिनट तक फाई करे। उसके बाद पानी डालकर पांच मिनट तक धीमी आंच पर पकाए। तले हुए पनीर को चावल के ऊपर डाल कर रायते के साथ सर्व करें।

चर्बी कम करती है नींबू की चाय

नींबू की चाय तो सभी हैं लेकिन इसके फायदे कम ही जानते हैं। नींबू की चाय पीने से पेट की चर्बी कम होती है। आयुर्वेद के जानकार मदन जोगी इसके फायदे बता रहे हैं।

यह हैं नींबू की चाय पीने के फायदे

नींबू की चाय पेट पर जमा होने वाली चर्बी को कम करती है। इसके अलावा नींबू में पाया जाना वाला विटामिन सी शरीर से जहरीले पदार्थ को भी बाहर निकालता है।

नींबू की चाय जुखाम में ही राहत पहुंचाती है। दिन में दो तीन बार पीने से यह खराब गले में भी राहत पहुंचाता है। इसके अलावा नींबू की चाय से शरीर का इम्युन सिस्टम भी मजबूत होता है।

नींबू की चाय पीने से दिमाग ताजा रहता है और मानसिक थकावट नहीं होती है। नींबू की चाय पीने से सिरर्दद, कमजोरी और सुस्ती भी दूर होती है।

नींबू की चाय डायबिटिज के रोगियों के लिए भी फायदेमंद है। नींबू की चाय पीने से शरीर में इंसुलिन का स्त्राव बढता है जिससे शगर नियंत्रित रहता है।

संपादकीय

स्त्री विरोधी अश्लील बदजुबानी

दिल्ली अद्र्धराज्य का चुनाव गरमाने नहीं, उबलने लगा है। दिल्ली में कौन 'आपदा' है और कौन 'बदनसीब', 'घोटालेबाज' है? इन सवालों का विश्लेषण करने से पहले हम प्रधानमंत्री मोदी से जानना चाहेंगे कि क्या भाजपा बदजुबान नेताओं की भी पार्टी है? प्रधानमंत्री ऐसे नेताओं पर खामोश ही नहीं हैं, बल्कि उन्हें चुनाव में प्रत्याशी भी बनाया गया है। फिलहाल रमेश बिधूड़ी भाजपा के सबसे बदजुबान, असभ्य, अमर्यादित नेता के तौर पर कुख्यात हैं। वह दो बार लोकसभा सांसद और 3 बार विधायक रह चुके हैं। नौसीखिया, बचकाना या अपरिपक्व नेता नहीं हैं। भाजपा ने उन्हें दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के खिलाफ कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस की अलका लांबा भी मुकाबले में हैं। बिधूड़ी ने एक सार्वजनिक मंच से कहा कि वह कालकाजी की सारी सडक़ें प्रियंका गांधी के गालों जैसी बनवा देंगे। यह अश्लील, असंगत उपमा देते हुए बिधूड़ी ने लालू यादव का उदाहरण दिया, जिन्होंने 2005 में बिहार की सडक़ें हेमामालिनी के गालों जैसी बनाने की घोषणा की थी। वह उपमा भी अश्लील थी और इस बार की उपमा भी भद्दी, महिला-विरोधी है। बिधूड़ी के बयान पर जबरदस्त राजनीतिक बवाल मचा, तो उन्होंने बयान वापस लेते हुए खेद व्यक्त किया, माफी नहीं मांगी। खेद जताने से ही अपराध की विद्रूपता कम नहीं हो सकती। बहरहाल इस प्रकरण के कुछ देर बाद ही बिधूड़ी ने उस मंच से, जहां से प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन तय था, एक बार फिर बदजुबानी की और कहा कि आतिशी ने तो अपना बाप ही बदल लिया। यह एक महिला का नहीं, दिल्लीवालों और वहां की मुख्यमंत्री का अपमान है। यह भद्दा, कुत्सित, महिला-विरोधी, आधी आबादी-विरोधी बयान लोकतंत्र का भी अपमान है। क्या ऐसी बदजुबानी पर प्रधानमंत्री भाजपा को वोट देने और आप-दा को बाहर करने का आह्वान कर सकते हैं? क्या दिल्ली की महिलाओं को ऐसे 'आदतन अपराधियों' को वोट देने चाहिए? दरअसल रमेश बिधूड़ी ऐसी बदजुबानी के 'आदी' हो गए हैं। उन्होंने बीती लोकसभा में विपक्षी सांसद दानिश अली को 'ओए...ओए..' कहकर संबोधित किया था और समूचे मुस्लिम समाज को 'आतंकवादी' करार दिया था। बिधूड़ी के खिलाफ एक जांच-समिति बिठाई गई, लेकिन उसका निष्कर्ष और निर्णय क्या रहा, क्या कार्रवाई की गई, आज तक कोई सार्वजनिक जानकारी नहीं है। बेशक भाजपा ने उन्हें लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी नहीं बनाया, क्योंकि क्षेत्र में उनके खिलाफ जन-लहर महसूस की जा रही थी। अब विधानसभा चुनाव में उन्हें क्यों उतारा गया? यानी भाजपा बिधूड़ी की बदजुबानी को 'असभ्य, असामाजिक, अश्लील' बयानबाजी नहीं मानती। इस बार बिधूड़ी ने जो बयान दिए हैं, वे एक औसत महिला के सम्मान, स्वाभिमान और चरित्र पर करारा प्रहार करते हैं, जो किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बीते 10 साल की राजनीति में भाजपा को महिलाओं ने लबालब वोट दिए हैं, जिन्होंने भाजपा की जीत सुनिश्चित की है। विडंबना तो यह है कि संसद में स्पीकर और संसद के बाहर, सार्वजनिक जीवन में, चुनाव आयोग ऐसी बदजुबानी का संज्ञान ही नहीं लेते, दंडित करना तो बहुत दूर की कौड़ी है। अश्लील बयानबाजी सिर्फ प्रियंका गांधी तक ही सीमित नहीं है। कांग्रेस के नेता भी अब कंगना रनौत और कैटरीना कैफ के गालों की उपमाएं दे रहे हैं, क्योंकि हेमामालिनी बूढ़ी हो गई हैं। महिलाओं को 'परकटी' भी कहा गया है।

दिल्ली में कौन 'आपदा' है और कौन 'बदनसीब', 'घोटालेबाज' है? इन सवालों का विश्लेषण करने से पहले हम प्रधानमंत्री मोदी से जानना चाहेंगे कि क्या भाजपा बदजुबान नेताओं की भी पार्टी है? प्रधानमंत्री ऐसे नेताओं पर खामोश ही नहीं हैं, बल्कि उन्हें चुनाव में प्रत्याशी भी बनाया गया है। फिलहाल रमेश बिधूड़ी भाजपा के सबसे बदजुबान, असभ्य, अमर्यादित नेता के तौर पर कुख्यात हैं। वह दो बार लोकसभा सांसद और 3 बार विधायक रह चुके हैं। नौसीखिया, बचकाना या अपरिपक्व नेता नहीं हैं। भाजपा ने उन्हें दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के खिलाफ कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस की अलका लांबा भी मुकाबले में हैं। बिधूड़ी ने एक सार्वजनिक मंच से कहा कि वह कालकाजी की सारी सडक़ें प्रियंका गांधी के गालों जैसी बनवा देंगे। यह अश्लील, असंगत उपमा देते हुए बिधूड़ी ने लालू यादव का उदाहरण दिया, जिन्होंने 2005 में बिहार की सडक़ें हेमामालिनी के गालों जैसी बनाने की घोषणा की थी। वह उपमा भी अश्लील थी और इस बार की उपमा भी भद्दी, महिला-विरोधी है। बिधूड़ी के बयान पर जबरदस्त राजनीतिक बवाल मचा, तो उन्होंने बयान वापस लेते हुए खेद व्यक्त किया, माफी नहीं मांगी।

एचएमपीवी के खिलाफ कोई टीका या प्रभावी दवा नहीं है और इलाज ज्यादातर लक्षणों को प्रबंधित करने के लिए होता है

नये चीनी वायरस से चिन्ता में डूबी दुनिया

ललित गर्ग

नये वर्ष में प्रवेश की शुभबेला में एकाएक इस महामारी की खबर से दुनिया भौचक्क एवं खौफ में आ गयी है। क्योंकि कोविड–19 महामारी के पांच साल बाद, चीन मौजूदा समय में नए वायरस एचएमपीवी से जूझ रहा है। इस वायरस ने चीन में हजारों लोगों को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। वहां हालात बेकाबू हो रहा हैं, अस्पतालों के बाहर मरीजों की भीड़ नजर आ रही है। हालांकि, हर बार की तरह चीन का कहना है कि मीडिया खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। ये मौसम बदलने का असर है। ठंड बढ़ने से आमतौर पर लोग खांसी–जुकाम की समस्या से जूझते हैं। ये भी मौसम की वजह से ही हो रहा है।

मानव इतिहास की सबसे बड़ी एवं भयावह महामारी कोरोना को झेल चुकी दुनिया पर एक और नये चीनी वायरस ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के संक्रमण की खबर ने दुनियाभर को चिंता में डूबो दिया है, बाजार से लेकर सामान्य जन-जीवन तक में डर, खौफ, अफरा-तफरी एवं असमंजस्य का माहौल व्याप्त है। कोविड-19 और अन्य श्वसन वायरस की तरह एचएमपीवी भी खांसने, छींकने और संक्रमित लोगों के निकट संपर्क से उत्पन्न बूंदों या एरोसोल के माध्यम से फैलता है। बुखार, सांस फूलना, नाक बंद होना, खांसी, गले में खराश और सिरदर्द इसके सामान्य लक्षण हैं। लेकिन डॉक्टरों का कहना है कि कुछ मरीजों को इस संक्रमण के कारण ब्रोंकाइटिस और निमोनिया हो सकता है। एचएमपीवी के खिलाफ कोई टीका या प्रभावी दवा नहीं है और इलाज ज्यादातर लक्षणों को प्रबंधित करने के लिए होता है। चीन में सांस की बीमारियों के बढ़ते मामलों की खबरों के बाद, भारत सरकार ने सतर्कता बढ़ा दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने डब्ल्यूएचओ से स्थिति पर लगातार अपडेट देने का अनुरोध किया है। नये वर्ष में प्रवेश की शुभबेला में एकाएक इस महामारी की खबर से दुनिया भौचक्क एवं खौफ में आ गयी है। क्योंकि कोविड-19 महामारी के पांच साल बाद, चीन मौजूदा समय में नए वायरस एचएमपीवी से जूझ रहा है। इस वायरस ने चीन में हजारों लोगों को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। वहां हालात बेकाबू हो रहा हैं, अस्पतालों के बाहर मरीजों की भीड़ नजर आ रही है। हालांकि, हर बार की तरह चीन का कहना है कि मीडिया खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। ये मौसम बदलने का असर है। ठंड बढ़ने से आमतौर पर लोग खांसी-जुकाम की समस्या से जूझते हैं। ये भी मौसम की वजह से ही हो रहा है। चीन के सरकारी ब्रॉडकास्टर सीसीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर के अंत में चीनी सीडीसी के आंकड़ों के मुताबिक 14 वर्ष और उससे कम आयु के मामलों में एचएमपीवी की पॉजिटिव दर में हाल ही में वृद्धि हुई है। एचएमपीवी वायरस से छोटे बच्चे, वृद्ध और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोग ज्यादा प्रभावित हुए है। चीन के साथ ही दुनिया के अनेक हिस्सों से इस महामारी से पीड़ति लोगों की खबरें आ रही है। भारत में भी चीन का खतरनाक वायरस एचएमपीवी पहुंच गया है। खबरों की मानें तो बेंगलुरु में 8 महीने का एक बच्चा एचएमपीवी वायरस से संक्रमित पाया गया है। बच्चे का ब्लड टेस्ट किये जाने के बाद ये दावा किया जा रहा है। यह

भारत में एचएमपीवी वायरस का पहला मामला है। हालांकि, भारत में एचएमपीवी वायरस के मामले की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई। चीन में सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि इन्फ्लूएंजा ए, एचएमपीवी, माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया और कोविड सहित कई वायरस फैल रहे हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि एचएमपीवी मामलों में वृद्धि के कारण अचानक मृत्यु दर में चिंताजनक वृद्धि हुई है तथा 40 से 80 वर्ष की आयु के लोग विशेष रूप से इससे प्रभावित हुए हैं। चीन की जिम्मेदार एजेंसियां इस वायरस के दुष्प्रभाव को घटाने में लगी हैं और यह उम्मीद की जा रही है कि चीन इस रोग पर लगाम लगाने में कामयाब हो जाएगा। चीन अपने यहां कोरोना वायरस पर भी लगाम लगाने में एक हद तक कामयाब रहा था। लेकिन वह दूसरे देशों में उसे फैलने से नहीं रोक पाया। लेकिन इस बार अब यह उम्मीद करनी चाहिए कि सजग चीन मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए अपने यहां से किसी भी संदिग्ध को किसी दूसरे देश की यात्रा न करने दें। साथ ही इस महामारी पर नियंत्रण पाने में जिस विधि एवं उपचार पद्धति से वह सफलता पाये, उसे समूची दुनिया से साझा करें, ताकि महामारी से महाविनाश का प्रकोप व्यापक न बन सके। एचएमपीवी का संक्रमण व्यक्तिगत संपर्क से बढ़ रहा है। अगर किसी संक्रमित व्यक्ति के किसी सामान को कोई स्वस्थ व्यक्ति छुए या उसके सम्पर्क में आये तो संक्रमण का खतरा बताया जा रहा है। यह वायरस चूंकि नया है, तो इसका अभी कोई टीका नहीं है। इसकी कोई एंटीवायरल दवा भी नहीं है। यह अच्छी बात है कि अधिकांश मामलों में लोगों को मामूली समस्याएं आ रही हैं। ज्यादातर लोग लक्षण के अनुरूप उपचार और आराम से ही ठीक होते जा रहे हैं। चीन ने साफ तौर पर कुछ बताया नहीं है, मगर अनुमान यही है कि गंभीर मामलों में लक्षणों को प्रबंधित करने के लिए अस्पताल में भर्ती होने, ऑक्सीजन थेरेपी या कॉर्टिकोस्टेरॉइड उपचार की आवश्यकता पड़ सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की अगर मानें, तो इस वायरस का संक्रमण अक्तूबर महीने से ही बढ़ रहा है। अच्छा यही है कि यह बीमारी मौसमी साबित हो और कम से कम लोगों के जीवन पर असर डाले। कोरोना महामारी तो महाविनाश का कारण बनी थी, एचएमपीवी ऐसा अनर्थ ना करें। चीन की साख कोरोना महामारी के कारण बहुत गिरी थी, दुनियाभर में लोगों के स्वास्थ्य पर हमला करने वाला चीन दुनिया की नजरों से गिर गया था। आखिर चीन अच्छी-अच्छी वस्तुओं, तकनीक एवं साजोसामान का निर्यात करते-करते महामारियों का निर्यातक क्यों बन गया? स्वास्थ्य एवं वैज्ञानिक क्रांति के लिये अग्रणी चीन अपने यहां आए दिन हो रहे ऐसे संक्रमण को लेकर सजग क्यों नहीं है? अब यह सवाल बिल्कुल जायज है कि वैज्ञानिक या कृत्रिम तरक्की की होड़ में कहीं चीन अपने लोगों के बुनियादी स्वास्थ्य की अनदेखी तो नहीं कर रहा है? कहीं चीनियों की रोग प्रतिरोधक क्षमता समाप्त या बहुत कम तो नहीं हो गई है? वे बार-बार किसी-न-किसी प्रकार की महामारी की चपेट में आ रहे हैं और सम्पूर्ण मानव जाति को इससे पीड़ति बना रहे है तो यह गंभीर बात है। क्या इसका बड़ा कारण चीनी लोगों को खान-पान है? जरूरत से ज्यादा सुविधावादी जीवनशैली, कृत्रिम संसाधनों की प्रचुरता एवं अप्राकृतिक जीवन उनकी सेहत पर भारी पड़ रहा है। ध्यान रहे कोरोना महामारी के समय विश्व स्वास्थ्य संगठन की भूमिका संतोषजनक नहीं थी। कोरोना महामारी की भयावहता के बावजूद वह चीन के प्रति उदार बना रहा। इसलिये एचएमपीवी महामारी के सन्दर्भ में सवाल उठ रहे हैं कि क्या डब्ल्यूएचओ गंभीरता दिखाते हुए पर्याप्त कदम उठायेगा? क्या उसने कोरोना महामारी के समय चीन से सही सवाल पूछे होते तो इस बीमारी के संभावित खतरे को नियंत्रित किया जा सकता था? क्या कोरोना बीमारी को लेकर विश्व को समय से सलाह न दे पाने में नाकाम रहने के लिए उसे जिम्मेदार माना जाना चाहिए? इस नयी महामारी को लेकर भी इन्हीं कारणों से डब्ल्यूएचओ पर ज्यादा विश्वास कैसे किया जा सकता है? भारत में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक डॉ.अतुल गोयल ने शुक्रवार को कहा कि एचएमपीवी एक सामान्य सांस संबंधी वायरस है जो सर्दी जैसे लक्षण पैदा करता है। कुछ लोगों को, खासकर बुजुर्गों और शिशुओं को, फ्लू जैसे लक्षण हो सकते हैं।

दृष्टि कोण

पाकिस्तान के नक्शेकदम पर बांग्लादेश

कातिल की ये दलील भी मुंसिफ ने मान ली, मक्तूल खुद गिरा था खंजर की नोक पे'। बांग्लादेश की मौजूदा हुकूमत के सामने वहां के अल्पसंख्यक समुदाय पर हो रहा तशद्दुद व हिंसा का खौफनाक मंजर कुछ यही बयान कर रहा है। जाहिर है जब कातिल खुद ही अदालत का मुंसिफ होगा तो उसके एब ओ हुनर की तफ्तीश नहीं हो सकती। पाक सैन्य हुक्मरानों के जहन में बांग्ला लोगों के प्रति नफरत व हिकारत इस कदर थी कि पाक जरनैल 'अयूब खान' ने अक्तूबर 1958 को पाकिस्तान में तख्तापलट का पहला मजमून लिखकर बंगाली मूल के राष्ट्रपति 'इस्कंदर अली मिर्जा' को बर्खास्त करके पाकिस्तान छोडऩे का फरमान जारी कर दिया था। बर्तानिया में शरण लेने के बाद 12 नवंबर 1969 को लंदन में फौत हुए 'इस्कंदर अली मिर्जा' की मयत को पाकिस्तान में दफनाने की इजाजत भी नहीं मिली। काफी जद्दोजहद के बाद साबिक सद्रे पाक इस्कंदर मिर्जा के ताबूत को पड़ोसी मुल्क 'ईरान' में कब्र नसीब हुई थी। अपनी आजादी के प्रति भी बांग्लादेशियों के दोहरे मापदंड थे। पाक सेना की बर्बरता का शिकार हुए पूर्वी पाक के सियासी रहनुमा भारतीय सेना के रहमोकरम से आजाद होकर अपना बांग्ला निजाम नाफिज करना चाहते थे। मगर बांग्लादेश की कुछ सियासी जमातें व मजहबी रहनुमां आजाद होकर मानसिक व जज्बाती तौर पर पाकिस्तान के साथ ही रहना चाहते थे। मार्च 1971 में बांग्ला आवाम पर पाक सेना की दरिंदगी के बदनुमां दाग बांग्लादेश में आज भी मौजूद हैं। बांग्लादेश की महिलाओं के साथ पाक सेना ने जो बर्बरता का सलूक किया था, उस शर्मनाक कारकर्दगी को लफ्जों में बयान नहीं किया जा सकता। पाक सेना की हलाकत से बचने के लिए लाखों बांग्ला लोगों ने हिजरत करके भारत के सरहदी राज्यों में शरण ली थी। इनसानियत का कत्ल तब होता है, जब पीड़ित को उठाने के बजाय लोग तमाशा देखने लगें। सन् 1971 में भी यही हुआ। पूर्वी पाक की कत्लोगारत का मुद्दा भारत ने कई मुल्कों के समक्ष उठाया। लेकिन बांग्ला लोगों को पाकिस्तान के जुल्मोसितम से बचाने व शरण देने की जहमत किसी भी मुल्क ने नहीं उठाई। जगजाहिर है कि भारतीय सेना के जोरदार पलटवार से बेबस होकर पाक सेना ने 16 दिसंबर 1971 को पूर्वी पाक में आत्मसमर्पण कर दिया। भारतीय सेना ने पूर्वी पाक को नए मुल्क बांग्लादेश में तब्दील कर दिया था। मगर बांग्लादेश के मजहबी रहनुमां अपनी आजादी का श्रेय भारत के बजाय अपनी मुक्ति वाहिनी को दे रहे हैं, जबकि हकीकत यह है कि मुक्ति वाहिनी को हथियार उपलब्ध कराकर भारतीय सेना ने ही प्रशिक्षित किया था। बांग्लादेश की चरमपंथी जमातें व मजहबी रहनुमां पाकिस्तान के इशारे पर भारत के खिलाफ जहर उगल रहे हैं। अलबत्ता यहां 'अगरतला षड्यंत्र' का जिक्र करना जरूरी है। बांग्लादेश की सत्ता से बेदखल होकर भारत में शरण ले चुकी साबिक वजीरे आजम शेख हसीना के वालिद शेख मुजीबुर्रमान को अगरतला षड्यंत्र का हवाला देकर पाक सेना ने मई 1968 में कैद कर लिया था। पाक सदर 'अयूब खान' के दौरे हुकूमत में राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किए गए कई बांग्ला नागरिकों व पाक नौसेना के बंगाली मूल के अधिकारियों पर इल्जाम था कि उन लोगों ने पूर्वी पाकिस्तान की आजादी के लिए 'त्रिपुरा' राज्य की राजधानी 'अगरतला' में हिंदोस्तान से समर्थन की गुजारिश की थी। अगरतला साजिश को पाक हुकूमत ने पूर्वी पाक के वजूद के लिए खतरनाक चुनौती माना था। अगरतला षड्यंत्र को बेनकाब करने का खुलासा पूर्वी में तैनात 'आईएसआई' के कर्नल 'शम्सुल आलम' ने किया था। शम्सुल आलम को पाक सेना ने शांतिकाल के सर्वोच्च पदक 'सितारा-ए-बसालत' से सरफराज किया था। हालांकि अदालत में शेख मुजीब पर अगरतला षड्यंत्र के तहत पाकिस्तान को अस्थिर करने का आरोप साबित नहीं हुआ था, मगर पाक सेना ने 15 फरवरी 1969 को अगरतला साजिश के आरोपी बांग्ला सार्जेंट 'जहूरूल हक' को जेल में ही हलाक कर दिया था। जहूरूल हक के कत्ल की खबर से पूर्वी पाक भयंकर हिंसा की चपेट में आ गया। नतीजतन भारत की दखलअंदाजी के खौफ से अयूब खान ने अगरतला षड्यंत्र का केस रद्द कर दिया। ढाका विश्वविद्यालय का एक हॉस्टल उसी जहूरूल हक के नाम से जाना जाता है। मगर बांग्लादेश के हुक्मरान तथा मजहबी रहनुमां पाकिस्तान की जिहादी उल्फत में इस कदर नाबिना हो चुके हैं कि सन1971 में पाक सेना द्वारा की गई कत्लोगारत को नजरअंदाज कर रहे हैं। सूरतेहाल यह है कि बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान की तमाम निशानियों को मिटाया जा रहा है। बांग्ला मुक्ति संग्राम में युद्धघोष बना 'जॉय बांग्ला' नारे को भी हटाया जा रहा है। अविभाजित भारत में सन् 1922 में बांग्ला शायर काजी नजरूल द्वारा अपनी नज्म में लिखा गया 'जॉय बांग्ला' बांग्लादेश का कौमी नारा है।

कुछ अलग

गौरवमयी इतिहास और तिलचट्टे

हमें सदा गल्प में जीने की आदत रही है। पुनर्जन्म में विश्वास रखने वाले हम तिलचट्टे सदा स्वर्ग की कामना में डूबे रहते हैं। सवाल पूछने की हिम्मत और आदत हम में न तब थी, न अब है। हमें तो हमेशा अपना अस्तित्व बचाने की चिंता लगी रही। इस जन्म में नहीं तो अगले जन्म में सही। हमारा उद्धार जरूर होगा, हम यही सोचकर जीते रहे। आज भी जी रहे हैं। अवतारों में विश्वास करने वाले हम तिलचट्टे मानते हैं कि हमारे आज के राजा भी नॉन-बॉयोलॉजिकल हैं। उन्होंने भले अप्रत्यक्ष रूप से देश को जंजीरों में जकड़ दिया है, कर के शत-प्रतिशत बोझ से हमें लाद दिया है और अपने मित्रों के माध्यम से खजाने भर लिए हैं। पर हम मानते हैं कि मरने के बाद सब कुछ यहीं छूट जाता है, जमीनें भी और खजीने भी। इसलिए हम उनका कोई प्रतिरोध नहीं करते। जाते समय तो सिकंदर भी हाथ खोले ही गया था। हमारे नाम की उत्पत्ति हमारे चाटने की विशेषता के कारण ही हुई है। तिलचट्टा शब्द 'तेल जमा चाट जमा आ' के मेल से बना है, जिसका अर्थ है तेल चाटने वाला। फिर चाहे तेल चाटो या तलवे, क्या फर्क पड़ता है। हम तो हमेशा इसी बात पर गर्वाए रहते हैं कि हम, जिन्हें अंग्रेजी में कॉकरोच कहा जाता है, पृथ्वी पर मौजूद सबसे प्राचीन कीटों में से एक हैं। हमारी तादाद आज दुनिया में सबसे ज्यादा है। जिसके कारण वही हैं, जो मैं पहले भी बता चुका हूं, कैसी भी विषम परिस्थितियों में लचीला आहार, पर्यावरणीय तनावों के प्रति प्रतिरोध, अनुकूलनशीलता, अद्वितीय आनुवंशिक लक्षण और तेज प्रजनन की क्षमता। हम विश्व के विभिन्न देशों की कला, साहित्य, लोक कथाओं, थिएटर और फिल्मों में मौजूद हैं। हमारे गौरवशाली अतीत को देखते हुए ही फ्रांज काफ्का ने अपनी कहानी 'द मेटामोर्फोसिस' में अपने मुख्य किरदार ग्रेगर सैमसा को जिस विशाल 'कीड़े' में वर्णित किया है, उसके शारीरिक विवरण से साफ पता चलता है कि वह एक तिलचट्टा है। इस उपन्यास की पैरोडी में मार्क एस्ट्रिन की रचना 'इन्सेक्ट ड्रीम्स : द हाफ लाइफ ऑफ ग्रेगर सैमसा', जिसमें ग्रेगर सैमसा अपने परिवर्तन के बावजूद समृद्ध होता जाता है, अपने समाज में एक अहम व्यक्ति बन जाता है, और टायलर नॉक्स की नोयर कॉमेडी 'कॉकरोच' में एक कॉकरोच एक सुबह एक आदमी के रूप में जागता है और टाइम्स स्क्वायर में एक प्रमुख गैंगस्टर बन जाता है। ये रचनाएं बताती हैं कि आदमी कॉकरोच होने के बाद बेइंतहा तरक्की करता है। ऐसी रचनाएं हमें अपने कॉकरोच या तिलचट्टा होने पर गौरवान्वित करती हैं। हमारे देश में भले हम पर कोई फिल्म या टेलीविजन सीरियल न बना हो, पर हमें गर्व है कि पूरी दुनिया में हमारी चिकनाहट और चमक पर न जाने कितनी फिल्में और सीरियल बने हैं। क्या अब भी आपको यकीन नहीं कि हमारी हस्ती को न किसी क्षुद्र ग्रह का टकराना मिटा सकता है और न कोई सेक्स फेरोमोन्स जैसी कोई दवा। यह सत्य है कि हम आज ध्रुवीय बर्फ की चोटियों पर नहीं पाए जाते। लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि इनसानी बेवकूफियों के चलते ग्लोबल वार्मिंग के कारण बर्फ पिघलने के बाद हम जल्द ही उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवव पर भी अपना साम्राज्य कायम कर लेंगे। हमारा सबसे पुराना जीवाश्म लगभग दो हजार लाख साल पुराना है। यही बात हमें अपने स्वर्णिम और गौरवशाली इतिहास पर इतराने पर मजबूर करती है और हमें विश्वास दिलाती है कि चाहे देश में इमरजेंसी हो, टैक्स का बोझ कमर तोड़ दे, गरीबी और बेरोजगारी हमारे गाल और पेट पिचका दे, शिक्षा का गिरता स्तर हमें रीढ़विहीन बना दे, पर हम हमेशा बने रहेंगे।

जयंती पर विशेष

हैदराबाद निजाम के विरुद्ध सत्याग्रह करने वाले पुरोधा थे स्वामी स्वतन्त्रतानन्द

हैदराबाद के निज़ाम द्वारा हिन्दुओं के धार्मिक अधिकारों तथा आर्य समाज के प्रचार पर लगे प्रतिबन्ध के कारण आर्य समाज ने इतिहास का सबसे बड़ा संघर्ष निज़ाम के विरुद्ध सन् 1939 में सत्याग्रह किया था। इस सत्याग्रह के स्वामी स्वतन्त्रतानन्द जी फील्ड मार्शल रहे और सत्याग्रहियों को प्रेरित कर भेजने का दुष्कर कार्य सफलतापूर्वक किया।

11 जनवरी सन् 1877 में स्वामी स्वतन्–त्रतानन्द का जन्म पंजाब प्रान्त का लुधियाना जिला के मोही नामक ग्राम में हुआ। बचपन में इनका नाम केहरसिंह था। आप एक सम्पन्न कृषक कुल तथा पुलिस अधिकारी के घर जन्म लेने वाले, वैराग्यवृत्ति के कारण 20 वर्ष की युवा अवस्था में गृहत्याग कर तपस्वी साधु के रूप में अध्ययन और साधुओं का सत्संग करते हुए आर्य समाज की ओर आकर्षित हुए।

स्वामी स्वतन्त्रतानन्द जी के जीवन की एक–एक घटना अत्यन्त विलक्षण व प्रेरणाप्रद है। आप कोई सामान्य सन्यासी नहीं थे। आप युगों के पश्चात् जन्म लेने वाली एक तपस्वी पूजनीय विभूति थे। कई भाषाओं के सिद्धहस्त असाधारण विद्वान विचारक और महाकवि थे।

हैदराबाद आर्य सत्याग्रह के संचालक सन्यासी लौहपुरुष स्वामी स्वतन्त्रतानन्द जी ने सत्याग्रह के सेनापति महात्मा नारायणस्वामी जी से मिलकर अपनी बनाई योजना के अनुसार उन्हें ट्रेन से हैदराबाद पहुंचा दिया, निज़ाम ने महात्मा जी को अपने राज्य में प्रविष्ट न होने देने के लिए सब कुछ किया था।

आर्य सत्याग्रह को सफल बनाने और निज़ाम प्रशासन को घुटने टेकने के लिए मजबूर करने, सत्याग्रह को निरन्तर चलाने हेतु, संगठन को बल देने के लिए एक योग्य, निष्ठावान, जननायक, महर्षि दयानन्द और आर्य समाज का परमभक्त, निडर, निज़ाम की पुलिस को अच्छा जानता हो, कई यातनाओं को सहनकर भी आर्यसमाज का परम सेवक, जीवन दांव पर लगाकर दूसरों की मदद करने वाला, दूरदर्शिता और स्मरणशक्ति जिसकी तीव्र हो, जिसमें तड़प, जोश, उत्साह और सेवा भाव हो। ऐसे आर्य की पहचान इस आर्य

सत्याग्रह के लिए फील्ड मार्शल लौहपुरुष स्वामी स्वतन्त्रतानन्द जी ने हैदराबाद सत्याग्रह के लिए युवा आर्य नेता, आर्यवीर दल हैदराबाद स्टेट के मुखिया क्रांतिकारी गंगाराम को चुना।अति कठिन कार्य के लिए, एक अच्छे नेता के साथ–साथ, एक अच्छे कार्यकर्ता की जरूरत होती है। क्रान्तिवीर गंगाराम लौहपुरुष के नयनों में समा गये, गुणियों के पारखी स्वामी स्वतन्त्रतानन्द जी ने अत्यन्त विकट कार्य के लिए इन्हें चुना, यह उनके जीवन की बहुत बड़ी उपलब्धि थी।

हैदराबाद के अपने राज्य के आर्यों में से सत्याग्रहियों की लगातार भर्ती करना और यह कार्य करते हुए निज़ाम की कुटिल क्रूर सरकार की धर पकड़ से भी स्वयं को बचाना, इससे बड़ा जोख़िम का स्टेट में दूसरा और कार्य क्या हो सकता था ? दूरदर्शी फील्ड मार्शल स्वामी जी ने इसके साथ दूसरा बड़ा कार्य जो गंगाराम जी को सौंपा वह यह था कि सत्याग्रह की विजय तक आपने स्वयं को निज़ामशाही की हृदयहीन पुलिस की पकड़ से बचाना है। यह कार्य पहले कार्य से भी कहीं अधिक जोखिम भरा था।

और इतिहास साक्षी है कि सत्याग्रह आन्द–ोलन के सर्वाधिक महत्वपूर्ण योद्धाओं में से एक गंगाराम जी ने अत्यन्त सतर्कता, सजगता व दूरदर्शिता से स्वामीजी महाराज द्वारा सौंपे गये यह दोनों कार्य अत्यन्त नीतिमत्ता व कुशलता से करके दिखाये। आश्चर्य की बात तो यह है कि आज तक न तो हैदराबाद के किसी प्रतिष्ठित नेता तथा संगठनकर्ता ने गंगाराम जी की सत्याग्रह के लिये इस देन पर कुछ खुलकर लिखा है।

यह तो प्रसिद्ध आर्य इतिहासकार प्रा. राजेंद्र जिज्ञासु जी, जिनकी उम्र 94 वर्ष की है, आज भी आर्यसमाज और स्वामी दयानन्द के परम भक्तों की खोज कर – करके, समुद्र से गोता लगाकर मोती निकालने जैसे कार्य कर हमें इतिहास के स्वर्णिम अध्यायों से परिचित करा रहे हैं। यह लेख इन्हीं की कृपा से लिखित जीवन संग्राम – क्रांतिवीर पंडित गंगाराम वानप्रस्थी पुस्तक से प्रेरित होकर लिखा गया है। भारत की स्वतन्त्रता और हैदराबाद निज़ाम से मुक्ति के बाद, तत्कालीन आर्यसमाज के कुछ शीर्ष नेताओं ने पदों पर आसीन रहने के लिए आपसी संघर्ष में लग गये और पद पर चिपकु बन इतिहास के स्वर्णिम प्रष्ठों को आने ही नहीं दिया और आर्य समाज के उज्जवल भविष्य को लगभग लगभग मिटा दिया।

आर्य समाज के पतन का एक मुख्य कारण यह भी है कि सत्तालोभी नेताओं ने, अपनी कुर्सी बचाने के लिए जीवन पर्यंत कभी अगले पंक्ति के लिए किसी को तैयार ही नहीं किया और अपनी सत्ता की भूख को मिटाना यही उनका लक्ष्य रहा। इतिहास ही तो प्रेरणा का स्रोत होता है, इसमें अनुभवों, महत्वपूर्ण घटनाओं, उपलब्धियां व हमारी संस्कृति के बारे में जानकारी मिलती है।

क्या केवल सरकार ही इतिहास लिखेगी, हम केवल सरकारों को ही कोसते रहें, क्या हमारा कोई दायित्व नहीं बनता ? यह तो भला है, एक अकेला व्यक्ति, इस उम्र के पड़ाव पर भी, निरन्तर खोज करके हमें जागृत कर रहा है, बिलकुल अकेले, उनके आगे पीछे कोई नहीं। यह कार्य क्या हमारे सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा या आर्य प्रादेशिक सभाओं का नहीं है ?

–भक्त राम
अध्यक्ष – पण्डित गंगाराम स्मारक मंच
हैदराबाद

आप का नजरिया

खेलों में उत्तराखंड से सीखना होगा

खेलों का राष्ट्रीय महाकुंभ इस बार हमारे पड़ोस उत्तराखंड में रौनक और शौकत बिखेरने के लिए पांव पसार रहा है। हिमाचल के बाद अस्तित्व में आए उत्तराखंड ने 38वीं राष्ट्रीय खेलों के आयोजन से अपना ढांचा इतना सुदृढ़ तो कर ही लिया कि राज्य में खेलों का चरित्र व प्रशिक्षण का ढर्रा बदल जाएगा। इससे पहले 2023 में गोवा जैसे छोटे राज्य ने खेलों के राष्ट्रीय आयोजन से ध्यान आकृष्ट किया था। ऐसे में सवाल यह कि हिमाचल कब ऐसे आयोजनों के मार्फत खेल वातावरण को खेल पर्यटन से जोडऩे का संकल्प लेगा। हिमाचल की आबोहवा व आधारभूत संरचना को अगर व्यवस्थित खेल ढांचे से जोड़ दें, तो राष्ट्रीय खेलों का आयोजन अगले कुछ सालों में एक दिशा परिवर्तन साबित होगा। उत्तराखंड में 28 जनवरी से 14 फरवरी तक खेलों के जरिए राष्ट्र के प्रतिमान सामने आएंगे, तो यह राज्य भविष्य की परिकल्पना में आगे बढ़ेगा। हमने पहले भी कहा था कि हिमाचल में राष्ट्रीय खेलों का आयोजन एक साथ आधा दर्जन शहरों के केंद्र में खेल ढांचे की जागीर बदल सकता है। इससे पूर्व क्रिकेट संघ ने अपने एक स्टेडियम के कारण खेल पर्यटन का अंतरराष्ट्रीय मुकाम हासिल किया है, तो बड़े आयोजनों के कारण धर्मशाला ट्रैफिक नियंत्रण की कार्यशाला में कई सफल प्रयोग कर पाया। ऐसे में अगर राष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजनों के लिए पूरी तरह तैयार होना है या यहां खेल वातावरण विकसित करना है, तो एक साथ ऊना, हमीरपुर, बिलासपुर, धर्मशाला, मंडी, चंबा व पौंग बांध जैसे जलाशयों की परिधि में विशेष प्रयास करने होंगे। गोवा में राष्ट्रीय खेलों के कारण मापुसा, मडगांव, पंजिम, पोंडा और वास्को में एक साथ कई खेल गांव बन गए। हिमाचल में अपनी कनेक्टिविटी के कारण धर्मशाला में मुख्य स्टेडियम के अलावा बिलासपुर, ऊना, हमीरपुर व मंडी में विशेष खेलों का ढांचा अपने निखार पर होगा। कई इंडोर स्टेडियम, स्वीमिंग पूल, शूटिंग रेंज तथा वेलोड्रोम इस तरह निर्मित हो सकेंगे। विडंबना यह है कि हमारा अपना बजट खेलों के काबिल नहीं बनता। सबसे पहला प्रयास प्रेम कुमार धूमल के मुख्यमंत्रित्व काल में हुआ और इसके नतीजे में हमीरपुर व धर्मशाला में सिंथेटिक ट्रैक उभर कर सामने आए। इसके अलावा भारतीय खेल प्राधिकरण और राज्य के खेल छात्रावासों की भूमिका में प्रशिक्षण का दौर इतना बदल गया कि आज देश के करीब पांच सौ एथलीट धर्मशाला में रह कर निजी तौर पर प्रैक्टिस कर रहे हैं। आश्चर्य यह कि यहीं राष्ट्रीय खेल छात्रावास के लिए आया लगभग 25 करोड़ का बजट लौट गया और अब हाई आल्टीट्यूट ट्रेनिंग सेंटर की औपचारिकताएं इंद्रू नाग परिसर को पालिटिक्स में फंसा चुकी हैं। हिमाचल की आबोहवा में राष्ट्रीय प्रशिक्षण के कई शिविर और खेल अकादमियों के सफर पर उस वक्त विराम लग जाता है, जब राज्य की खेल नीति सिकुड़ और मुकर जाती है। विडंबना यह कि जो पारंपरिक खेल मैदान थे भी, वे पार्किंग या वाहन ट्रेनिंग सेंटर बन चुके है। सुजानपुर का मैदान किसी खेल कालेज का मुख्य परिसर होता, तो वहां की घास पर पशु न घूम रहे होते।

ब्रिटेन ने अवैध आव्रजन पर नकेल कसने के लिए नए प्रतिबंधों की घोषणा की

लंदन, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

ब्रिटेन की सरकार ने अवैध आव्रजन पर नकेल कसने के उपायों के तहत मानव तस्करी करने वाले गिरोहों से निपटने और ऐसे अपराध को बढ़ावा देने वाले अवैध वित्तपोषण को रोकने के लिए गुरुवार को नए प्रतिबंधों की घोषणा की है।

सरकार ने कहा है कि नए प्रतिबंध अनियमित प्रवासन और संगठित आव्रजन अपराध को लक्षित करने के लिए हैं, जिससे अधिकारियों को खतरनाक यात्राएं करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को लक्षित करने की अनुमति मिल जाएगी। नई प्रतिबंध व्यवस्था इस वर्ष के भीतर लागू होने की उम्मीद है।

सरकार के विशेषज्ञ कानून प्रवर्तन और परिचालन गृह कार्यालय के सहकर्मियों के साथ मिलकर वित्तीय प्रवाह को उनके स्रोत पर ही रोकने और यूरोप में खतरनाक समुद्री पारगमन सहित अनियमित प्रवासी आंदोलनों को सुविधाजनक बनाने वाले तस्करों को रोकने के लिए काम कर रहे हैं।

नये प्रतिबंध को लेकर प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने कहा, हमें अपनी सीमाओं के उल्लंघन में मदद करने वाले अपराध गिरोहों को खत्म करना होगा। यूरोप भर में तस्करों को कमजोर लोगों की तस्करी करने की अनुमति देने वाले अवैध वित्तीय गिरोहों को कमजोर करके, हम परिवर्तन की अपनी योजना को पूरा करेंगे और यूके की सीमाओं को सुरक्षित करेंगे, प्रधान मंत्री कीर स्टारमर ने कहा। इसका मतलब है कि हम अपनी नीति निर्माण प्रक्रिया में साहसिक और अभिनव बनें ताकि हम कोई कसर न छोड़ें। उन्होंने कहा कि मेरी सरकार आने वाले वर्षों में लोगों की जान बचाने और अपनी सीमाओं की रक्षा करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप का हर एक दांव हुआ फेल, सुप्रीम कोर्ट ने कहा सजा तो होकर रहेगी

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को शपथ लेने जा रहे हैं। इससे पहले एक ऐसी मुसीबत उनके सामने आ गई जिससे उनकी परेशानी बढ़ सकती है। इससे निपटने के लिए उन्होंने कई तरह के दांव चले हैं लेकिन उन्हे कामयाबी नहीं मिल पाई है। अब अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि ट्रंप को सजा तो होकर रहेगी। कभी हाईकोर्ट जाते हैं तो कभी सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हैं। हश मनी केस में डोनाल्ड ट्रंप को फिर भी राहत नहीं मिल पा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने भी डोनाल्ड ट्रंप पर रहम दिखाने से इनकार कर दिया है। जी हां, अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति चुने गए डोनाल्ड ट्रंप की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने न्यूयॉर्क में चल रहे हश मनी मामले में अपनी सजा टालने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने 5-4 के फैसले में कहा कि डोनाल्ड ट्रंप को सजा सुनाई जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश का मतलब है कि अब जज जुआन एम मर्चेन यानी शुक्रवार को ट्रंप 10 जनवरी को सजा सुना सकेंगे। ट्रंप को हश मनी केस मामले में दोषी ठहराया गया था। आरोप है कि ट्रंप ने पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को 1.3 लाख डॉलर हश मनी (चुप रहने के बदले पैसे) के तौर पर देने की कोशिश की थी। ट्रंप ने डेनियल्स के साथ किसी भी तरह के संबंध होने या कुछ भी गलत करने से इनकार किया है। हालांकि, जज मर्चेन पहले ही कह चुके हैं कि वो ट्रंप को जेल नहीं भेजेंगे और न ही उन पर कोई जुर्माना लगाएंगे या प्रोबेशन पर रखेंगे।

इटली की पीएम बोलीं- ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप ऐसा कुछ नहीं करेंगे

रोम। इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी की खूबसूरती के चर्चे अक्सर होते रहते हैं। ड्रेसिंग सेंस के साथ ही

उनके हावभाव तक को लोग नोटिस करते हैं। उनकी हर एक अदा पर सबकी निगाहें रहती हैं। ईयर एंड प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उनके एपियरेंस ने आकर्षित किया है। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने डोमेस्टिक के साथ ही इंटरनेशनल मसलों पर भी अपनी राय व्यक्त की है। रूस-यूक्रेन से लेकर ग्रीनलैंड तक से जुड़े मुद्दों पर अपनी बात रखी। पीएम मेलोनी अपने बयान के लिए भी चर्चा में रहती हैं। ग्रीनलैंड का विवाद अभी गहराया हुआ है। डोनाल्ड ट्रंप ने इसे अमेरिका के कब्जे में करने की बात कही है। साथ ही पनामा नहर को लेकर भी ट्रंप ने बड़ी बात कही है। पीएम मेलोनी ने उम्मीद जताई कि डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी रष्ट्रपति का पद संभालने के बाद ऐसा कुछ नहीं करेंगे। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड और पनामा नहर के मुद्दे पर चीन को टारगेट करते हुए बयान दिया है। पीएम मेलोनी ने कहा कि ट्रंप का लक्ष्य चीन था। पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने रूस-यूक्रेन युद्ध पर ट्रंप की ओर से दिए गए बयान पर भी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि ट्रंप के रष्ट्रपति बनने के बाद वह यूक्रेन को यूं ही नहीं छोड़ देंगे। यूक्रेन के साथ अमेरिका पहले की ही तरह खड़ा रहेगा। पीएम जॉर्जिया मेलोनी का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ भी अच्छी ट्यूनिंग है।

जमानत पर 84 दिन बाद रिहा हुए रवि लामिछाने काठमांडू जिला अदालत में होंगे हाजिर

काठमांडू। सहकारी बैंक से करोड़ों की ठगी मामले में पिछले 84 दिनों से पोखरा पुलिस की हिरासत में चल

रहे पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने गुरुवार की शाम को जमानत पर रिहा हो गए, लेकिन ही उन्हें काठमांडू की जिला अदालत में पेश होना होगा। पोखरा के सूर्यदर्शन सहकारी बैंक में ठगी मामले में पूछताछ और बयान के बाद जमानत की अर्जी पर सुनवाई करते हुए जिला अदालत पोखरा ने 9 जनवरी को रवि लामिछाने को 65 लाख रुपये के निजी मुचलके पर रिहा करने का आदेश दिया। इसके बाद देर रात उन्हें रिहा कर दिया गया। चूंकि, रवि लामिछाने को पोखरा के अलावा चार अन्य जिलों के सहकारी बैंक घोटाले में प्रमुख अभियुक्त बनाया गया है, इसलिए उन्हें शुक्रवार को सबसे पहले काठमांडू जिला अदालत में पेश होना होगा। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के प्रवक्ता मनीष झा ने बताया कि काठमांडू जिला अदालत में पेश होने के लिए रवि ही विमान से काठमांडू पहुंच रहे हैं। काठमांडू के स्वर्णलक्ष्मी सहकारी बैंक घोटाले में रवि लामिछाने को प्रमुख आरोपित बनाया गया है, इसलिए यहां से भी उन्हें जमानत लेनी होगी। इस पूरे मामले की जांच कर रहे केंद्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) के प्रमुख दीपक थापा ने बताया कि उनकी तरफ से पोखरा की जिला अदालत में रवि को काठमांडू पुलिस के हवाले करने की अर्जी दी गई थी, लेकिन रवि के वकील की तरफ से उनके खुद ही हाजिर होने की शर्त पर काठमांडू पुलिस के हवाले नहीं किया गया था।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून के वकीलों ने दूसरे हिरासत वारंट के खिलाफ निषेधाज्ञा दायर की

सियोल, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति यून सुक येओल के वकीलों ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने मार्शल लॉ लागू करने के लिए उन्हें हिरासत में लेने के लिए दूसरे वारंट के खिलाफ निषेधाज्ञा दायर की है। यून गैप-ग्यून और महाभियोग लगाए गए राष्ट्रपति की कानूनी बचाव टीम के अन्य सदस्यों ने विदेशी समाचार आउटलेट्स के साथ एक बैठक के दौरान यह टिप्पणी की।

जिसमें कहा गया कि संवैधानिक न्यायालय के साथ क्षमता विवाद पर निर्णय के लिए अनुरोध दायर किया गया था। पत्रकारों से बातचीत में राष्ट्रपति यून के विचारों को साझा करते हुए यून गैप-ग्यून ने कहा कि पहले और दूसरे वारंट जारी करने वाले न्यायाधीश और हमारे आपत्ति (पहले वारंट पर) को खारिज करने वाले न्यायाधीश ने न केवल गलत कानूनी व्याख्या की, बल्कि गलत कानूनी आवेदन भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कानून के बारे में अनुमान और अतिशयोक्तिपूर्ण व्याख्याएं हैं, जो इसे अवैध होने की अत्यधिक संभावना बनाती हैं। हमारी (वकीलों की) टीम ने पहले वारंट के विरुद्ध भी यही कदम उठाए लेकिन संवैधानिक न्यायालय ने वारंट समाप्त होने से पहले किसी भी अनुरोध पर कोई कार्रवाई नहीं की। दरअसल, 14 दिसंबर को नेशनल असेंबली द्वारा महाभियोग लगाए जाने के बाद से राष्ट्रपति सार्वजनिक रूप से नज़रों से दूर हैं। पत्रकारों को एक सवाल के जवाब में वकील यून गैप ने कहा कि राष्ट्रपति विश्वास करते हैं कि मार्शल लॉ लागू करना हमारे लोगों को अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए मूड बनाने में भूमिका निभा रहा है। बता दें कि संसद द्वारा पिछले साल 14 दिसंबर को राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाने के लिए मतदान करने के बाद यून की राष्ट्रपति पद की शक्तियों को निलंबित कर दिया गया था। इसी के बाद सियोल पश्चिमी जिला न्यायालय ने मंगलवार को वारंट जारी किया जब जांचकर्ताओं ने अपने प्रारंभिक वारंट के विस्तार के लिए आवेदन किया, जो पिछले दिन समाप्त हो गया था। पिछले शुक्रवार को वारंट को निष्पादित करने का प्रयास विफल हो गया था, जब जब यून के अंगरक्षकों ने जांचकर्ताओं को आधिकारिक राष्ट्रपति निवास में प्रवेश करने से रोक दिया था।

लॉस एंजिल्स में जंगल की आग : बाइडेन की टीम तय करेगी अगला कदम

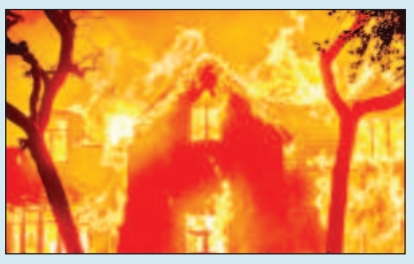

कैलिफोर्निया। लॉस एंजिल्स के जंगलों में लगी भीषण आग में काफी नुकसान हुआ है। इस आपदा पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की प्रतिक्रिया सामने आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, सुबह, मुझे लॉस एंजिल्स के जंगल में लगी आग के नवीनतम प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई। राष्ट्रपति जेम्स कार्टर की सेवा के बाद, वह अपनी टीम के साथ एक और ब्रिफिंग आयोजित करेंगे और देशवासियों के लिए इस आपदा पर प्रतिक्रिया पर अपने विचार साझा करेंगे। कैलिफोर्निया डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेस्ट्री एंड फायर प्रोटेक्शन (कैल फायर) ने जानकारी देते हुए कहा कि अग्नि की प्रकृति जिसमें छोटी और लंबी दूरी से आग का पता लगाना भी शामिल है, एक चुनौती बना हुआ है। लॉस एंजिल्स शहर के पश्चिम में 32 किमी दूर स्थित एक समृद्ध समुदाय में, कई ऐतिहासिक स्थल, जिनमें ग्रीक और रोमन प्राचीन वस्तुओं को प्रदर्शित करने वाला शानदार गेट्टी विला संग्रहालय और मध्य शताब्दी का आधुनिक ईम्स हाउस भी आग के खतरे में है। वह, इस भयानक आग से पैलिसेड्स के तीन स्कूलों को भी काफी नुकसान पहुंचा है। अग्निशमन और पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार शाम को लगी ईटन की आग ने लॉस एंजिल्स के दो पड़ोसी शहरों अल्ताडेना और पासाडेना के पास 10,600 एकड़ (42.9 वर्ग किमी) से अधिक क्षेत्र को जला दिया, जिससे पांच लोगों की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। बता दें कि जंगलों में लगी आग अब विकराल रूप ले चुकी है। यह आग फैलकर अब लॉस एंजेलिस और हॉलीवुड हिल्स में तबाही मचा रही है, जिससे हजारों लोग पलायन को मजबूर हैं। वहीं अब तक 5 लोगों की मौत कर खबर है।

जल्द खत्म होगा रूस-यूक्रेन युद्ध, ट्रंप से मिलना चाहते हैं पुतिन

रूसी राष्ट्रपति ने कहा था-दूसरे पक्ष को भी समझौते के लिए तैयार रहना चाहिए

वाशिंगटन, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन उनसे मिलना चाहते हैं। इसके लिए बैठक का शेड्यूल तैयार करवाया जा रहा है। ट्रंप ने मार-ए-लागो में रिपब्लिकन गवर्नर्स के साथ बैठक से पहले कहा कि पुतिन मुझसे मिलने को बेताब हैं। पुतिन सार्वजनिक तौर पर कह चुके हैं। हमें इस युद्ध को खत्म करना होगा, इसने बहुत तबाही मचा दी है। ऐसे में हम इस मुलाकात का शेड्यूल तैयार कर रहे हैं। ट्रंप ने इस बैठक के लिए कोई समयसीमा नहीं बताई।

ट्रंप 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ लेने जा रहे हैं। व्हाइट हाउस में उनकी वापसी से 22 फरवरी 2022 को शुरू हुए यूक्रेन पर रूस के हमले के राजनयिक समाधान की उम्मीद की जा रही है। बता दें कि यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन को 175 अरब डॉलर से ज्यादा की आर्थिक मदद देने का वादा किया था, जिसमें 60 अरब डॉलर से ज्यादा की सुरक्षा सहायता भी है। हालांकि, ट्रंप के राष्ट्रपति चुने जाने के बाद इसे लेकर असमंजस है कि क्या यूक्रेन को अमेरिका की ओर से मिलने वाली मदद जारी रहेगी या नहीं।

रूसी राष्ट्रपति कार्यालय के प्रवक्ता ने कहा था कि पुतिन, ट्रंप के मिलने की उनकी इच्छा का स्वागत करते हैं लेकिन अभी तक ट्रंप की ओर से इस तरह का कोई औपचारिक अनुरोध नहीं आया है। इससे पहले पिछले महीने पुतिन ने कहा था कि वह युद्ध समाप्त करने के लिए ट्रंप के साथ संभावित वार्ता में यूक्रेन को लेकर समझौता करने के लिए तैयार हैं, लेकिन यूक्रेनी अधिकारियों के साथ बातचीत शुरू करने के लिए उनकी कोई शर्त नहीं है।

पुतिन ने कहा था कि लगता है जो यूक्रेनी नागरिक लड़ना चाहते हैं वे भाग जाएंगे। कोई भी ऐसा नहीं बचेगा जो लड़ना चाहता हो। हम तैयार हैं, लेकिन दूसरे पक्ष को भी बातचीत और समझौते दोनों के लिए तैयार रहना चाहिए। पुतिन कई बार कह चुके हैं कि वह बातचीत के लिए तैयार हैं। वहीं, ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध को जल्द खत्म करने की कसम खाई है, लेकिन इस जंग को किस तरह खत्म करना है, इसे लेकर अभी तक उन्होंने कोई खाका पेश नहीं किया है।

यिओल के समर्थन में नारे लगाते हुए उनके समर्थक

सियोल में दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति यून सुक यिओल के समर्थन में नारे लगाते हुए उनके समर्थक।

नेपाल-भारत वाणिज्य सचिव स्तरीय दो दिवसीय बैठक काठमांडू में शुरू हुई

काठमांडू, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

नेपाल-भारत वाणिज्य सचिव स्तरीय बैठक शुक्रवार से काठमांडू में शुरू हुई है। इस बैठक में दोनों देशों के बीच व्यापार तथा परिवहन संधि की समीक्षा करके आवश्यक फेरबदल करने पर चर्चा की जानी है। से शुरू हुई अंतर सरकारी समूह की बैठक में व्यापार तथा परिवहन संधि की समीक्षा करना प्रमुख एजेंडा है।

इस बैठक का नेतृत्व भारत के वाणिज्य सचिव सुशील बरथवाल, जबकि नेपाली प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वाणिज्य सचिव गोविंद बहादुर कार्की कर रहे हैं। दोनों तरफ से वाणिज्य के अतिरिक्त अन्य संबंधित विभागों के प्रतिनिधि भी मौजूद हैं। व्यापार तथा परिवहन संधि के किन प्रावधानों को बदलना है, उसको लेकर दोनों पक्षों के बीच चर्चा की जा रही है।

नेपाल के वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता बाबूराम अधिकारी ने बताया कि नेपाल ने भारत की ओर से नेपाली उत्पादों के निर्यात पर लगाई गई रोक को हटाने के लिए मांग की है, जिस पर भारत की तरफ से सकारात्मक रुख दिखाया गया है। नेपाल और भारत के बीच अवैध व्यापार को रोकने के लिए एक नए समझौते पर बैठक के आखिरी दिन शनिवार को हस्ताक्षर करने की भी तैयारी है। इस समझौते के तहत चीन से नेपाल के रास्ते भारत में होने वाले तस्करी को रोकने के लिए कानूनी मान्यता मिल जाएगी।

एलन मस्क ने वोक वायरस पर हमला कर जर्मनी की राजनीति में मचाई हलचल

परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को बंद करने के फैसलों को अजीब और गलत बताया

वाशिंगटन, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

टेस्ला का मालिक एलन मस्क ने जर्मनी की राजनीति में अपने तीखे बयान से हलचल मचा दी है। सोशल मीडिया एक्स पर एक लाइव स्पेस में एलन मस्क ने जर्मनी की दक्षिणपंथी नेता ऐलिस वीडेल का समर्थन करते हुए कहा कि वोक वायरस ने जर्मनी को बुरी तरह प्रभावित किया है।

मस्क ने ऐलिस वीडेल को जर्मनी को चलाने में सबसे योग्य उम्मीदवार बताया और जर्मन नागरिकों से उनके पक्ष में वोट करने की अपील की है। मस्क और वीडेल ने जर्मनी की ऊर्जा नीति, शिक्षा

प्रणाली और सांस्कृतिक रुझानों पर खुलकर बातचीत की। मस्क ने जर्मनी द्वारा परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को बंद करने के फैसलों को सबसे अजीब और गलत कदम बताया है।

वीडेल ने जर्मनी की शिक्षा प्रणाली को वामपंथी और वोक एजेंडा से प्रभावित बताया। उन्होंने कहा कि की पीढ़ी जेंडर स्टडीज जैसे विषयों पर ध्यान देती है, लेकिन असली शिक्षा से वंचित हो रही है। मस्क ने भी उनकी बात का समर्थन करते हुए कहा कि वोक माइंड वायरस ने जर्मनी में संस्कृति और नीति को गहरा नुकसान पहुंचाया है। मस्क ने वीडेल की पार्टी एएफडी के लिए भी खुलकर समर्थन किया है। यह पार्टी अपने दक्षिणपंथी रुझानों और प्रवास विरोधी विचारों के लिए जानी जाती है। जर्मनी के आगामी चुनावों से पहले, एएफडी दूसरी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभर रही है।

एलन मस्क की टिप्पणियों ने पूरे यूरोप में विवाद खड़ा कर दिया है। स्पेन के पीएम पेड्रो सांचेज़ ने मस्क पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया है, जबकि फ्रांस ने यूरोपीय संघ को बाहरी हस्तक्षेप से बचाने के लिए कदम उठाने की मांग की है। वोक शब्द जो सतर्कता और सामाजिक न्याय के लिए खड़ा है, पश्चिमी समाज में एक सांस्कृतिक विवाद का केंद्र बन गया है। समर्थकों का कहना है कि यह नस्लवाद और सामाजिक असमानता के खिलाफ एक प्रगतिशील विचार।

खौफ में जी रहे पाकिस्तान के आर्मी चीफ, जहां जाते हैं पहले लॉकडाउन लगता है

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में फिदायनी हमले लगातार बढ़ रहे हैं। हाल ही में पाकिस्तानी सेना का काफिला जब तुरबत शहर से 8-10 किलोमीटर दूर बेहमान इलाके से गुजर रहा था तभी बीएलए का फ़िदायीन हमला हो गया। जिसमें पाकिस्तानी फ्रंटियर फोर्स के 47 सैनिक मारे गए। 30 से ज्यादा के घायल होने हो जाते हैं। बलूचिस्तान की मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर तुर्बत का दौरा करने पहुंचे। यह दौरा बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) द्वारा एक आत्मघाती हमले के बाद हुआ था। उनके तुर्बत आने से पहले सुरक्षा के इंतेजाम किए गए। पूरे शहर में लॉकडाउन लगा दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक तुर्बत आने से पहले शहर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई थी। कई इलाकों को पूरी तरह से लॉकडाउन में डाल दिया गया था। पाकिस्तानी फ्रंटियर कोर और पाकिस्तानी सेना ने तुर्बत के तालीमी चौक से डी-बालोच तक के रास्तों को सील कर दिया था। इसके अलावा ओवरसीज और सैटेलाइट टाउन जैसे इलाकों को पूरी तरह से घेर लिया गया था। घटना स्थल के नजदीकी इलाकों जिसमें शाही तुम्प, बहमन, डंक और गोददान में भी अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती की गई थी। चीफ के दौरे से पहली सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम तो किए जाते हैं लेकिन ऐसा इंतजाम कि पूरे इलाक़े को लॉकडाउन कर दिया। आम यात्रियों की लंबी कतारें सड़कों पर लग गई थीं।

वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ पर एमसीए में मौजूद रहेंगे तेंदुलकर, गावस्कर समेत कई भारतीय कप्तान

मुंबई, 10 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई के दिग्गज क्रिकेटर और भारतीय टीम के पूर्व कप्तान 19 जनवरी को प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ मनाने के लिए मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) में शामिल होंगे।

एमसीए की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ये कार्यक्रम 12 जनवरी को शुरू होंगे और 19 जनवरी को एक भव्य मुख्य कार्यक्रम होगा, जिसमें प्रशंसकों के लिए एक रोमांचक शाम होगी।

मुंबई के दिग्गज, पूर्व और वर्तमान भारतीय क्रिकेट कप्तान - जिनमें सचिन तेंदुलकर, सुनील गावस्कर, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, रवि शास्त्री, अजिंक्य रहाणे, दिलीप वेंगसरकर और डायना एडुल्जी शामिल हैं, वानखेड़े स्टेडियम के ऐतिहासिक महत्व को मनाने के लिए एकजुट होंगे। यह उत्सव खेल की विरासत में स्टेडियम की महत्वपूर्ण भूमिका का सम्मान करने का वादा करता है।

मुख्य कार्यक्रम में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दोनों से मुंबई के दिग्गज पुरुष और महिला खिलाड़ी भी शामिल होंगे।

इस शाम की मेजबानी प्रतिभाशाली मंदिरा बेदी और प्रसन्ना संत करेंगे, जो आकर्षक प्रदर्शनों की एक श्रृंखला के माध्यम से दर्शकों का मार्गदर्शन करेंगे। कार्यक्रम में प्रसिद्ध कलाकारों अवधूत गुप्ते और अजय-अतुल प्रदर्शन से लोगों का मनोरंजन करेंगे, साथ ही लेजर शो का भी आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर एमसीए अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा, जैसा कि हम प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, मैं सभी क्रिकेट प्रशंसकों को इस महत्वपूर्ण अवसर का हिस्सा बनने के लिए हार्दिक आमंत्रित करता हूँ। हमारे महान नायक इस समारोह में हमारे साथ शामिल होंगे, और साथ मिलकर हम वानखेड़े स्टेडियम की समृद्ध विरासत को ट्रिब्यूट देंगे जो मुंबई का गौरव है। आइए इस उत्सव को वास्तव में अविस्मरणीय बनाएं। समारोह के एक भाग के रूप में, एमसीए के पदाधिकारी और शीर्ष परिषद के सदस्य 19 जनवरी को एक कॉफी टेबल बुक जारी करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

दिनेश कार्तिक का अनुभव एसए20 सीजन 3 में फ्रेंचाइजी की मदद करेगा: डेविड मिलर

केपटाउन। पार्ल रॉयल्स के कप्तान डेविड मिलर ने अनुभवी बल्लेबाज दिनेश कार्तिक की प्रशंसा की और कहा कि विकेटकीपर-बल्लेबाज का अनुभव एसए20 सीजन 3 में फ्रेंचाइजी की मदद करेगा। एसए20 में डेविड मिलर की अगुआई वाली पार्ल रॉयल्स आज सनराइजर्स ईस्टर्न केप के खिलाफ टूर्नामेंट में अपना सफर शुरू करेगी। एसए20 सीजन 3 से पहले आधिकारिक कप्तानों की प्रेस कॉन्फ्रेंस में मिलर ने कहा कि रॉयल्स-आधारित फ्रैंचाइजी में कई नए चेहरे और रोमांचक युवा खिलाड़ी हैं। एसए20 रिलीज के अनुसार, मिलर ने कहा, मुझे लगता है कि इस साल हमारे पास कई नए चेहरे, कुछ रोमांचक युवा खिलाड़ी हैं। हमारे पास कुछ बेहतरीन प्रतिभाएँ हैं, इसलिए उन्हें पाकर हम बहुत उत्साहित हैं। साथ ही एक नया कोच, ट्रेवर पेनी, जिसके पास ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, कनाडा और जिम्बाब्वे के चार पासपोर्ट हैं। इसलिए वह काफी अनुभवी है और उसने यात्रा की है। वह कई सालों से दुनिया भर में कोचिंग और खेल रहा है, इसलिए उसे सेट-अप में पाकर बहुत अच्छा लगा। इस साल के एसए20 का एक मुख्य आकर्षण दिनेश कार्तिक का शामिल होना है, जो पार्ल रॉयल्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। मिलर ने कहा, इंग्लैंड के शीर्ष बल्लेबाज जो रूट का अनुभव भी टी20 टूर्नामेंट के आगामी सत्र में फ्रैंचाइजी की मदद करेगा।

प्रीमियर लीग क्लब एवर्टन ने कोच सीन डाइचे को किया बर्खास्त

लंदन। प्रीमियर लीग क्लब एवर्टन ने अपने कोच सीन डाइचे को बर्खास्त कर दिया है। क्लब ने गुरुवार को उक्त घोषणा की। क्लब ने एक बयान में कहा, एवर्टन फुटबॉल क्लब इस बात की पुष्टि करता है कि सीन डाइचे को तत्काल प्रभाव से सीनियर पुरुष टीम के प्रथम टीम मैनेजर के पद से मुक्त कर दिया गया है। बयान में कहा गया कि डाइचे के सहायक इयान वोन, स्टीव स्टोन, मार्क हावर्ड और बिली मर्सर भी क्लब छोड़ कर चले गए हैं। डाइचे ने बोर्नमाउथ से 1-0 की हार के बाद अपना पद छोड़ दिया, जिससे एवर्टन प्रीमियर लीग में 16वें स्थान पर आ गया, हालांकि इस कदम का समय आश्चर्यजनक है, क्योंकि उसी शाम एवर्टन को एफए कप के तीसरे दौर में पीटरबोरो से खेलना है। पूर्व खिलाड़ी लीटन बैन्स, जो वर्तमान में एवर्टन की अंडर-18 टीम के कोच हैं, को अस्थायी रूप से प्रभारी बनाया गया है, क्लब ने घोषणा की है कि वह स्थायी प्रतिस्थापन की तलाश शुरू कर रहा है। 53 वर्षीय डाइचे ने फ्रैंक लैम्पार्ड की जगह लेने के बाद लगभग दो सीजन के बाद पद छोड़ दिया, एवर्टन को रिलीगेशन ज़ोन में रखा गया और उन्होंने 2022-23 सीजन में इसे सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया, पिछले सीजन में 15वें स्थान पर रहा। हालाँकि इस अभियान में एवर्टन का डिफेंस मजबूत रहा है, लेकिन गोल करने में उसे संघर्ष करना पड़ा है, 19 लीग खेलों में उसने सिर्फ़ 15 बार गोल किया है।

दक्षिण अफ़्रीकी खेल मंत्री ने अफगानिस्तान क्रिकेट के बहिष्कार के आह्वान का किया समर्थन

नई दिल्ली। कई ब्रिटिश राजनेताओं द्वारा इंग्लैंड से अगले महीने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में अफगानिस्तान के खिलाफ नहीं खेलने की अपील के बाद, दक्षिण अफ्रीका के खेल मंत्री गेटन मैकेंजी ने भी महिलाओं के अधिकारों पर तालिबान सरकार की कार्रवाई का हवाला देते हुए बहिष्कार का समर्थन किया है। उन्होंने गुरुवार को एक बयान में कहा, क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका, अन्य देशों के महासंघों और आईसीसी को इस बारे में सावधानी से सोचना होगा कि क्रिकेट खेल दुनिया को क्या संदेश देना चाहता है, और खासकर खेल में महिलाओं को। खेल मंत्री के तौर पर यह अंतिम निर्णय लेना मेरे लिए नहीं है कि दक्षिण अफ्रीका को अफगानिस्तान के खिलाफ क्रिकेट मैचों का सम्मान करना चाहिए या नहीं। अगर यह मेरा फैसला होता, तो निश्चित रूप से मैं खेलने से रोकता। उन्होंने कहा, मेरे लिए एक ऐसे व्यक्ति के रूप में, जो ऐसी जाति से आता है, जिसे रंगभेद के दौरान खेल के अवसरों तक समान पहुंच की अनुमति नहीं थी, आज जब दुनिया में कहीं भी महिलाओं के साथ ऐसा ही व्यवहार किया जा रहा है, तो इस पर आंखें मूंद लेना पाखंड और अनैतिक होगा। इससे पहले, 160 से अधिक ब्रिटिश राजनेताओं ने इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को एक क्रॉस-पार्टी पत्र पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें मांग की गई थी कि इंग्लैंड 26 फरवरी को लाहौर में अफगानिस्तान के खिलाफ अपने मैच का बहिष्कार करे। इस बीच, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के अध्यक्ष माइक बेयर्ड ने कहा कि पाखंड का आरोप लगने के बाद उन्हें हमारे द्वारा अपनाए गए रुख पर बहुत गर्व है। उन्होंने कहा, हमने एक रुख अपनाया है, और हम गर्व से उस जगह पर खड़े हैं, जहां हमें लगता है कि हमें खड़ा होना चाहिए।

डीपी वर्ल्ड आईएलटी20

सीजन 3 के उद्घाटन समारोह में जलवा बिखेरेंगे शाहिद कपूर, पूजा हेगड़े, सोनम बाजवा

दुबई, 10 जनवरी (एजेंसियां)। डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 सीजन 3 के उद्घाटन समारोह में 11 जनवरी शनिवार को बॉलीवुड के मेगास्टार शाहिद कपूर, पूजा हेगड़े और सोनम बाजवा अपना जलवा बिखेरेंगे। डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 का तीसरा सीजन 11 जनवरी से 9 फरवरी 2025 तक चलेगा।

शाहिद, पूजा और सोनम अपने ब्लॉकबस्टर गानों पर शानदार प्रदर्शन के साथ समारोह की शुरुआत करेंगे। इस अवसर को और भी शानदार बनाने के लिए, प्रसिद्ध बॉलीवुड निर्माता और अभिनेता जैकी भगनानी और रिधिमा पाठक उद्घाटन समारोह की मेज़बानी करेंगे।

उद्घाटन समारोह को लेकर शाहिद कपूर ने आयोजकों की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, अगर आप मुझे जानते हैं, तो आप जानते होंगे कि मुझे क्रिकेट और डांसिंग कितना पसंद है। और जब ये दोनों चीजें एक साथ आती हैं, तो आप दोनों दुनिया का सबसे अच्छा अनुभव प्राप्त करने की उम्मीद कर सकते हैं, यही वजह है कि मैं 11 जनवरी 2025 को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में डीपी वर्ल्ड इंटरनेशनल लीग टी20 के उद्घाटन समारोह का हिस्सा बनने के लिए वास्तव में उत्सुक हूं। बॉलीवुड और क्रिकेट के जश्न के लिए अभी अपने टिकट खरीदें, जिसमें असली क्रिकेट-टेनमेंट की भावना हो।

उद्घाटन की शाम बॉलीवुड के बेहतरीन और टी20 क्रिकेट के शिखर का अनूठा संगम पेश करेगी, जो रिंग

ऑफ फायर के नाम से मशहूर डीआईएस की शानदार पृष्ठभूमि में होगा। सीजन के उद्घाटन के लिए टिकटों की बिक्री शानदार रही है, और डीआईएस में शनिवार की शाम को खास अंदाज में स्टेडियम खचाखच भरा हुआ है।

सीजन की पहली गेंद स्थानीय समयानुसार शाम 7:15 बजे फेंकी जाएगी, जब पिछले साल के ग्रैंड फिनाले के रोमांचक रीमैच में गत चैंपियन एमआई एमिरेट्स का सामना दुबई कैपिटल्स से होगा।

छह डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 फ्रेंचाइजी ने आंद्रे रसेल (अबू धाबी नाइट राइडर्स), सुनील नरेन (अबू धाबी नाइट राइडर्स), एलेक्स हेल्स (डेजर्ट वाइपर्स), शेरफेन रदरफोर्ड (डेजर्ट वाइपर्स), डेविड वार्नर (दुबई कैपिटल्स), रोवमैन पॉवेल (दुबई कैपिटल्स), क्रिस जॉर्डन (गल्फ जायंट्स), शिमरॉन हेटमायर (गल्फ जायंट्स), अकील होसैन (एमआई एमिरेट्स), निकोलस पूरन (एमआई एमिरेट्स), आदिल राशिद (सीजन 2 में शारजाह वॉरियर्स वाइल्डकार्ड पिक) और जॉनसन चार्ल्स (शारजाह वॉरियर्स) जैसे टी20 सुपरस्टार्स को रिटेन किया है।

इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल के महान खिलाड़ी जेसन रॉय (शारजाह वारियर्स) पिछले सीजन में अबू धाबी नाइट राइडर्स के लिए दो बार खेलने के बाद लीग में वापस आ गए हैं।

वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान जेसन होल्डर अबू धाबी नाइट राइडर्स के लिए खेलेंगे, ऑलराउंडर पिछले सीजन में दुबई कैपिटल्स के लिए खेले थे। इंग्लैंड के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट और पाकिस्तान के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर सूफियान मुकीम भी अबू धाबी नाइट राइडर्स में शामिल हो गए हैं।

इसके अलावा, टिम साउथी (शारजाह वारियर्स), फखर जमान (डेजर्ट वाइपर्स), शाई होप (दुबई कैपिटल्स), लॉकी फर्ग्यूसन (डेजर्ट वाइपर्स), रोस्टन चेस (अबू धाबी नाइट राइडर्स), मैथ्यू वेड (शारजाह वारियर्स), इब्राहिम जादरान (गल्फ जायंट्स) और रोमारियो शेफर्ड (एमआई एमिरेट्स) सीजन 3 में अपना डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 डेब्यू करने के लिए तैयार हैं।

बांग्लादेश श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज टीम में शामिल हुईं चेरी फ्रेजर, जैनिलिया ग्लासगो

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाले आगामी सफेद गेंद श्रृंखला के लिए ऑलराउंडर चेरी-एन फ्रेजर और अनकैप्ड तेज गेंदबाज जैनिलिया ग्लासगो को वेस्टइंडीज की 15 सदस्यीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल किया गया है।

सफेद गेंद श्रृंखला 19 जनवरी को तीन वनडे मैचों के साथ शुरू होगी और 30 जनवरी को तीन टी20 मैचों के साथ समाप्त होगी। सेंट किट्स सभी मैचों की मेजबानी करेगा। तेज गेंदबाज शमिलिया कोनेल और मध्यक्रम की बल्लेबाज रशदा विलियम्स भारत दौरे पर टीम के साथ नहीं थीं। सीडब्ल्यूआई की विज्ञप्ति के अनुसार, वेस्टइंडीज अनुभवी ऑलराउंडर स्टेफनी टेलर के बिना ही खेलेगी, जो अभी भी घुटने की चोट से उबर रही हैं। फ्रेजर ने कुल 12 वनडे खेले हैं और इस प्रारूप में उनका आखिरी प्रदर्शन अक्टूबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ था। हालाँकि, उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन पिछले साल जून में हंबनटोटा में श्रीलंका के खिलाफ टी20 में था। इस बीच, ग्लासगो ने चार टी20आई में हिस्सा लिया है, इनमें से आखिरी मैच मई 2024 में कराची में पाकिस्तान के खिलाफ था। हालाँकि वह 2023 से वेस्टइंडीज की वनडे टीम के साथ यात्रा कर रही है, लेकिन ग्लासगो को कभी भी वनडे में मौका नहीं मिला। सीडब्ल्यूआई की विज्ञप्ति के अनुसार, दोनों ने तस्मानिया में राज्य क्रिकेट में सफल प्रदर्शन किया है और उन्हें शामिल किया गया है। वेस्टइंडीज वर्तमान में महिला चैम्पियनशिप तालिका में नौवें स्थान पर है, जिसमें शीर्ष छह टीमें इस साल के अंत में भारत में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए स्वत: योग्यता प्राप्त कर रही हैं। 21 मैचों में 14 अंकों के साथ, उनके लिए सीधे योग्यता प्राप्त करना असंभव है, भले ही वे बांग्लादेश पर 3-0 की जीत के साथ अधिकतम 20 अंक हासिल करें, जबकि न्यूजीलैंड 21 अंकों के साथ छठे स्थान पर है। हालांकि, 21 मैचों में 19 अंकों के साथ सातवें स्थान पर रहने वाला बांग्लादेश न्यूजीलैंड को पीछे छोड़कर शीर्ष छह में जगह बना सकता है। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच शेन डेइट्ज ने कहा, बांग्लादेश का दौरा हमारी तैयारी के लिए एक आदर्श समय पर हुआ है। वे एक कुशल इकाई हैं, जिन्होंने प्रभावशाली विकास दिखाया है।

मिश्रित युगल बैउमिंटन

क्वालालंपुर में मिश्रित युगल बैउमिंटन मुकाबले में खेलते हुए फेंग यांजझी व हुआंग डोंगपिंग।

वर्ल्ड पैडल लीग का भारत में पदार्पण, मुंबई करेगा मेजबानी

मुंबई, 10 जनवरी (एजेंसियां)। यूएई में अपनी जबरदस्त सफलता के बाद, वर्ल्ड पैडल लीग (डब्ल्यूपीएल) भारतीय पैडल महासंघ (आईपीएफ) के समर्थन भारत में पदार्पण को तैयार है। इस लीग का आयोजन मुंबई के नेस्को सेंटर में 5 से 8 फरवरी तक किया जाएगा। लीग में 4 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें दुनिया के 32 शीर्ष पैडल खिलाड़ी भाग लेंगे। दर्शकों को 4 दिनों में कोर्टसाइड एक्शन का भरपूर आनंद मिलेगा।

क्लाउडिया फर्नांडीज सांचेज (महिला विश्व नंबर 3), मार्टा ऑर्टेगा गैलेगो (महिला विश्व नंबर 7), सोफिया अराउजो (महिला विश्व नंबर 8), एलेजांद्रा सालाजार बेंगोएचिया (महिला विश्व नंबर 15), फेडेरिको चिंगोटो (पुरुष विश्व नंबर 4), जॉन सैन्ज़ (पुरुष विश्व नंबर 9), कार्लोस डैनियल गुटिरेज़ (पुरुष विश्व नंबर 19) सहित कई शीर्ष अंतरराष्ट्रीय पैडल खिलाड़ी पहली बार भारतीय धरती पर प्रतिस्पर्धा करेंगे।

प्रमुख शहरों में बढ़ती भागीदारी और बढ़ते बुनियादी ढांचे के साथ, पैडल भारत में तेजी से बढ़ रहा है। डब्ल्यूपीएल और आईपीएफ के बीच साझेदारी खेल के विकास को और तेज करने के लिए तैयार है, जो खेल प्रेमियों की एक विस्तृत श्रृंखला को प्रेरित करेगी। वर्ल्ड पैडल लीग में अब एक महीने से भी कम समय बचा है, ऐसे में भारतीय पैडल महासंघ की अध्यक्ष स्नेहा अब्राहम सहगल ने कहा, वर्ल्ड पैडल लीग की तैयारियां जोरों पर हैं और हम भारत में इसके बहुप्रतीक्षित आगाज का इंतजार कर रहे हैं। पैडल के कुछ सबसे बड़े नाम अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं, यह आयोजन भारत में खेल की लोकप्रियता को बढ़ाने का वादा करता है। यह निश्चित रूप से पैडल के लिए एक नया अध्याय शुरू करेगा, जो सभी आयु समूहों के अधिक भारतीय प्रशंसकों को इस रोमांचक खेल से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा।

पीसीबी हॉल ऑफ फेम में शामिल हुए मिस्बाह, इंजमाम, सईद, मुश्ताक

लाहौर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। इंजमाम-उल-हक, मिस्बाह-उल-हक, मुश्ताक मोहम्मद और सईद अनवर को 2024 के लिए पीसीबी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शुक्रवार को उक्त घोषणा की।

पीसीबी हर साल दो पूर्व क्रिकेटरों को पीसीबी हॉल ऑफ फेम में शामिल करता है। लेकिन इस बार, 2024 के लिए चार खिलाड़ियों को शामिल किया गया, क्योंकि 2023 में कोई खिलाड़ी शामिल नहीं था। पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने बोर्ड द्वारा जारी एक बयान में कहा, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की ओर से, मैं इन चार क्रिकेट दिग्गजों को पीसीबी हॉल ऑफ फेम में शामिल किए जाने पर हार्दिक बधाई देता हूं। यह सम्मान पाकिस्तान क्रिकेट और वैश्विक खेल में उनके उत्कृष्ट योगदान सम्मान है। पूर्व कप्तान इंजमाम-उल-हक ने वनडे क्रिकेट में पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया है, उनके नाम 11,701 रन दर्ज हैं। वह वर्तमान में 8,829 रन के साथ पाकिस्तान के टेस्ट रन बनाने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं। स्पिनरों के सबसे बड़े दु:स्वप्न इंजमाम ने 31 टेस्ट मैचों में पाकिस्तान की कप्तानी की, जिसमें से 11 जीते, नौ ड्रॉ रहे और 11 हारे। उन्होंने 87 वनडे मैचों में भी पाकिस्तान की कप्तानी की, जिसमें से 51 जीते, 33 हारे और 3 में कोई नतीजा नहीं निकला। उनके 25 टेस्ट शतकों में से 17 जीत के दौरान आए; उनके 10 वनडे शतकों में से सात पाकिस्तान की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मिस्बाह-उल-हक पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ियों के प्रतिभाशाली पूल में एक और खिलाड़ी हैं। अपनी बेदाग तकनीक के लिए जाने जाने वाले मिस्बाह ने 56 टेस्ट मैचों में पाकिस्तान का नेतृत्व किया और 26 जीते। उन्होंने 2015 विश्व कप और आठ टी 20 आई सहित 87 मैचों में भी टीम का नेतृत्व किया। अपने शानदार करियर के दौरान, मिस्बाह ने 162 एकदिवसीय मैचों में 5,122 रन बनाए, जो शतक बनाए बिना करियर में किसी भी व्यक्ति द्वारा बनाए गए सबसे अधिक रन हैं। 42 अर्धशतक बनाने के बावजूद, सितारे मिस्बाह के पक्ष में नहीं थे क्योंकि वह 50 ओवर के प्रारूप में तीन अंकों का आंकड़ा छूने में विफल रहे। हरफनमौला कौशल वाले आक्रामक चरित्र मुश्ताक मोहम्मद ने 1959-1979 तक 57 टेस्ट मैचों में 3,643 रन बनाए और 79 विकेट लिए। उन्होंने 1976 से 1979 के बीच 19 टेस्ट मैचों में पाकिस्तान की कप्तानी की, जिसमें से आठ में जीत हासिल की, जिसमें 1977 में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया में पाकिस्तान की पहली टेस्ट जीत भी शामिल है, सात ड्रॉ रहे और चार हारे। सईद अनवर, जो अपने समय में एक तेजतर्रार बल्लेबाज थे, ने अपने तीसरे टेस्ट में 169 रन बनाए और 55 टेस्ट मैचों में 11 शतकों सहित 4,052 रन बनाए। उन्होंने सात टेस्ट मैचों में पाकिस्तान की कप्तानी भी की। सईद का बल्ले से कौशल सिर्फ लाल गेंद के क्रिकेट तक ही सीमित नहीं था। उन्होंने 247 एकदिवसीय मैचों में उल्लेखनीय 8,824 रन बनाए, जिसमें घर से बाहर 205 एकदिवसीय मैचों में 7,227 रन शामिल हैं। नकवी ने कहा, मुश्ताक मोहम्मद को पाकिस्तान के बेहतरीन कप्तानों में से एक माना जाता है, जो अपनी शानदार नेतृत्व क्षमता और प्रेरणादायी शैली के लिए जाने जाते हैं। इंजमाम-उल-हक की अपार प्रतिभा और मैच जीतने की क्षमता ने खेल पर एक अमिट छाप छोड़ी है। मिस्बाह-उल-हक ने चुनौतीपूर्ण समय में पाकिस्तान टीम की कमान संभाली, उसे टेस्ट रैंकिंग के शिखर पर पहुंचाया और कैरेबियाई में ऐतिहासिक श्रृंखला जीत हासिल की।

फैबटेक टेक्नोलॉजीज की स्टॉक मार्केट में धांसू एंट्री, पहले दिन ही निवेशकों का पैसा डबल

नई दिल्ली,10 जनवरी (एजेंसियां)।

बायोटेक सेक्टर के लिए प्री-इंजीनियर्ड और प्री-फैब्रीकेटेड मॉड्यूलर पैनल बनाने वाली कंपनी फैबटेक टेक्नोलॉजीज क्लीनरूम्स लिमिटेड ने लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री की। घरेलू शेयर बाजार के निगेटिव सेंटीमेंट्स के बावजूद इस कंपनी के शेयर ने पहले दिन ही अपने आईपीओ निवेशकों का पैसा डबल कर दिया।

आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 85 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयर एसएमई सेगमेंट के लिए मैक्सिमम परमीसिबल प्रीमियम 90 प्रतिशत के साथ 161.50 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के तुरंत बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने के कारण थोड़ी ही देर में कंपनी के शेयर उछल कर 169.57 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 99.49 प्रतिशत का मुनाफा हो गया है।

फैबटेक टेक्नोलॉजीज क्लीनरूम्स लिमिटेड का 27.74 करोड़ रुपये का आईपीओ 3 से 7 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 740.37 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में 224.50 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन 1,485.52 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 715.05 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के जरिए 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 32.64 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। इस आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने, एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को खरीदने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। फैबटेक टेक्नोलॉजीज क्लीनरूम्स लिमिटेड की आर्थिक स्थिति पर नजर डालें, तो 2021-22 में कंपनी को 3.60 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

न्यूज ब्रीफ

एसईसीआई ने अपनी संचयी आवंटित क्षमता 73 गीगावाट से अधिक बढ़ाई

नई दिल्ली। भारतीय सौर ऊर्जा निगम (एसईसीआई) ने दिसंबर में अपनी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए संचयी आवंटित क्षमता को 73 गीगावाट से अधिक बढ़ा दिया है। जानकारी के अनुसार अक्षय ऊर्जा कार्यान्वयन एजेंसी (आरईआईए) ने इस प्रगति की सराहना की और बताया कि एसईसीआई जलवायु लक्ष्यों को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। एसईसीआई के रूप में एक अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम की भूमिका के बारे में एक बयान में कहा गया कि यह भारत में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के विकास और विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान देता है। उसने भी सुनिश्चित किया कि इसकी संचयी ऊर्जा उत्पादन क्षमता 31 दिसंबर 2024 तक 73 गीगावाट से अधिक हो गई है। साथ ही एसईसीआई ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन के तहत अपने प्रदर्शन के लिए उत्कृष्ट रेटिंग हासिल की है। इसके परिणामस्वरूप उसे 100 में से 96 अंक प्राप्त हुए हैं। वित्त मंत्रालय द्वारा 30 अगस्त 2024 को एसईसीआई को नवरत्न का दर्जा भी प्रदान किया गया था।

वित्त वर्ष 2024-25 में पूंजी बाजारों से जुटाई गई राशि में वृद्धि की उम्मीदः बुच

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच ने एक और बड़ी घोषणा की है, जिसके अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में पूंजी बाजारों से जुटाई जाने वाली राशि में लगभग 21 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है। इसका अनुमानित मुख्य कारण है शेयर और ऋण साधनों के माध्यम से जुटाई जा रही धनराशि में वृद्धि। चेयरपर्सन ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 के पिछले नौ महीनों में व्यापारिक संस्थाओं द्वारा शेयर से 3.3 लाख करोड़ रुपये तथा ऋण बाजारों से 7.3 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए हैं, जिससे कुल जुटाई गई राशि 10.7 लाख करोड़ रुपये हो गई है। इसके साथ ही रियल एस्टेट निवेश ट्रस्टों, बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्टों और म्युनिसिपल बॉण्डों के द्वारा जुटाई गई धनराशि में भी वृद्धि की उम्मीद है। बुच ने उम्मीद जताई कि इस धनराशि में भविष्य में और भी वृद्धि हो सकती है। सेबी प्रमुख ने इस संदेश को दिया कि नियामक म्यूचुअल फंडों के नए प्रस्तावों को तेजी से मंजूरी दे रहा है और जल्द ही 250 रुपये की न्यूनतम राशि के साथ व्यवस्थित निवेश योजनाएं भी शुरू की जाएंगी। इससे स्पष्ट है कि भारतीय वित्तीय बाजारों में सत्ता और सुविधा की वृद्धि के साथ ही सेबी ने वित्त वर्ष 2024-25 में नये उत्थान के लिए एक बहुत ही उत्साही रूप से नकारात्मकीकरण की ओर कदम बढ़ाने का अभिप्रेरणा प्रदान किया है।

बेहतर परिणाम के लिए असाधारण प्रयास जरूरीः एलएंडटी

नई दिल्ली। एलएंडटी (लार्सन एंड टूब्रो) के चेयरमैन एसएन सुब्रमण्यन ने हाल ही में काम के घंटों पर की गई टिप्पणी के बाद काफी चर्चा में आए हैं। उन्होंने कर्मचारियों से 90 घंटे सप्ताह में काम करने की अपील की थी, जिसे कंपनी ने जारी बयान के माध्यम से समर्थन दिया है। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया और बहुत से यूजर्स ने इसे गलत बताया। चेयरमैन सुब्रमण्यन ने कहा कि भारत के विकास में सहायता के लिए असाधारण प्रयास की जरूरत है। उन्होंने यहां तक कहा कि उन्हें अपने कर्मचारियों के साथ असाधारण संबंध बनाने की जरूरत है ताकि कंपनी अपने उद्देश्यों को हासिल कर सके। जबकि सबसे पहले इस वीडियो को रेडिट पर शेयर किया गया था, लेकिन इसके बाद यह वायरल हो गया। चेयरमैन की इस टिप्पणी पर सोशल मीडिया पर गहरी विवादिता पर के साथ-साथ आलोचनाएं भी थीं। इसी के साथ पिछले साल इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति ने भी भारतीय युवाओं को सप्ताह में 70 घंटे काम करने की सलाह दी थी।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट निवेशकों ने गंवाए 5.70 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली,10 जनवरी (एजेंसियां)।

घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे कारोबारी दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलते ही लिवाल और बिकवाल एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश में लग गए, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल भी लगातार ऊपर नीचे होती रही। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.31 प्रतिशत और निफ्टी 0.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

दिन भर के कारोबार के बाद आईटी और टेक सेक्टर के अलावा बाकी सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। बैंकिंग, फार्मास्यूटिकल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक दबाव बना रहा। इसी तरह एनर्जी, मेटल और ऑटोमोबाइल इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, आईटी इंडेक्स 3.44 प्रतिशत और टेक इंडेक्स 2.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पौने छह लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 429.79 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 435.49 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 5.70 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,078 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 829 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,162 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 87 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,518 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 401 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,117 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 8 शेयर बढ़त के साथ और 22 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 14 शेयर हरे निशान में और 36 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 62.38 अंक की मामूली बढ़त के साथ 77,682.59 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल भी लगातार ऊपर-नीचे होती रही। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 299.49 अंक की तेजी के साथ 77,919.70 अंक तक पहुंचा। वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर ये सूचकांक 520.60 अंक की गिरावट के साथ 77,099.55 अंक तक लुढ़क गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 241.30 अंक टूट कर 77,378.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 25.40 अंक की तेजी के साथ 23,551.90 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की होड़ शुरू हो गई, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में लगातार उतार चढ़ाव होता रहा। खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी 70.10 अंक की मजबूती के साथ 23,596.60 अंक तक पहुंचा। दूसरी ओर, बिकवाली का दबाव बनने पर इस सूचकांक ने 182.15 अंक की कमजोरी के साथ 23,344.35 अंक तक गोता भी लगा दिया। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद निफ्टी ने 95 अंक लुढ़क कर 23,431.50 अंक के स्तर पर के कारोबार का अंत किया। पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टीसीएस 5.62 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 3.82 प्रतिशत, एचसीएल टेक्नोलॉजी 3.12 प्रतिशत, विप्रो 2.82 प्रतिशत और इंफोसिस 2.59 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, श्रीराम फाइनेंस 5.33 प्रतिशत, इंडसइंड बैंक 4.41 प्रतिशत, अडाणी एंटरप्राइजेज 4.18 प्रतिशत, एनटीपीसी 3.78 प्रतिशत और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स 3.64 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

उपकरण उद्योग ने पीएलआई के दूसरे चरण, कर युक्तिकरण की मांग की

नई दिल्ली,10 जनवरी (एजेंसियां)।

उपकरण एवं उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग ने सरकार से कंप्रेसर तथा मोटर जैसे उच्च मूल्य वाले घटकों के लिए प्रोत्साहन योजना को बढ़ावा देने का दूसरा चरण चालू करने की मांग की है। उद्योग निकाय कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड अप्लायंसेज मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (सीईएएमएए) ने भी आयात पर शुल्क में कटौती की मांग की है, जिससे उत्पादों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद मिलेगी। सीईएएमएए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि करों में कटौती करने की आवश्यकता है ताकि उत्पादक संगठन प्रतिस्पर्धी बन सकें। उन्होंने प्लग एंड प्ले सुविधाओं के बड़े केंद्रों की स्थापना पर भी ध्यान देने का सुझाव दिया। अधिकारी ने बताया कि सरकार की पीएलआई योजना ने उत्कृष्टता के केंद्र बनाने में मदद की है और निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने में सहायक है। इस उद्यम में पिछले वर्षों मूल्य संवर्धन अच्छे प्रदर्शन का गवाह रहा है और उन्होंने दावा किया कि यह अभी और भी बढ़ने की संभावना है।

सीईएएमएए ने भी की आयात पर शुल्क में कटौती की मांग

जेएसडब्ल्यू स्टील का कच्चा इस्पात उत्पादन 2.3 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू स्टील ने अपने कच्चा इस्पात उत्पादन में बढ़ोतरी दर्ज की है, जिसके परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में उत्पादन 2.3 प्रतिशत बढ़कर 70.3 लाख टन पहुंच गया है। कंपनी ने बीएसई को दी जानकारी में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में इस्पात उत्पादन 68.7 लाख टन था। पूर्व परीक्षण के अलावा भारतीय परिचालन में क्षमता उपयोग 91 प्रतिशत रहा। कंपनी ने बताया कि अक्टूबर में एक ब्लास्ट फर्नेस में अस्थिरता के कारण तिमाही में उत्पादन और क्षमता उपयोग प्रभावित हुआ, लेकिन सामान्य परिचालन नवंबर के पहले सप्ताह में पुनर्संचालित हो गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सौ करोड़ के...

माना जा रहा है कि इस केस में आलोक मेहता की सीधी भूमिका है, इसलिए इससे जुड़े दस्तावेजों की जांच के लिए देशभर में उनसे संबंधित हर स्थान पर एक साथ ईडी की टीम पहुंची।

ईडी की टीम आलोक मेहता के 16 ठिकानों पर छापेमारी कर रही है तो कुछ पुराने मामले फिर से चर्चा में आ गए हैं। बैंक घोटाला भी इसी से जुड़ा मामला था। भारतीय रिजर्व बैंक से रजिस्टर्ड एक कोऑपरेटिव बैंक में करीब 100 करोड़ का घोटाला हो गया था। हजारों निवेशकों के करीब 100 करोड़ की रकम गायब हो गए थे। वह भी फर्जीवाड़ा कर। बड़ी बात यह थी इस 100 करोड़ के घोटाले में बिहार सरकार के एक पूर्व मंत्री और लालू परिवार के करीबी राजद विधायक आलोक मेहता की भी भूमिका सामने आई थी।

करीब 35 साल से बैंकिंग कारोबार कर रहे इस बैंक पर जून 2023 में ठझख ने रोक लगा दी थी और इसके वित्तीय कारोबार रोक दिए गए। ठझख की शुरूआती जांच में करीब पांच करोड़ के गबन का आरोप लगा। जांच शुरू हुई तो जांच शुरू हुई तो घोटाले की राशि 100 करोड़ तक जा पहुंची। खुलासा हुआ कि लिच्छवि कोल्ड स्टोरेज प्राइवेट डींव और महुआ कोऑपरेटिव कोल्ड स्टोरेज नाम की दो कंपनियों ने बैंक के करीब 60 करोड़ का गबन किया है। इन दो कंपनियों ने अपनी गारंटी पर करोड़ों के लोन की निकासी की थी। फर्जी कागजातों के सहारे किसानों के नाम पर इस कॉ-ऑपरेटिव बैंक ने करोड़ों रुपए के लोन बांट दिए।

खुलासा ये भी हुआ कि इस कोऑपरेटिव बैंक प्रबंधन ने फर्जी एलआईसी बांड और फर्जी पहचान पत्र वाले लोगो के नाम 30 करोड़ से ज्यादा रकम की निकासी कर ली है। लेकिन इस पूरे घोटाले के पीछे विधायक आलोक मेहता की भूमिका संदिग्ध नजर आ रही थी। इस कोऑपरेटिव बैंक और फर्जी लोन की निकासी करने वाले दोनों कंपनियों से पूर्व मंत्री आलोक मेहता और उनके परिवार से सीधा सीधा कनेक्शन सामने आया। इसके बाद बैंक के फर्जीवाड़े के शिकार खाताधारकों ने अब मंत्री आलोक मेहता के खिलाफ मोर्चा भी खोल दिया। आरोप लगाया जा रहा है कि करीब 100 करोड़ के इस घोटाले की स्क्रिप्ट कई साल पहले तैयार कर ली गई थी। इस घोटाले की शुरुआत विधायक आलोक मेहता के बैंक के अध्यक्ष रहते हो चुकी थी। बैंक का प्रबंधन शुरू से मंत्री परिवार के पास रहा और घोटाले की राशि में से बड़ी रकम जिन कंपनियों में ट्रांसफर की गई वो भी मंत्री आलोक मेहता के परिवार से जुड़ा है।

आरोप लगाया जा रहा है कि घोटाले के छींटों से बचने के लिए मंत्री जी ने कुछ समय पहले खुद को बैंक के प्रबंधन और इन कंपनियों से से खुद को अलग कर लिया था। लेकिन, बैंक और इन कंपनियों को आज भी मंत्री जी के रिश्तेदारों द्वारा चलाया जाना और घोटाले के सामने आने के बाद मंत्री आलोक मेहता पर सवाल उठने लगा है। मंत्री परिवार के इस बैंक के फर्जीवाड़े के शिकार लोग अब हंगामा कर रहे हैं। जिंदगी भर की जमा पूंजी गंवाने वाले खाताधारकों ने जब विधायक आलोक मेहता के के भतीजे संजीव को घेरा था तो उसने इस पूरे घोटाले का काला चिट्ठा खोला था और इस पूरे घोटाले के पीछे अपने चाचा यानी आलोक मेहता का हाथ बता दिया था।

बताया जा रहा है कि अपने बड़े रसूख के दम पर मंत्री आलोक मेहता के पिता तुलसीदास मेहता ने करीब 35 साल पहले हाजीपुर में वैशाली शहरी कोऑपरेटिव बैंक की शुरुआत की थी। कुछ समय में बैंक में ग्राहकों की भीड़ लगने लगी। साल 1996 में इस बैंक को ठझख का लाइसेंस भी मिल गया। पिता की राजनीतिक रसूख के दम पर आलोक मेहता (1995 से ही) बैंक के चेयरमैन बने और लगातार 2012 तक बैंक के प्रबंधन की कमान संभाली। इस बीच 2004 में उजियारपुर से लोकसभा का चुनाव जीत सांसद भी बने, लेकिन आलोक मेहता लगातार बैंक प्रबंधन की कमान संभाले रहे। 2012 में अचानक आलोक मेहता ने अचानक बैंक प्रबंधन का शीर्ष कमान अपने मंत्री पिता तुलसीदास मेहता को सौंप दिया और बैंक से खुद को अलग कर लिया। 2015 में भी इस तरह की गड़बड़ी सामने आई थी जिसमे ठझख ने बैंक के वित्तीय कारोबार को बंद करा दिया था। गड़बड़ियों के आरोप में आलोक मेहता के पिता तुलसीदास मेहता पर कार्रवाई भी हुई। लेकिन, तब भी मामले को सुलझाने के बाद आलोक मेहता के भतीजे संजीव को बैंक की कमान सौप दी गई और संजीव लगातार इस बैंक के चेयरमैन बने रहे।

अब आरोप लगाया जा रहा है 2012 में भी घोटाले के छींटों से बचने के लिए अलोक मेहता ने आनन फानन में बैंक की कमान अपने मंत्री पिता को सौंप खुद को बचा लिया था और आरबीआई की कार्रवाई की गाज उनके पिता तुलसीदास मेहता पर गिरी थी। बैंक एक बार फिर से घोटाले के आरोपों से घिरा है और इस बार 100 करोड़ का घोटाला सामने दिख रहा है। घोटाले के सम्बन्ध में हाजीपुर के नगर थाना में दो अलग अलग एफआईआर दर्ज कराई गई। इसमे बैंक के अधिकारियों को आरोपी बनाया गया है। बैंक का सीईओ और मैनेजर फरार है। पुलिस भी मामले की जांच कर रही है।

पीएम जांच...

इस्तेमाल किया है और एक राजनीतिक पार्टी तथा एक राजनीतिक व्यक्ति को फायदा पहुंचाया है, जो कि शक्तियों का दुरुपयोग और भ्रष्टाचार है। यह शिकायत अक्टूबर, 2024 में दी गई थी, तब डीवाई चंद्रचूड़ मुख्य न्यायाधीश थे। वह नवम्बर 2024 में रिटायर हो गए थे। लोकपाल के चेयरमैन जस्टिस एएन खानविलकर खुद भी सुप्रीम कोर्ट में जज रहे हैं। वह 2016 में सुप्रीम कोर्ट में जज नियुक्त किए गए थे। उनका सुप्रीम कोर्ट में जज के तौर पर कार्यकाल 2022 तक रहा था।

बिहार यूपी...

लेकिन रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठिए इनके रिश्तेदार? अब नहीं चाहिए आप-दा। उल्लेखनीय है कि अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी की सरकार के दौरान बड़े पैमाने पर बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुस्लिम आकर दिल्ली में बसे। उन्हें दिल्ली सरकार बिजली-पानी जैसी मुफ्त सुविधाएं लगातार उपलब्ध करा रही हैं, जिसको लेकर आपा सरकार की बड़े पैमाने पर आलोचना होती है। इन बांग्लादेशी-रोहिंग्याओं के पहचान का काम बड़े पैमाने पर शुरू किया गया है।

कश्मीर की तरह...

इस संबंध में रिपोर्ट मांगी है।संभल में दंगों का पुराना इतिहास रहा है। इन्हीं दंगों के बल पर संभल नगरपालिका क्षेत्र से धीरे-धीरे हिंदुओं को मिटाया गया। देश की स्वतंत्रता के समय संभल नगर पालिका क्षेत्र में हिंदुओं की आबादी 45 प्रतिशत थी जो आज घटकर 15-20 प्रतिशत रह गई है। उस समय मुस्लिम 55 प्रतिशत थे। आज वे बढ़कर 80-85 प्रतिशत हो गए हैं। इन दंगों पर प्रशासन ने एक आंतरिक रिपोर्ट भी तैयार की है। इससे पता चलता है कि 1978 में संभल में सबसे बड़ा दंगा हुआ था। इसी दंगे के बाद खग्गूसराय में रहने वाले करीब 100 हिंदू परिवार इस इलाके को छोड़कर चले गए। हालात इतने बदतर थे कि अधिकतर हिंदुओं ने कपड़ों के पुतले बनाकर बृजघाट पर अपनों का अंतिम संस्कार किया था।

इसी दंगे के दौरान एक हिंदू शिक्षक की बेटी और पत्नी को मंजर शफी ने उठा लिया था। इस दंगे को भड़काने के पीछे भी शफी की बड़ी भूमिका थी। हिंदू शिक्षक की बेटी को बलात्कार के बाद छोड़ा गया। उनकी पत्नी को हिंदुओं ने बचा लिया था। आज इस शिक्षक का परिवार संभल में नहीं रहता है। इंटरनल रिपोर्ट बताती है कि दंगे भड़कने की सूचना मिलने पर बनवारी लाल गोयल प्रभावित इलाके में जाने लगे। उनकी पत्नी और बेटे ने उन्हें रोका। लेकिन वे यह कहते हुए दंगा प्रभावित इलाके में चले गए कि सारे मुस्लिम मेरे मित्र और भाई जैसे हैं। सब मेरे साथ काम करते हैं। मुझे कुछ नहीं होगा। लेकिन बनवारी लाल गोयल को मुस्लिम दंगाइयों ने पकड़ लिया। उनसे कहा कि तुम इन पैरों से पैसे लेने आए हो और उनके पैर काट दिए। फिर कहा कि तुम इन हाथों से पैसे लेने आए हो और हाथ भी काट दिए। इसके बाद गर्दन काट कर उनकी हत्या कर दी गई। इस दौरान मुस्लिम दंगाइयों के सामने बनवारी लाल गिड़गिड़ाते रहे कि मुझे काटो मत, गोली मार दो। पर किसी ने नहीं सुनी। इस घटना को हरद्वारी लाल शर्मा और सुभाष चंद्र रस्तोगी ने अपनी आंखों से देखा था। इस कत्लेआम के दौरान दोनों ने एक ड्रम में छिपकर अपनी जान बचाई थी। हाई स्कूल में पढ़ने वाले हरद्वारी लाल के सगे भाई को भी मुस्लिम दंगाइयों ने चाकू से गोदकर इसी दौरान मार डाला था।

शर्मा और रस्तोगी भी इस कत्लेआम के गवाह थे। इरफान, वाजिद, जाहिद, मंजर, शाहिद, कामिल, अच्छन जैसे नाम आरोपित थे। लेकिन 2010 में यह केस बंद करना पड़ा, क्योंकि गवाह ही हाजिर नहीं हुए। जज ने यह टिप्पणी करते हुए केस बंद किया कि मैं सोच भी नहीं सकता कि इन लोगों (आरोपियों) को फांसी नहीं हो रही है। गवाहों पर किस तरह का दबाव रहा होगा इसे इस बात से समझा जा सकता है कि बनवारी लाल के बेटे विनीत गोयल के कारोबारी साझेदार रहे प्रदीप अग्रवाल के भाई की वसीम ने गोली मारकर हत्या कर दी। साथ ही धमकी दी कि यदि उसके खिलाफ किसी ने एफआईआर करवाई तो उसकी भी हत्या कर दी जाएगी। उसके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं हुआ।

इंटरनल रिपोर्ट के अनुसार बनवारी लाल के परिवार पर डॉक्टर शफीकुर्रहमान बर्क की ओर से भी दबाव डाला गया था। बर्क संभल से समाजवादी पार्टी से सांसद रहे हैं। फिलहाल उनके पोते जियाउर्रहमान बर्क इस सीट से सपा के सांसद हैं। जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान हुई हिंसा में जियाउर्रहमान बर्क के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया है। 1995 के आसपास बनवारी लाल गोयल के परिवार ने संभल ही छोड़ दिया।हाल में इन दंगों की चर्चा शुरू होने के बाद बनवारी लाल गोयल के बेटे विनीत गोयल वापस संभल लौटे थे। उन्होंने बताया था कि उनके पिता समेत अन्य हिंदुओं को हत्या के बाद इस तरह फूंक दिया गया था कि उनकी अस्थियां तक नहीं मिल सकी। दंगे के एक माह के बाद उन्होंने फूल-पत्तों पर आटा लपेट कर उनका सांकेतिक दाह संस्कार किया था। 29 मार्च 1978 का काला दिन आज भी पीड़ितों के मन में खौफ के रूप में जीवित है। शहर के हर कोने में मार-काट, आगजनी, और लूटपाट का भयानक मंजर था। विशेष रूप से हिंदू समुदाय के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया।

फायरिंग और हथियारों का तांडव दंगाइयों ने सड़कों पर हथियारों के साथ उत्पात मचाया। चाकू, लोहे के सरिये, लाठियां और बंदूकें हर जगह मौत का सामान बन चुकी थीं। निर्दोष लोगों को बेरहमी से मारा गया। किसी के सिर काट दिए गए, तो किसी के हाथ-पैर। कुछ लोगों को मिट्टी का तेल और पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया गया। व्यापार और घरों को लगी आग दंगाइयों ने हिंदुओं की दुकानों और फैक्ट्रियों में आग लगा दी। विनीत गोयल, जिनकी फैक्ट्री में मजदूरों को बेरहमी से मारा गया, बताते हैं, दंगाइयों ने हमारी फैक्ट्री पर हमला किया। मजदूरों को काट डाला। मेरे पिता की हत्या कर उनके शव को टायर से जला दिया। अनिल रस्तोगी ने बताया, दंगाइयों ने हमारी दुकान को आग के हवाले कर दिया। असुरक्षा के माहौल में मकान बेचना पड़ा। दंगे के बाद शहर का माहौल पूरी तरह से बदल चुका था। कई परिवारों ने डर के मारे अपने घर और दुकानें औने-पौने दामों में बेच दी और पलायन कर गए। विष्णु शरण रस्तोगी कहते हैं, दंगे के दौरान घर से बाहर निकलना मौत को दावत देने जैसा था। डर के मारे हिंदू समुदाय ने संभल छोड़ने का फैसला किया।

इस सांप्रदायिक दंगे की जड़ें महात्मा गांधी मेमोरियल डिग्री कॉलेज के प्रबंधन समिति विवाद में थीं। कॉलेज की आजीवन सदस्यता के लिए ट्रक यूनियन के नाम से 10,000 रुपए का चेक भेजा गया था, जो मंजर शफी के नाम पर था। लेकिन, ट्रक यूनियन ने मंजर शफी को अधिकृत करने से मना कर दिया। कॉलेज प्रशासन ने मंजर शफी को मान्यता नहीं दी, जिससे तनाव बढ़ा। यही तनाव सांप्रदायिक हिंसा में तब्दील हो गया। मंजर शफी पर दंगे की अगुवाई का आरोप है। 29 मार्च से लेकर 20 मई तक शहर में कर्फ्यू लगा रहा। पीड़ितों ने आरोप लगाया कि हिंदू समुदाय की सम्पत्तियों को वक्फ बोर्ड में शामिल कर लिया गया। यह भी दावा किया गया कि इस सम्पत्ति हड़पने के पीछे बड़ा फर्जीवाड़ा हो सकता है। कई पीड़ित आज भी न्याय के इंतजार में हैं।

विवादित मस्जिदें ...

इसको लेकर लिखा हुआ है और संभल भी उसी में है। संभल में आजकल जो कुछ देखने को मिल रहा है। वह सब सनातन धर्म से जुड़ा है और इसके प्रमाण प्राप्त हो रहे हैं। भारत में जितने पुराण बने हैं, इन सबकी रचना 3500 वर्ष से 5000 वर्ष में हुआ था। जिस कालखंड में यह रचे गए तब इस धरती पर इस्लाम नहीं था और तब केवल सनातन था। उसमें भी इसका उल्लेख है। जब इस्लाम ही नहीं था तब जामा मस्जिद कहां से आ गई। आइन-ए-अकबरी में इस बात का उल्लेख है कि यहां श्रीहरि विष्णु के मंदिर को तोड़ कर मस्जिद का ढांचा खड़ा किया गया है। यह उनका ग्रन्थ कह रहा है तो उन्हें अपनी गलती माननी चाहिए। ऐसे में सनातन के जो प्रतीक उन्हें शांतिपूर्वक वापस दिया जाना चाहिए।

सीएम योगी ने कहा कि ऐसे प्रतीक वापस दिए जाने पर विवाद नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुस्लिम लीग की मानसिकता से नहीं बल्कि भारतीय विचारधारा से यह देश चलेगा। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि भारत ने हमेशा ही दुनिया से आए बाकी पीड़ित लोगों को शरण दी है। सीएम योगी ने कहा, आइन-ए-अकबरी यह बताता है कि 1526 में संभल और 1528 में अयोध्या में मंदिर तोड़कर ढांचे खड़े किए गए, तो अगर हिंदू इन्हें मांगते हैं तो उसे मान लिया जाना चाहिए, आप प्रमाण देखिए।

सीएम योगी ने काशी, मथुरा और संभल समेत बाकी जिन जगह पर विवाद है, उन्हें मस्जिद कहे जाने पर आपति जताई। उन्होंने कहा, विवादित ढांचों को मस्जिद नहीं कहा जाना चाहिए, जिस दिन हमने यह बोलना बंद कर दिया, उस दिन लोग जाना बंद कर देंगे। इस्लाम में भी यह है कि किसी धर्म को ठेस पहुंचा कर जो मस्जिदनुमा खड़े किए गए ढांचे में की गई इबादत खुदा को मंजूर नहीं होती। इस्लाम में उपासना के लिए कोई ढांचा जरूरी नहीं है। सनातन में है। इस बात पर जिद नहीं की जा सकती। समय है कि नए भारत पर सोचा जाए।

लोहड़ी 13 को मनाई जाएगी

लोहड़ी का पर्व मुख्य तौर पर उत्तर भारत के पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली में बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। यह हर साल 13 जनवरी को मनाया जाता है और इसे सर्दियों के अंत और रबी की फसल की कटाई के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। लोहड़ी का पर्व न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह कृषि समाज की मेहनत, एकता और खुशहाली का भी उत्सव पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार लोहड़ी का त्योहार मकर संक्रांति के एक दिन पहले मनाया जाता है। मकर संक्रांति को सूर्य के मकर राशि में प्रवेश का संकेत माना जाता है, जो नई फसल के और दिन के उजाले के बढ़ने का प्रतीक है। लोहड़ी 13 जनवरी को मनाई जाएगी, जबकि मकर संक्रांति 14 जनवरी को मनाई जाएगी। लोहड़ी खुशियों का त्योहार है। यह त्योहार भगवान सूर्य और अग्नि को समर्पित है। सूर्य और अग्नि को ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत माना जाता है। त्योहार सर्दियों के जाने और बसंत ऋतु के आने का संकेत है। लोहड़ी की रात सबसे ठंडी मानी जाती है। इस त्योहार पर पवित्र अग्नि में फसलों का अंश अर्पित किया जाता है। माना जाता है कि ऐसा करने से फसल देवताओं तक पहुंचती है।

13 जनवरी को लोहड़ी मनाई जाएगी और इस बार मकर सक्रांति 14 जनवरी को मनाई जाएगी। इस दिन रात के समय सभी लोग एक जगह इकट्ठा होते हैं और आग जलाते हैं। हर साल लोहड़ी का त्योहार मकर संक्रांति से एक दिन पहले मनाया जाता है। पंजाबी के लोग इस त्योहार को बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। लोहड़ी के शुभ अवसर पर लोग एक-दूसरे को मिठाइयां भेंट करते हैं और शुभकामनाएं देते हैं। यह पर्व नई फसल आने की खुशी में मनाया जाता है। इस दिन रात के समय सभी लोग एक जगह इकट्ठा हैं और आग जलाते हैं। इस अलाव में गेहूं की बालियां, रेवड़ी, मूंगफली, खील, चिक्की और गुड़ से बनी चीजें अर्पित की जाती हैं। पंजाबियों के लिए यह त्योहार काफी महत्व रखता है। इस त्योहार के दिन पंजाबी गीत और डांस का आनंद लिया जाता है। यह त्योहार मुख्यतः फसल की कटाई के मौके पर मनाया जाता है और रात को लोहड़ी जलाकर सभी रिश्तेदार और परिवार वाले पूजा करते हैं। लोहड़ी से कई लोक और पौराणिक कथाएं भी जुड़ी हुई हैं जिनके कारण यह त्योहार मनाया जाता है। भंगड़े के साथ डांस और आग सेंकते हुए खुशियां का पर्व है लोहड़ी।

पंजाब, हरियाणा और हिमाचल समेत पूरे देश में लोहड़ी की धूम है। इस त्योहार में मूंगफली, रेवड़ी, पॉपकॉर्न और मूंगफली खाने का व लोगों को प्रसाद में देने की विशेष परंपरा है। इससे पहले लोग शाम को सबसे आग में रेवड़ी व मूंगफली डालते हैं। चूंकि लोहड़ी को किसानों का प्रमुख त्योहार माना जाता हे इस ऐसे में फसल मिलने के बाद मनाए जाने वाले पर्व में आग देवता को किसान प्रसन्न करने के लिए लोहड़ी जलाते हैं और उसकी परिक्रम करते हैं। जलती लोहड़ी में गजक रेवड़ी को अर्पित करना बहुत ही शुभ माना जाता है। लोहड़ी में भी होलिका दहन की तरह ही उपलों और लकड़ियों का छोटा ढेर बनाया जाता है। इसके आस पास परिवार के सभी सदस्य खड़े होते हैं और नाच गाकर खुशियां मनाते हैं। महिलाएं अपने छोटे बच्चों को गोद लेकर लोहड़ी की आग को तपाती हैं। माना जाता है इससे बच्चा स्वस्थ रहता है और उसे बुरी नजर नहीं लगती।

हिन्दू पौराणिक शास्त्रों में अग्नि को देवताओं का मुख माना गया है। ऐसे लोहड़ी मनाने वाले किसान मानते कि अग्नि में समर्पित किया गया अन्न का भाग देवताओं तक पहुंचता है। ऐसा करके लोग सूर्य देव व अग्निदेव के प्रति अपनी कृतज्ञता अर्पित करते हैं। पंजाब के लोगों का मानना है कि ऐसा करने से सभी का हक प्राप्त होता है साथ धरती माता अच्छी फसल देती किसी को अन्न की कमी नहीं होती। पंजाब में इस त्योहार को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। खास की शादी के बाद जिसकी पहली लोहड़ी है उसे अपने घर में रहकर लोहड़ी मनाना और बुजुर्गों का आशीर्वाद लेना महत्वपूर्ण माना जाता है।

कौन था दुल्ला भट्टी

दुल्ला भट्टी मुग़ल शासक अकबर के समय में पंजाब में रहता था। उसे पंजाब के नायक की उपाधि से सम्मानित किया गया था क्योंकि पहले बड़े और अमीर व्यापारी लड़कियां खरीदते थे। तब इस वीर ने लड़कियों को छुड़वाया और उनकी शादी भी करवाई। तरह महिलाओं का सम्मान करने वाले वीर को लोहड़ी पर याद किया जाता है। दुल्ला भट्टी अत्याचारी अमीरों को लूटकर, निर्धनों में धन बाँट देता था। एक बार उसने एक गाँव की निर्धन कन्या का विवाह स्वयं अपनी बहन के रूप में करवाया था।

किसानों के लिए खास है त्योहार

किसानों के लिए इस त्योहार का खास महत्व होता है। इस त्योहार को वह नई फसल के स्वागत के तौर पर देखते हैं। लोहड़ी का त्योहार सर्दियों के जाने और बसंत के आने के संकेत के तौर पर भी देखा जाता इस त्योहार पर लोग रात के वक्त अलाव जलाकर उसके चारों ओर परिक्रमा करते हुए नृत्य करते हैं। इस अलाव में गेहूं की बाली और मक्का भी डाली जाती है। पंजाबियों के लिए इस त्योहार का धार्मिक महत्व भी बहुत खास होता है।

लोहड़ी की परंपरा

पंजाब में लोहड़ी को तिलोड़ी भी कहा जाता है। ये शब्द तिल और रोड़ी से मिलकर बना है। रोड़ी, गुड़ और रोटी से मिलकर बना पकवान है। लोहड़ी के दिन तिल और गुड़ खाने और आपस में बांटने की परंपरा है। ये त्योहार दुल्ला भट्टी माता सती की कहानी से जुड़ा है। मान्यता है इस दिन ही प्रजापति दक्ष के यज्ञ में माता सती ने आत्मदाह किया था। इसके साथ ही इस दिन लोक नायक दुल्ला भट्टी, जिन्होंने मुगलों के आतंक से सिख युवतियों की लाज बचाई थी। उनकी याद में आज भी लोहड़ी पर्व मनाया जाता है।लोग मिल जुल कर लोक गीत गाते हैं और ढोलताशे बजाए जाते हैं।

कैसे मनाते हैं लोहड़ी

लोहड़ी का पर्व पौष माह की आखिरी रात को धूम-धाम से मनाया जाता है। लोहड़ी का पर्व शीत ऋतु समाप्ति और बसंत के आगमन के उपलक्ष में मनाया जाता है।

इस दिन लोग खेत-खलिहानों में एकठ्ठा हो कर एक साथ लोहड़ी का पर्व मनाते हैं। इस दिन शाम के समय लोंग आग जला कर उसके चारों ओर नाच गा कर लोहड़ी का पर्व मनाते हैं। इस आग में मूंगफली, खील, मक्की के दाने डाले जाने की परंपरा है। इसके साथ ही घरों में तरह-तरह के पकवान भी बनाए जाते हैं। लोग एक दूसरे के साथ मिलकर नाचते गाते हैं, खुशियां मनाते हैं।

पहली लोहड़ी का जश्न

ऐसा जाता है कि जिस घर में नई शादी हुई हो, शादी की पहली वर्षगांठ हो या संतान का जन्म हुआ हो, वहां तो लोहड़ी बड़े ही जोरदार तरीके स मनाई जाती है। लोहड़ी के दिन कुंवारी लड़कियां रंग-बिरंगे नए-नए कपड़े पहनकर घर-घर जाकर लोहड़ी मांगती हैं। माना जाता है पौष में सर्दी से बचने के लिए लोग आग जलाकर सुकून पाते हैं और लोहड़ी के गाने भी गाते हैं। इसमें बच्चे, बूढ़े सभी स्वर में स्वर और ताल में ताल मिलाकर नाचने लगते हैं। साथ ही ढोल की थाप के साथ गिद्दा और भांगड़ा भी किया जाता है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

महाकुंभ का मुख्य आकर्षण है यह अक्षय वट

इस बार महाकुंभ का आयोजन प्रयागराज में हो रहा है। महाकुंभ के साथ-साथ प्रयागराज में संगम के किनारे स्थित अक्षय वट भी चर्चा का विषय है। क्योंकि इस वृक्ष से जुड़े कई प्रसंग मिलते हैं, जिन्हें पौराणिक काल से जोड़कर जाना जाता है।

इसलिए खास है अक्षयवट

त्रिवेणी संगम के पास स्थित होने के कारण यह वृक्ष तीर्थयात्रियों और श्रद्धालुओं का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करता है। मान्यता है कि महाकुंभ के दौरान अक्षयवट के दर्शन मात्र से व्यक्ति के पापों का नाश होता और जीवन-मरण के बंधनों से मुक्ति मिल जाती है। इस वक्ष को काफी पवित्र माना जाता है और इसकी परिक्रमा भी की जाती है। महाभारत और अन्य पुराणों में इस वृक्ष को ब्रह्मा, विष्णु और महेश द्वारा संरक्षित बताया गया है, जिस कारण इसे त्रिदेवों की कृपा का स्थान माना जाता है। साथ ही यह भी माना गया है कि इस अक्षय वट की पूजा-अर्चना से साधक को अक्षय पुण्य की प्राप्ति हो सकती है।

मिलती हैं ये कथाएं

अक्षय वट वृक्ष को लेकर प्रचलित कथा के अनुसार, जब अपने वनवास के दौरान भगवान श्रीराम, माता सीता और के साथ प्रयागराज आए, तो उन्होंने इसी वट वृक्ष के नीचे विश्राम किया था। इसी के साथ यह स्थान कई ऋषि-मुनियों का तपस्थल भी रहा है। पौराणिक मान्यता है कि ऋषि मार्कंडेय ने इसी वृक्ष के नीचे तपस्या की थी। इसी के साथ जैन धर्म के अनुयायियों का मानना है कि उनके तीर्थंकर ऋषभदेव ने भी इसी अक्षय वट के नीचे तपस्या की थी, इसलिए इस स्थान को ऋषभदेव तपस्थली या तपोवन के नाम से भी जाना जाता है।

लोक आस्था का केंद्र

प्रयागराज में संगम के किनारे स्थित अक्षय वट को लेकर एक पौराणिक मान्यता और भी है, अनुसार जब सृष्टि के आरंभ में जल प्रलय हुआ, तो समूची पृथ्वी डूब गई थी, लेकिन तब केवल यह वट वृक्ष ही बचा था। तब इसके एक पत्ते पर ईश्वर बाल रूप में रहकर सृष्टि को देखते हैं। इसलिए यह वृक्ष, महाकुंभ के मुख्य आकर्षणों में से एक है, लोक आस्था का केंद्र भी बना हुआ है।

दिशाशूल की दिशा में यात्रा आवश्यक होने पर ऐसे उपाय करें...

आमतौर पर यात्रा में चन्द्रवास के साथ-साथ दिशाशूल भी देखा जाता है। जिस दिशा में दिशाशूल हो उस दिशा में यात्रा बचना चाहिए तथा आवश्यक होने पर दिशाशूल परिहार करके जाना चाहिए। सोमवार और शनिवार को पूर्व दिशा की तरफ यात्रा से बचें। रविवार और शुक्रवार को पश्चिम दिशा की तरफ यात्रा से बचें। मंगलवार और बुधवार को उत्तर दिशा की तरफ यात्रा से बचें। गुरुवार को दक्षिण दिशा की यात्रा करने से बचें। रविवार, गुरुवार और शुक्रवार को दोष रात में प्रभावी नहीं होते हैं। सोमवार, मंगलवार और शनिवार को दोष दिन में प्रभावी नहीं होते हैं। बुधवार को दिशाशूल में यात्रा से बचें। दिशाशूल की दिशा में यात्रा करना आवश्यक हो तो... रविवार को यदि पश्चिम दिशा जाना जरूरी है तो पान या घी खाकर जाएं।

सोमवार को दर्पण देख कर या दूध पीकर घर से यात्रा पर निकलें। मंगलवार को गुड़ खा कर यात्रा करें। बुधवार को धनिया या तिल खाकर यात्रा करें। गुरुवार को दही या जीरा खा कर यात्रा करें। शुक्रवार को जौ या दही पीकर यात्रा करें। शनिवार को अदरक या उड़द खा कर यात्रा करें।

स्नान-दान का पर्व

पौष पूर्णिमा 13 जनवरी को

हिंदू धर्म में पूर्णिमा का खास महत्व है। हर माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि के दिन जगत के पालनहार भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना और व्रत किया जाता मान्यता है कि ऐसा करने से साधक को सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि पौष मास की पूर्णिमा सोमवार 13 जनवरी को है। इस पर्व का महत्व काफी अधिक है। इस पवित्र नदियों में स्नान और तीर्थ यात्रा करने की परंपरा है। मान्यता है कि पौष पूर्णिमा पर की गई तीर्थ यात्रा से अक्षय पुण्य मिलता है और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। हिंदू धर्म में पौष पूर्णिमा का धार्मिक और आध्यात्मिक रूप से विशेष महत्व है। यह पौष के शुक्ल पक्ष में पूर्णिमा तिथि के दिन पड़ती है। हिंदू पंचांग के अनुसार इस दिन चंद्रमा पूर्ण रूप से अपनी ज्योति बिखेरता है। यही वजह है कि इस दिन भक्त धार्मिक अनुष्ठानों और स्नान-दान के लिए शुभ मानते हैं।

पौष पूर्णिमा शुभ योग

अगले साल पौष पूर्णिमा पर रवि योग और भद्रावास योग का संयोग बन रहा है। इन योग में भगवान विष्णु की पूजा करने से घर में सुख, समृद्धि एवं खुशहाली आएगी। साथ ही जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के दुख एवं संकट दूर हो जाएंगे। रवि योग को शुभ मानते हैं।

पौष पूर्णिमा शुभ मुहूर्त

पौष माह की पूर्णिमा तिथि का आरंभ 13 जनवरी को सुबह 05:03 मिनट पर हो रहा है। वहीं, इस तिथि का समापन 14 जनवरी को प्रातः 03:56 मिनट पर ऐसे में पौष पूर्णिमा सोमवार 13 जनवरी को मनाई जाएगी।

पूर्णिमा व्रत की पूजा विधि

पौष पूर्णिमा दिन सुबह सूर्योदय से पहले उठकर स्नान आदि कर लें। यदि संभव हो तो किसी पवित्र नदी में स्नान कर सकते हैं, घर पर ही सामान्य जल में गंगाजल मिलाकर स्नान कर लें। इसके बाद सूर्य देव को जल अर्पित करें और ॐ घृणिः सूर्याय नमः मंभ का जप करें।

इसके बाद एक चौकी पर साफ-सुथरा लाल कपड़ा बिछाकर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित करें। इसके बाद पूजा धूप, दीप नैवेद्य आदि अर्पित करें। शाम के समय पूजा के दौरान अपने समक्ष पानी का कलश रखें। विष्णु जी को पंचामृत, केला और पंजीरी का भोग अर्पित करें। इसके बाद पंडित को बुलाकर सत्यनारायण की कथा करवाएं और आसपास के लोगों को भी आमंत्रित करें। पूजा के बाद और अन्य लोगों में प्रसाद बांटे और दान-दक्षिणा दें।

महाकुंभ का आरंभ

13 जनवरी यानी पौष पूर्णिमा के दिन से साल 2025 में प्रयागराज में महाकुंभ का आरंभ हो रहा है, जिसका समापन 25 फरवरी 2025 को होगा। बता कि हर 12 साल में महाकुंभ का आयोजन किया जाता है।

धार्मिक महत्व

पौष पूर्णिमा के दिन काशी, प्रयागराज और हरिद्वार में शाही स्नान किया जाता है। इसी के साथ इस दिन सूर्यदेव को जल अर्पित किया जाता है। मान्यताओं के अनुसार, पौष पूर्णिमा पर सूर्य और चंद्रमा दोनों की पूजा की जाती है। ऐसा करने से व्यक्ति को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। साथ ही इस बार पौष पूर्णिमा से यानी 13 जनवरी से प्रयागराज में महाकुंभ मेला शुरु होने जा रहा है।

करें ये काम

पौष पूर्णिमा के सुबह सूर्योदय से पहले उठकर स्नान कर लें। यदि आप किसी पवित्र नदी में जाकर स्नान कर सकते हैं तो उत्तम है। वरना आप घर पर ही गंगाजल पानी में डालकर स्नान कर लें। फिर व्रत का लेकर सूर्यदेव को अर्घ्य दें। इसके बाद एक लकड़ी की चौकी पर पीले रंग के वस्त्र बिछाकर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित करें। इसके बाद पूजा में धूप, दीप नैवेद्य आदि अर्पित करें और अंत में पूर्णिमा की कथा पढ़ें।

धार्मिक अनुष्ठान: इस शुभ अवसर पर स्नान, दान-पुण्य और व्रत करने से विशेष फल मिलता है।

स्नान-दान: ऐसा माना जाता है कि पौष पूर्णिमा पर पवित्र नदियों में स्नान करने से सभी पापों का नाश होता है और पुण्यफल की प्राप्ति होती है।

माघ मास की शुरुआत: पौष पूर्णिमा के बाद माघ मास का आरंभ है, जो स्नान और तप के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है।सत्यनारायण व्रत कथा: इस दिन सत्यनारायण भगवान की पूजा और कथा सुनने से घर में सुख-शांति और समृद्धि आती है।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

मुमताज ने तोड़ा था शम्मी कपूर का दिल, एक शर्त की वजह से ठुकरा दिया था शादी का प्रस्ताव!

बड़ी-बड़ी आंखें, चेहरे पर गजब का तेज, गरजती आवाज और गंभीर किरदार से बॉलीवुड पर अपनी अमिट छाप छोड़ने वाले एक्टर शम्मी कपूर एक मस्तमौला इंसान 100 से ज्यादा फिल्मों में काम करने वाले महान एक्टर को रोमांटिक फिल्मों के बेताज बादशाह के रुप में जाना जाता था। लड़कियां उनकी एक झलक पाने के लिए मरमिटने को तैयार रहती थीं, लेकिन शम्मी कपूर का दिल तो किसी खास के लिए धड़कता है। हालांकि जब उन्होंने लड़की के सामने शादी का प्रपोजल रखा तो उनका दिल टूट गया, क्योंकि उस लड़की ने विवाह करने से इनकार कर दिया।

'याहू बॉय' के दिल में बसती थी ये एक्ट्रेस

हजारों लड़कियों के दिलों में बसने वाले 'याहू बॉय' के दिल में कोई और नहीं बल्कि एक्ट्रेस मुमताज ने जगह बना ली थीं। वह भी उन्हें प्यार करती थीं, लेकिन जब शम्मी कपूर ने

एक्ट्रेस के सामने शादी का प्रस्ताव रखा तो उन्होंने उसे ठुकरा दिया। दरअसल, इसके पीछे शम्मी कपूर की एक ऐसी शर्त थी, जो मुमताज को नगवार गुजरी तो, एक्ट्रेस ने याहू बॉय का दिल किस शर्त की वजह से तोड़ा था, जिसका खुलासा खुद उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान किया था।

आपको बता दें कि साल 2011 में दिए गए एक में मुमताज ने शम्मी कपूर के बारे में बात करते हुए बताया था कि, 'ब्रह्मचारी फिल्म क शूटिंग के समय शम्मी कपूर ने उन्हें सादी का प्रस्ताव दिया था। लेकिन उन्होंने उस प्रपोजल को ठुकरा दिया था।' एस्ट्रेस ने इसके पीछे की वजह बताते कहा, 'दरअसल, कपूर चाहते थे कि वह अपना करियर छोड़ दें। क्योंकि उन दिनों कपूर परिवार की महिलाएं काम नहीं करती थीं। शम्मी को अपने परिवार की इच्छाओं का सम्मान करना था और मुझे अपने करियर का।'

एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'मैं और क्या कर सकती थी? मुझे अपना परिवार भी देखना था, हालांकि स्ट्रगल के दौरान भी मुझे 8 लाख रुपए मिलते थे, मैं अपने समय की सबसे कम फीस पाने वाली एक्ट्रेस थी।' मुमताज के इस फैसले से शम्मी का दिल टूट और उन्होंने फैसला किया कि वह कभी किसी एक्ट्रेस से शादी नहीं करेंगे और अपने इसी फैसले की वजह से उन्होंने साल 1974 में नीला देवी से शादी कर ली।

शिवांगी और कुशाल ने चोरी-छिपे रचाई शादी?

शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन टीवी के उन कपल्स में से एक हैं जो अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में बात करना पसंद नहीं करते। अब तक भी शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन ने खुलकर अपने रिश्ते के बारे में बात नहीं की है। इसी बीच शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन की कुछ तस्वीरों ने हंगामा मचा दिया है। सोशल मीडिया पर शिवांगी और कुशाल टंडन की शादी की तस्वीरें वायरल हो रह हैं। इन तस्वीरों को देखकर फैंस के होश उड़ गई हैं। लोग कयास लगा रहे हैं कि शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन ने बिना किसी को बताए शादी कर ली है। आपको जानकर हैरानी होगी कि शिवांगी जोशी और टंडन की शादी की तस्वीरें असली नहीं हैं। बल्कि फैंस ने शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन की शादी की तस्वीरें AI से बनाई हैं।

इन तस्वीरों में शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन शादी की अलग अलग रस्में निभाते नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों को देखकर फैंस के बीच मच गई है। शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन को लोग शादी की बधाई दे रहे हैं। इस तस्वीर में शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन सगाई करते नजर आ रहे हैं। शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन के हाथ की अंगूठी तो देखते ही बन रही है। शिवांगी जोशी, कुशाल टंडन देखकर शर्मा गई हैं। हल्दी की रस्म के साथ साथ शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन के फैंस ने उनकी हल्दी की रस्म भी निभा डाली है। शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन का येलो लुक कमाल लग रहा है। फैंस ने तो शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन की मेहंदी की का भी आयोजन कर डाला है। इस तस्वीर में शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन अपने हाथों पर मेहंदी लगाए नजर आ रहे हैं। कहना गलत नहीं होगा कि शादी की तस्वीरों में शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन एक साथ कमाल लग रहे हैं। अब तो लोग सच में शिवांगी और कुशाल टंडन की शादी का इंतजार करने लगे हैं। इस तस्वीर में शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन एक दूसरे को वरमाला पहनाते नजर आ रहे हैं। शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन का शादी का जोड़ा देखने लायक है।

नेगेटिव किरदार नए प्रयोग करने की स्वतंत्रता देते हैं : रेवा कौरसे

टीवी शो में अलीशा का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री रेवा कौरसे ने बताया कि नकारात्मक भूमिकाएं आपको प्रयोग करने की स्वतंत्रता देती हैं, जो आमतौर पर सकारात्मक किरदारों में नहीं होती।रेवा ने कहा, एक कलाकार के तौर पर अलीशा का किरदार निभाना मेरे लिए एक रोमांचक अनुभव रहा है। वह कई वाली एक जटिल भूमिका है और उसके डार्क पक्ष को तलाशना चुनौतीपूर्ण और फायदेमंद दोनों रहा।अभिनेत्री ने कहा, नकारात्मक भूमिकाएं आपको भावनाओं के साथ प्रयोग करने की स्वतंत्रता देती हैं, जो आमतौर पर सकारात्मक किरदारों में नहीं होती।बता दें, दीवानियत की मौजूदा कहानी में रेवा अलीशा का किरदार निभा रही हैं। धारावाहिक को काफी पसंद किया जा रहा है। कई ट्विस्ट कहानी में आ रहे हैं। ताजा एपिसोड में अलीशा का देव (मुख्य किरदार) के प्रति जुनून हताशा में बदलता दिख रहा है। देव और मन्नत के बीच के बंधन को स्वीकार करने में असमर्थ अलीशा देव का प्यार की चाह में जोड़े के बीच दरार पैदा करने की ठान लेती है।अभिनेत्री ने अपने किरदार अलीशा को दिलचस्प बताया।अभिनेत्री ने कहा, मैंने अलीशा के किरदार के साथ बहुत कुछ सीखा है और इससे एक कलाकार के रूप में मेरे में काफी निखार आया। मैं दर्शकों की जबरदस्त प्रतिक्रिया लिए आभारी हूं और उम्मीद करती हूं कि कहानी के आगे बढ़ने के साथ-साथ वे शो को समर्थन देते रहेंगे। देव के प्रति अलीशा का जुनून एक गहरी भावनात्मक उथल-पुथल से उपजा है और मैं उसकी यात्रा को पूरी ईमानदारी से निभा रही हूं।दीवानियत की कहानी जीत और मन्नत इर्द-गिर्द घूमती है, जिनके बीच प्रेम का रिश्ता है मगर उनके परिवारों के बीच झगड़ा या आपसी मनमुटाव है। दीवानियत का प्रीमियर 11 नवंबर 2024 को स्टार प्लस पर हुआ था। यह डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही है।इस सीरीज में कृतिका सिंह यादव, विजयेंद्र कुमेरिया और नवनीत मुख्य भूमिका में हैं। यह तमिल सीरीज ईरामना रोजवे का हिंदी रीमेक है।रेवा को प्यार का पहला अध्याय शिव शक्ति में निभाए किरदार के लिए भी जाना जाता है।

बॉडीकॉन ड्रेस पहने अमायरा दस्तूर ने बिखेरा हुस्न का जलवा

बॉलीवुड अभिनेत्री अमायरा दस्तूर हमेशा अपने फैशन स्टेटमेंट्स के सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हालांकि फैंस भी उनके हर एक लुक को देखकर अपनी नजरें उन पर से हटाने का नाम नहीं लेते। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की फैंस के बीच शेयर की हैं। इन फोटोज में उनका सेक्सी अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।अमायरा दस्तूर आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंटरनेट पर शेयर करती हैं तो उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने सिंगल डोरी पर टिकी फ्लोरल ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही गॉर्जियस नजर आ रही हैं।खुले बाल, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अमायरा दस्तूर ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।फोटोज में आप देख सकते हैं अमायरा दस्तूर अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक कातिलाना पोज दे रही हैं।अमायरा दस्तूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

दिलजीत दोसांझ का क्या है सीक्रेट?

दिल-लुमिनाटी टूर से दुनियाभर में अपनी छाप छोड़ने वाले पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ अब के सबसे पॉपुलर एक्टर बन चुके हैं। उन्होंने न सिर्फ कई गानों में अपनी सुरीली आवाज का जादू बिखेरा है, बल्कि उन्होंने कई फिल्मों में अपनी अदाकारी का जलवा भी दिखाया है। सिंगर हर मामले में खुलकर अपनी बात रखते हैं, लेकिन दिलजीत को कभी भी अपनी पर्सनल लाइफ बारे में बात करते नहीं देखा गया। यही वजह है कि बहुत कम लोग जानते हैं कि दिलजीत शादीशुदा भी हैं और उनका एक बेटा भी है। तो चलिए दिलजीत दोसांझ की पर्सनल लाइफ से जुड़े कुछ सीक्रेट्स को खोलते हैं।

6 जनवरी 1984 को जालंधर के गांव दोसांझ कलां में में जन्में दिलजीत दोसांझ 41 साल के हो गए हैं। उन्होंने अपनी बेहतरीन गायिकी से पंजाबी इंडस्ट्री में तो खूब धूम मचाई ही थी, लेकिन कुछ सालों बाद उन्होंने बॉलीवुड भी कदम रखा और यहां उन्होंने एक्टिंग में भी किस्मत आजमाई जिसमें वह सफल रहे। वही अब सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ पूरी दुनिया में अपनी खास पहचान बना चुके हैं, लेकिन बहुत कम लोग हैं, जो उनकी पर्सनल लाइफ के बारे में जानते हैं। दिलजीत दोसांझ जहां अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चुप ही रहते हैं, वहीं कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी शादी काफी कम उम्र में इंडियन-अमेरिकन महिला संदीप कौर के साथ हो गई थी। जिससे उनका एक बेटा भी है। 'रेडिट' पर समय पहले एक्टर की शादी की तस्वीरें भी वायरल हुई थी, लेकिन उन्होंने कभी इस बात को स्वीकार नहीं किया कि वह शादीशुदा और एक बच्चे के पिता हैं। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो दिलजीत दोसांझ को 'लक कुड़ी दा' के कारण जान से मारने की धमकी मिली थी, जिसके बाद उन्होंने अपने परिवार की सेफ्टी को देखते हुए पत्नी और बच्चे को अमेरिका भेज दिया। हालांकि वहीं दूसरी कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है, कि दिलजीत और संदीप का साल में तलाक हो गया था और उनके बेटे की कस्टडी पत्नी को मिली है।

आपको बता दें कि साल 2019 में फरीदून शहरयार से बातचीत के दौरान कियारा आडवाणी ने गलती से एक बार खुलासा करते हुए यह कह दिया कि दिलजीत एक बेटे के पिता हैं। हालांकि कि सोशल मीडिया पर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं, लेकिन एक्टर की तरफ से अभी तक इस पर कोई भी बयान सामने नहीं आया है।

शाहरुख ने वेडिंग रिसेप्शन पर गौरी से कर दी थी ये डिमांड...

बी-टॉउन के कई स्टार्स का नाम बेस्ट कपल की लिस्ट में शामिल है, इसमें सबसे पहला नाम बॉलीवुड के किंग खान यानी शाहरुख खान और गौरी खान का आता है। इन दोनों ने धर्म की दीवार को तोड़कर एक दूसरे का साथ सात जन्मों तक निभाने का वादा किया। जो पिछले 33 सालों से बखूबी निभा भी रहे हालांकि एक वक्त ऐसा भी आया था, जब शायद इनके बीच धर्म आ गई थी और उस समय कुछ ऐसा हुआ था कि गौरी के माता-पिता के भी हाथ-पैर सुन्न पड़ गए थे।

यह मामला शाहरुख और गौरी खान की वेडिंग रिसेप्शन पार्टी के दौरान का है। 5 साल की कड़ी मेहनत और परिवार वालों को मनाकर शाहरुख और गौरी ने 25 अक्टूबर, 1991 को शादी कर ली थी। लेकिन जब दोनों की रिसेप्शन पार्टी तब उसमें शाहरुख खान से सबके सामने गौरी से ऐसी कर दी की हर कोई दंग रह गया। जिसके बारे में एक्टर ने खुद फरीदा जलाल के साथ एक इंटरव्यू के दौरान बताया था।

शाहरुख ने बताया था कि, 'शादी के रिसेप्शन में कुछ लोग कह थे कि अब गौरी का नाम बदल दिया जाएगा और वो मुस्लिम बन जाएंगी। इस पर शाहरुख ने गौरी से कहा, 'चलो, बुर्का पहन लो और नमाज पढ़ो।' इसके बाद एक्टर ने गौरी से कहा, 'अब तुम्हारा नाम बदलकर आयशा कर देंगे, तुम नमाज पढ़ोगी और घर से बाहर निकलोगी।' एक्टर की ये बात सुनकर गौरी और उनके परिवार वालों समेत वहां मौजूद सभी लोग दंग रह गए थे।'हालांकि बाद में शाहरुख ने बताया कि उन्होंने छोटा सा प्रैंक किया था। उन्होंने बताया कि, 'उस वक्त रिसेप्शन सिर्फ इसी बात पर चर्चा चल रही थी, इसलिए उन्होंने मैंने माहौल बदलने के लिए गौरी के साथ छोटा सा मजाक किया था।' बता कि शादी के बाद गौरी ने ना तो अपना नाम बदला और ना ही धर्म, लेकिन वह अपने पति का सरनेम अपने नाम के साथ लगाती हैं। उनकी शादी को 33 साल हो चुके हैं, लेकिन उनके बीच का प्यार दिन ब दिन बढ़ता ही जा रहा है।

शाहरुख और गौरी के 3 बच्चे हैं। बड़े बेटे का नाम आर्यन खान है, बेटी का सुहाना खान है और छोटे बेटे का नाम अबराम है। हालांकि यह बात बहुत ही कम लोग जानते होंगे कि किंग खान के छोटे बेटे का जन्म सरोगेसी से हुआ था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे। दूसरों को प्रभावित करने के लिए ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। ज़ाहिर तौर पर रोमांस के लिए पर्याप्त मौक़े हैं– लेकिन ऐसा बहुत कम समय के लिए है। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। आज सोच–समझकर क़दम बढ़ाने की ज़रूरत है– जहाँ दिल की बजाय दिमाग़ का ज़्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। लंबे अरसे के बाद जीवनसाथी के साथ काफ़ी वक़्त गुज़ारने का मौक़ा मिल सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

क़िस्मत के भरोसे न बैठें और अपनी सेहत सुधारने के लिए ख़ुद मेहनत करें, क्योंकि हाथ पर हाथ रखे रहने से कुछ नहीं होने वाला। अब वक़्त आ गया है कि आप अपना वज़न क़ाबू में करें और स्वस्थ रहने के लिए नियमित व्यायाम का सहारा लें। ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और चालाकी–भरी आर्थिक योजनाओं से बचें। बहन की शादी की ख़बर आपके लिए ख़ुशी का सबब लेकर आएगी। हालांकि उससे दूर होने का ख़याल आपको उदास भी कर सकता है। लेकिन आपको भविष्य के बारे में सोचना छोड़ वर्तमान का पूरा आनंद लेना चाहिए। ग़लतफ़हमी या कोई ग़लत संदेश आपका गर्मजोशी भरा दिन ठण्डा कर सकता है। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

अपनी क्षमताओं को पहचानें, क्योंकि आपके अन्दर ताक़त की नहीं बल्कि इच्छा–शक्ति की कमी है। यह बात भली भांति समझ लें कि दुख की घड़ी में आपका संचित धन ही आपके काम आएगा इसलिए आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवनसाथी की मासूमियत आपके दिन को ख़ास बना सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। लोगों के साथ ठीक तरह से पेश आएँ, ख़ास तौर पर उनके साथ जो आपसे प्यार करते हैं और आपका ख़याल रखते हैं। आज अचानक किसी से रोमांटिक मुलाक़ात हो सकती है। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। वैवाहिक जीवन में सब कुछ अच्छा महसूस होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

बहुत ज़्यादा रोमांच और दीवानगी की ऊँचाई आपके तंत्रिका–तंत्र को नुक़सान पहुँचा सकती है। इन दिक़्क़तों से बचने के लिए अपने जज़्बात क़ाबू में रखें। आर्थिक तौर पर सुधार के चलते आप आसानी से काफ़ी वक़्त से लंबित बिल और उधार चुका सकेंगे। ग़लत बातों को ग़लत वक़्त पर कहने से बचें। जिन्हें आप चाहते हैं, उनका दिल दुखाने से बचें। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते रोमांस को दरकिनार होना पड़ सकता है। आपका वर्चस्ववादी स्वभाव आलोचना की वजह बन सकता है। ख़ाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। अपने जीवनसाथी की वजह से आपको मानसिक अशान्ति का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। दिन बहुत लाभदायक नहीं है– इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आप आज प्रेमपूर्ण मनोभाव में होंगे, इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। यह उन कुछ दिनों में से एक है, जब आपकी रचनात्मकता अपने चरम पर होगी। चिट्ठी–पत्री में सावधानी बरतने की ज़रूरत है। आपके आस–पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन किए गए दान–पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। उन्हें महसूस होने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएँ और शिकायत करने का मौक़ा न दें। रोमांटिक मुलाक़ात आपकी ख़ुशी में तड़के का काम करेगी। अपना स्वैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी–मज़ाक़, थोड़ी छेड़–छाड़ आपको किशोरावस्था के दिनों की याद दिला देंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अनचाहे ख़यालों को दिमाग़ पर कब्ज़ा न करने दें। शांत और तनाव–रहित रहने की कोशिश करें, इससे आपकी मानसिक दृढ़ता बढ़ेगी। जल्दबाज़ी में निवेश न करें– अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। अपनी जीवन में एक संगीत पैदा करें । आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। आज के इस ख़ूबसूरत दिन प्रेम–संबंध में आपकी सभी शिकायतें ग़ायब हो जाएंगी। आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि कई मामलों में आपसी असहमति रह सकती है; और इससे आपके रिश्ते कमजोर होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। जीवनसाथी ज़िंदगी में बदलाव लाने में मदद करेगा। ख़ुद को एक ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा इंसान बनाएँ, जो ज़िंदगी की राह अपनी मेहनत और काम से बनता है। साथ ही इस राह में आने वाले गड्ढों और दिक़्क़तों से दिल छोटा न करें। अपने प्रिय की छोटी–मोटी भूल को अनदेखा करें। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। अगर आप छात्र हैं और विदेशों में जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो घर की आर्थिक तंगी आज आपके माथे पर शिकन ला सकती है। मुमकिन है कि आप अपने घर में या उसके आस–पास आज कुछ बड़े बदलाव करें। आज आपकी कोई बुरी आदत आपके प्रेमी को बुरी लग सकती है और वो आपसे नाराज़ हो सकते हैं। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। अगर आपका धन से जुड़ा कोई मामला कोर्ट–कचहरी में अटका था तो आज उसमें आपको विजय मिल सकती है और आपको धन लाभ हो सकता है। पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और अपनी योजनाओं के लिए आप पूरे सहयोग की उम्मीद कर सकते हैं। अपने लक्ष्यों का पीछा करने के लिए उम्दा दिन है। अपनी शारीरिक–ऊर्जा का स्तर ऊँचा बनाए रखें, ताकि आप जी–तोड़ मेहनत कर जल्द–से–जल्द उन्हें हासिल कर सकें। इस मामले में आप अपने दोस्तों की मदद भी ले सकते हैं। इससे आपका उत्साह बढ़ेगा और उद्देश्य को पाने में सहायता मिलेगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। मुश्किल दौर में आपकी जिन रिश्तेदारों ने मदद की है, उनके लिए अपनी कृतज्ञता को व्यक्त करें। आपका यह छोटा–सा काम उनके उत्साह को बढ़ाएगा। कृतज्ञता जीवन की सुगंध को फैलाती है और अहसान–फ़रामोशी इसे तार–तार कर देती है। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना–जुलना होगा। वैवाहिक जीवन के मोर्चे पर यह दिन वाक़ई बहुत बढ़िया है।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 11 जनवरी 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : पोष , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी प्रातः 08:24 तक
नक्षत्र : रोहिणी दोपहर 02:30 तक
योग : शुक्ल प्रातः 11:48 तक
करण : बालव प्रातः 08:24 तक
चन्द्रराशि : वृषभ रात्रि 11:56 तक
सूर्योदय : 06:48 , सूर्यास्त 05:59 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:45 , सूर्यास्त 06:10 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:38, सूर्यास्त 06:01 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:38, सूर्यास्त 05:52 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्याम बाबा की बारस , शनि प्रदोष व्रत , शनि रोहिणी
अमृत सिद्धि योग दोपहर 12:30 तक,धनुर्मास चालू है

पांडित्य निलय में सम्पर्क करें
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू ने तिरुमला में पूजा-अर्चना की

तिरुमाला, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने शुक्रवार को अपने परिवार के साथ वैकुंठ एकादशी के पावन अवसर पर भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पूजा–अर्चना की। तत्पश्चात मीडिया से बात करते हुए राज्यपाल ने शांति, आध्यात्मिकता और खुशी की अपनी भावनाओं को साझा करते हुए कहा कि मेरा दिल शांति, आध्यात्मिकता और खुशी से भर गया है।

उन्होंने वैकुंठ द्वार दर्शन के महत्व पर जोर देते हुए कहा, ऐसा माना जाता है कि वैकुंठ एकादशी पर वैकुंठ द्वार दर्शन करने से हमें पुनर्जन्म के चक्र से मुक्त होने और मोक्ष प्राप्त करने में मदद मिलती है। इस विश्वास के कारण, असंख्य भक्त इस दिव्य दर्शन के लिए आते हैं।

छह भक्तों की जान लेने वाली एक दुखद घटना पर दुख व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि यह मुझे बहुत दुखी किया है, क्योंकि यह मानवीय भूल का परिणाम था। मैं प्रशासन और सरकार से भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने और

भक्तों को आश्वस्त करने का आग्रह करता हूं कि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित और अत्यंत महत्वपूर्ण है।

राज्यपाल ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं के संरक्षण का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर मैं सभी से हमारी संस्कृति, परंपराओं और रीति–रिवाजों की अत्यंत श्रद्धा और विश्वास के साथ रक्षा करने की अपील करता हूं। जहां पुरानी पीढ़ियां इन परंपराओं को पूरी लगन से संरक्षित कर रही हैं, वहीं युवा पीढ़ी के लिए इन्हें आगे बढ़ाना महत्वपूर्ण है। प्राचीन ग्रंथों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि रामायण, महाभारत, वेद, गीता और पुराण धर्म, नैतिकता और आचार–विचार के ज्ञान के अमूल्य स्रोत हैं। हालांकि इन ग्रंथों को समझने का सबसे अच्छा तरीका संस्कृत है, लेकिन प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा में सुलभता सुनिश्चित करने के लिए देशी भाषाओं में सरलीकृत अंश पेश किए जा सकते हैं।

राज्यपाल दत्तात्रेय ने नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के कार्यान्वयन पर भी जोर दिया, जो देशी भाषाओं में शिक्षा को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। उन्होंने तेलुगु राज्यों के मुख्यमंत्रियों से एनईपी–2020 को पूरी तरह से लागू करने में सक्रिय कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मैंने भगवान वेंकटेश्वर से प्रार्थना की कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को विकासशील भारत 2047 पहल को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए शक्ति और दूरदर्शिता प्रदान करें।

सरकारी कर्मचारियों के 15 जनवरी तक हो सकेंगे तबादले!

पांच दिन और मियाद बढ़ी

जयपुर,10 जनवरी (एजेंसियां)।

राज्य में सरकारी कर्मचारियों के तबादले अब 15 तक हो सकेंगे। सरकार ने तबादलों से हटी रोक को पांच दिन और बढ़ा दिया है। सरकार ने एक जनवरी को तबादलों से रोक हटाई थी। शिक्षा विभाग में अभी तबादलों पर बैन जारी है।

सभी विभागों में तबादलों की प्रक्रिया चल रही है। कर्मचारी अपना तबादला करवाने के विधायकों, मंत्रियों और सचिवालय तक के चक्कर लगा रहे हैं। इससे पहले 2024 में 10 से 20 फरवरी तक के लिए रोक हटी थी। 20 फरवरी से रोक लगी हुई थी। राजस्थान में बीजेपी सरकार बनने के बाद दूसरी बार तबादलों से बैन हटाया गया है। बीजेपी के विधायक नेता लंबे समय से तबादलों से बैन हटाने की मांग कर रहे थे। मुख्यमंत्री के साथ विधायकों की फीडबैक बैठकों में भी तबादलों से जल्दी बन हटाने की मांग प्रमुखता से उठाई गई थी।

एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी राज्य के विकास के लिए महत्वपूर्ण : भजनलाल

बालोतरा,10 जनवरी (एजेंसियां)।

भजनलाल शर्मा शुक्रवार को बालोतरा जिले के दौरे पर रहे जहां उन्होंने पचपदरा में एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी का निरीक्षण कर समीक्षा बैठक ली। सर्वप्रथम, उन्होंने जनप्रतिनिधियों, राज्य सरकार एवं रिफाइनरी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बस में बैठ कर रिफाइनरी में विकास कार्यों का सघन निरीक्षण किया। शर्मा ने परिसर में ही हाईटेंशन मोटर के जरिए कम्प्रेस्ड एयर नाइट्रोजन प्लांट का उद्घाटन भी किया।

शर्मा ने एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी में निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि इस परियोजना का निर्माण केवल पश्चिमी राजस्थान ही नहीं बल्कि पूरे राज्य के

विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना के समीप सांभरा ग्राम में एच.आर.आर.एल. द्वारा ईएससी फंड के माध्यम से बनाए जा रहे स्कूल एवं अस्पताल को शीघ्र शुरू किया जाए, जिससे स्थानीय लोगों को लाभ मिल सके। उन्होंने रीको द्वारा रिफाइनरी के समीप बोरावास–कलावा औद्योगिक क्षेत्र में राजस्थान पेट्रो के विकास कार्यों की समीक्षा भी की।मुख्यमंत्री ने रिफाइनरी परिसर में ड्यूल फीड क्रेकर यूनिट का अवलोकन किया। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि इस यूनिट के निर्माण में बुर्ज खलीफा से भी अधिक कंक्रीट का उपयोग किया गया है। यह रिफाइनरी का बड़ा प्लांट भी है, जहां एक तिहाई श्रमिक (लगभग 9 हजार) काम करते हैं। उन्होंने कोक डोम और ट्रीटिंग यूनिट का सघन निरीक्षण किया एवं कार्यप्रणाली और तकनीक की विस्तृत जानकारी ली।

राजस्थान पुलिस का पेपर लीक माफिया पर शिकंजा

जयपुर,10 जनवरी (एजेंसियां)।

प्रदेश में वर्ष 2023 तक विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं के कारण युवाओं में व्याप्त निराशा को दूर करने के लिए राज्य सरकार के निर्देश पर राजस्थान पुलिस की 'स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम' (एसआईटी) ने विगत साल के दौरान एक के बाद एक अनेक प्रभावी कार्रवाइयों को अंजाम देकर नई नजीर पेश की है।

भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में नई सरकार का नेतृत्व संभालने के तुरंत बाद 16 दिसम्बर 2023 को पेपर लीक से सम्बंधित प्रकरणों की गहन जांच एवं नकल गिरोह से जुड़े आरोपियों की धरपकड़ करते हुए हताश युवाओं के विश्वास को लौटाने के लिए अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, एटीएस एवं एसओजी के नेतृत्व में 'एसआईटी' के गठन का निर्णय लिया था। एसआईटी ने प्रदेश में पेपर लीक की रोकथाम के लिए इस सम्बन्ध में दर्ज मामलों में न केवल जाँच को त्वरित से आगे बढ़ाया है, बल्कि दोषियों के विरूद्ध सख्त से सख्त एक्शन से जताया है कि राज्य सरकार युवाओं को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उत्कल रंजन साहू ने कि राजस्थान पुलिस की 'एसआईटी' ने पिछले एक साल के अंतराल में पेपर लीक के अनेकानेक अपराधियों और पेपर लीक के मामलों में सम्मिलित गैंग के सरगनाओं की गिरफ्तारी से यह स्पष्ट संदेश दिया है कि प्रदेश में कानून के साथ खिलवाड़ किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया उन्होंने बताया कि 'एसआईटी' की निर्णायक कार्रवाईयों से बने माहौल के बीच प्रदेश में गत एक साल में राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) की 145 एवं राजस्थान अधीनस्थ सेवा बोर्ड (आरएसएसबी) की 25 परीक्षाएं बिना पेपरलीक पारदर्शी तरीके से आयोजित की गई है।डीजीपी श्री साहू ने बताया कि प्रदेश में जेईएन पेपर लीक एवं उप निरीक्षक पुलिस एवं प्लाटून कमान्डर भर्ती परीक्षा–2021 के पेपर लीक में सम्मिलित मुख्य गैंग सरगनाओं के साथ–साथ उनके सहयोगी तथा गलत तरीके से लाभान्वित हुए परीक्षार्थियों को भी गिरफ्तार किया गया है,अनेक आरोपी वर्तमान में भी सलाखों के पीछे हैं।

राज्यवर्धन सिंह का गहलोत पर हमला

भाजपा ने आपकी कई उपलब्धियां रोक दीं

जयपुर,10 जनवरी (एजेंसियां)।

उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा ने उनकी कई 'उपलब्धियां' रोक दी हैं, जिनमें राज्य की वित्तीय स्थिति और घोटालों पर लगाम लगाना शामिल है। उन्होंने गहलोत सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि 5.37 लाख करोड़ के कर्ज को बढ़ने से रोकने से लेकर कानून व्यवस्था और महिलाओं के खिलाफ अपराधों की स्थिति को और खराब होने से बचाने का काम इगझ ने किया।

सिंह ने रीट और अन्य पेपर लीक घोटालों का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने इन्हें बंद कराया। साथ ही, राजीव गांधी ओलंपिक योजना में 126 करोड़ के घोटाले पर लगाम लगाने और जिलों में पेयजल एवं सिंचाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने का श्रेय भी उन्होंने को दिया। गहलोत सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने सवाल किया, क्या आप फिर से पेपर लीक और घोटाले चाहते हैं? राज्यवर्धन सिंह ने दावा किया कि भाजपा सिर्फ घोषणाएं नहीं करती, बल्कि अपने वादों को पूरा करके दिखाती है। ट्विटर पर गहलोत को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, जी, जनता आपकी सच्चाई जान चुकी है। अब खोखले वादों से काम नहीं चलेगा। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है।

10 हजार से अधिक की आबादी वाले गांवों में मूल सुविधाओं का किया जाएगा और विस्तार : मनोहर लाल

चंडीगढ़,10 जनवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने आज करनाल जिले के कोहंड गाँव के लोगों के साथ बैठक बुनियादी सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में करनाल लोकसभा क्षेत्र के दस हजार से अधिक की आबादी वाले गांवों में मूल सुविधाओं के विस्तार पर जोर दिया जायेगा। केंद्रीय मंत्री ने आज घरौंडा पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में गांव कोहंड के लोगों के साथ बैठक की। मौके पर विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने केंद्रीय मंत्री का पुष्प गुच्छ देकर और ग्रामीणों ने शाल ओढ़ाकर स्वागत किया।

उन्होंने ग्रामीणों से स्कूल, स्ट्रीट लाईट, फिरनी, ग्राम सचिवालय, तालाब, श्मशान घाट, पार्क एवं व्यायामशाला की स्थिति के बारे में जानकारी ली। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि प्रथम चरण दस हजार से अधिक आबादी वाले गांवों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कराया जायेगा। दूसरे चरण में 8 से 10 और फिर 5 से 8 हजार की आबादी वाले गांवों को लिया जायेगा। उन्होंने कहा कि गांवों में विकास कार्यों की निगरानी के लिये जनभागीदारी जरूरी है। इसके लिये 10–12 लोगों की कमेटी गठित करें। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था परिवर्तन का ही नतीजा है कि विगत 10 सालों में युवाओं को बिना पर्ची–बिना खर्ची मेरिट के आधार पर नौकरियां मिल रही हैं।

हरियाणा महिला आयोग की उपाध्यक्ष सोनिया बर्खास्त

चंडीगढ़,10 जनवरी (एजेंसियां)।

हरियाणा सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस नीति को लागू करते हुए बड़ा कदम उठाया है। राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष सोनिया अग्रवाल को उनके पद से हटा दिया गया है। सरकार ने इस संबंध आधिकारिक आदेश जारी कर दिए हैं। सोनिया अग्रवाल पर अपने पद का दुरुपयोग करने और रिश्वत लेने जैसे गंभीर आरोप लगे थे, जिसकी जांच में पुष्टि हुई, जिसके बाद सरकार ने यह सख्त कदम उठाया है।

सोनिया अग्रवाल पर महिला आयोग की उपाध्यक्ष रहते हुए कई निपटारे का अनैतिक तरीके से फायदा उठाने का आरोप था। सूत्रों के मुताबिक उनके खिलाफ लंबे समय से शिकायतें दर्ज की जा रही थीं। इन शिकायतों में आरोप था कि वह प्रभावित महिलाओं को उनके मामलों में मदद करने के बदले रिश्वत लेती थीं। जांच के दौरान यह हो गया कि सोनिया अग्रवाल ने अपने पद का दुरुपयोग किया है, जिसके बाद तत्काल कार्रवाई करते हुए उन्हें पद से बर्खास्त कर दिया गया।

बहादुर पुलिसकर्मियों को प्रोत्साहित करने के लिए जल्द जारी होगी ओआरपी पॉलिसी : सैनी

चंडीगढ़,10 जनवरी (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अवैध इमीग्रेशन पर सख्ती से पाने के लिए प्रदेश सरकार कानून बनाएगी। आगामी बजट सत्र में इस सम्बन्ध में नया कानून पेश किया जायेगा। साथ ही, अपराध रोकथाम में अच्छा काम करने वाले पुलिसकर्मियों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा जल्द ही एक ओआरपी पॉलिसी लाई जाएगी। इस पालिसी में जहाँ अच्छे को प्रोत्साहन होगा वही अपराध रोकने में ढिलाई तो सख्त कार्रवाई का प्रावधान भी होगा।

मुख्यमंत्री ने आज यह जानकारी पंचकूला में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ अपराध और कानून व्यवस्था के सम्बन्ध में आयोजित राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करने उपरांत पत्रकारों से बातचीत करते हुए दी। कहा कि हरियाणा में अपराध की दर में उल्लेखनीय कमी आई है। उन्होंने कहा कि साल 2024 में पिछले वर्ष की तुलना में क्राईम अगेंस्ट वूमेन के आंकड़ों में भी कमी आई है और हरियाणा प्रदेश ने साइबर क्राइम के मामलों में भी अच्छा काम किया है।

मुख्यमंत्री से कि अपराध व अपराधियों के खिलाफ कड़ी

कार्रवाई करने के निर्देश पुलिस अधिकारियों को दिए गए हैं। अच्छा काम करने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया जाएगा और कोताही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जनता के प्रति बने और उनकी समस्याओं का जल्द से जल्द निदान करना सुनिश्चित करें।मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराध व अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए हरियाणा पुलिस को फ्री हैंड दिया है। साथ ही यह लक्ष्य भी गया है कि नशा मुक्ति अभियान को आगे बढ़ाते हुए साल 2025 के अंत तक 70 प्रतिशत गांव को नशा मुक्त किया जाये। इसके अतिरिक्त नशे के काले कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं. उन्होंने कहा कि विदेश में रहकर एक्सटॉर्शन कॉल सहित अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल अपराधियों और यहाँ उनकी मदद करने वालों के खिलाफ मुहिम चला कर ऐसे लोगों पर कड़ा प्रहार करने के निर्देश भी पुलिस को दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए जिन संसाधनों की पुलिस को होगी, प्रदेश सरकार उपलब्ध करवाएगी।

उन्होंने कहा कि नूह ज़िले में कानून व्यवस्था को मज़बूती देने के लिए हरियाणा पुलिस की एक बटालियन स्थापित की जाएगी। इसके लिए संबंधित अधिकारी को जमीन की पहचान करने के भी निर्देश गए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा 112 सेवा को और अधिक सक्षम बनाने और रिस्पांस टाइम को और कम करने के लिए भी कदम उठाये जायेंगे। फिलहाल 112 का रिस्पांस टाइम लगभग 6:30 मिनट है इसे और कम किया जाएगा ताकि अपराधी भाग ना सके।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

केजरीवाल के बयान पर भड़के गिरिराज सिंह

जो अन्ना का नहीं हुआ, वह यूपी-बिहार का क्या होगा?

बेगूसराय (एजेंसियां)।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बिहार और उत्तर प्रदेश के लोगों पर दिए गए बयान ने एक नया राजनीतिक बवाल खड़ा कर दिया है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने इस बयान पर केजरीवाल को आड़े हाथों लेते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति अन्ना हजारे को धोखा दे सकता है, वह किसी का नहीं हो सकता। गिरिराज सिंह ने केजरीवाल को 'भ्रष्ट और बेशर्म' करार देते हुए उन पर जनता के साथ छल करने का गंभीर आरोप लगाया।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि जो व्यक्ति अन्ना हजारे का नहीं हुआ, जिसने उन्हें धोखा दिया, वह आज बिहार और यूपी के लोगों को गाली देने का काम कर रहा है। केजरीवाल जैसे नेता बेशर्म हैं। उन्होंने कहा था कि

अगर यमुना साफ नहीं हुई तो वोट नहीं मांगूंगा। लेकिन उन्होंने न यमुना को साफ किया और न ही जनता से किए गए अपने वादे पूरे किए। इसके बावजूद, वे बार-बार चुनाव में जनता को छलते रहे।

गिरिराज सिंह ने जोर देकर कहा कि अरविंद केजरीवाल बिहार और यूपी के लोगों को अपमानित कर रहे हैं, जो उनके मुख्यमंत्री बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार और यूपी के लोग दिल्ली की रीढ़ हैं। यही लोग केजरीवाल को सत्ता में लेकर आए। लेकिन आज वह उन पर कटाक्ष कर रहे हैं।

दरअसल, मामला तब शुरू हुआ जब केजरीवाल ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि बिहार और यूपी के लोग दिल्ली में केवल इलाज कराने और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने आते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये लोग दिल्ली में 'पांच लाख रुपये का गोलमाल' कर रहे हैं। इस बयान के बाद न केवल राजनीतिक हलकों में बल्कि आम जनता में भी तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं।

इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि केजरीवाल भ्रष्ट मुख्यमंत्री हैं। वे न केवल दिल्ली के लोगों को छलते हैं बल्कि अब बिहार और यूपी के मेहनती लोगों को गाली दे रहे हैं। सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा कि जो व्यक्ति खुद भ्रष्टाचार में लिप्त हो, उसे दूसरों पर सवाल उठाने का कोई अधिकार नहीं है।

केजरीवाल के बयान और गिरिराज सिंह की प्रतिक्रिया के बाद राजनीतिक तापमान बढ़ गया है। भाजपा नेताओं ने इस बयान को लेकर केजरीवाल को घेरने की रणनीति तेज कर दी है, जबकि आम आदमी पार्टी के समर्थकों का कहना है कि बयान को गलत तरीके से प्रस्तुत किया जा रहा है।

गिरिराज सिंह ने बिहार और यूपी के लोगों के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि दिल्ली की तरक्की में इन राज्यों के लोगों का बड़ा योगदान है। केजरीवाल जैसे नेता इस बात को भूल जाते हैं। यह लोग न केवल दिल्ली की अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हैं बल्कि हर क्षेत्र में अपनी मेहनत का योगदान देते हैं।

यह विवाद आगामी चुनावों में एक बड़ा मुद्दा बन सकता है। भाजपा इसे बिहार और यूपी के लोगों के सम्मान से जोड़ रही है, जबकि आम आदमी पार्टी के नेता इसे विपक्ष की साजिश बता रहे हैं। वहीं, केजरीवाल के इस बयान पर आम जनता में भी नाराजगी है। बिहार और यूपी से आए दिल्ली के निवासियों ने इसे अपमानजनक बताते हुए कहा कि ऐसे बयानों से राजनीति की गरिमा गिरती है।

चिराग ने छात्रों को दिया भरोसा

बीपीएससी परीक्षा विवाद पर सरकार से उचित निर्णय की उम्मीद

हाजीपुर (एजेंसियां)।

हाजीपुर पहुंचे लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने छात्रों के साथ हो रहे बीपीएससी परीक्षा विवाद को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने छात्रों से हताश न होने की अपील करते हुए कहा कि सरकार उनकी मांगों पर विचार कर रही है और किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

चिराग पासवान ने बीपीएससी परीक्षा रद्द करने की मांग को जायज ठहराया, लेकिन इस पर सवाल भी उठाया कि क्या सिर्फ परीक्षा रद्द करने से समस्या का स्थायी समाधान हो सकता है। उन्होंने कहा कि मैं छात्रों को विश्वास दिलाता हूं कि सरकार सभी पहलुओं पर विचार कर रही है और जल्द ही उचित निर्णय लिया जाएगा। छात्रों के साथ अन्याय नहीं होगा।

चिराग पासवान ने विपक्षी गठबंधन इंडिया गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि इसमें कोई मजबूत नेता नहीं है। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन केवल लोकसभा चुनाव को ध्यान में

रखकर बनाया गया था। इसका उद्देश्य स्पष्ट नहीं है और इसमें कोई संगठनात्मक मजबूती नहीं है। वहीं, चिराग ने बिहार में एनडीए की मजबूती पर जोर देते हुए दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए 225 से अधिक सीटें जीतकर अपनी सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि एनडीए बिहार में संगठित तरीके से काम कर रही है और आने वाले दिनों में चुनावी रणनीति पर चर्चा की जाएगी।

चिराग ने यह भी घोषणा की कि उनकी पार्टी दिल्ली विधानसभा चुनाव में एनडीए के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जिन सीटों पर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) का जनाधार है, वहां हम चुनाव लड़ेंगे और एनडीए को मजबूत करेंगे।

हाजीपुर के दौरे पर चिराग पासवान ने अपने पिता रामविलास पासवान की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। पासवान चौक पर आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। इसके अलावा, उन्होंने सैकड़ों लोगों के बीच कंबल का वितरण भी किया।

परीक्षा विवाद पर छात्रों को भरोसा दिलाते हुए चिराग ने कहा कि सरकार इस मुद्दे को गंभीरता से ले रही है। उन्होंने कहा कि मैं छात्रों की भावनाओं का सम्मान करता हूं और उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास करूंगा।

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव और उनकी पत्नी रंजीत रंजन को बड़ी राहत, 15 साल पुराने मामले में बरी

पूर्णिया (एजेंसियां)।

पूर्णिया के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव और उनकी पत्नी एवं राज्यसभा सांसद रंजीत रंजन को एमपी-एमएलए कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। एमपी एमएलए कोर्ट ने पप्पू यादव और उनकी पत्नी एवं राज्यसभा सांसद रंजीत रंजन और संतोष यादव को 15 साल पुराने मामले में बरी कर दिया है। अदालत ने गुरुवार को फैसला सुनाते हुए सभी आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया। यह मामला साल 2009 के लोकसभा चुनाव के दौरान का है। उनपर आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज की गई थी।

सांसद पप्पू यादव के वकील के अनुसार कांड सं. 75/09 में अभियोजन पक्ष की ओर से एक

गवाह प्रस्तुत किया गया था। साक्ष्य के अभाव में कोर्ट ने तीनों आरोपियों को बरी करते हुए मुकदमे का निपटारा कर दिया। उन्होंने बताया कि 8 मार्च 2009 को पूर्णिया के तत्कालीन एसडीओ सह डीसीएलआर संजय उपाध्याय ने केहाट थाने में कांड सं. 75/09 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उसमें इस बात का उल्लेख किया गया था कि 7 मार्च 2009 को कटिहार से पूर्णिया आने के क्रम में सांसद पप्पू यादव के नागरिक अभिनंदन के लिए रंगभूमि मैदान को बैनर, पोस्टर एवं तोरणद्वार से सजाया गया था। साथ ही जुलूस का भी आयोजन किया गया जिसमें आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन था। पुलिस ने इस मामले में अनुसंधान के बाद सांसद पप्पू यादव समेत राज्यसभा रंजीत रंजन एवं पूर्णिया नगर निगम के पूर्व उपमहापौर संतोष यादव के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की।

अदालत ने इस मामले में कानूनी प्रक्रिया पूरी कर 5 फरवरी 2014 को गवाह प्रस्तुत करने का निर्देश जारी किया। लंबे समय बीत जाने के बाद भी केवल एक गवाह कोर्ट में बयान दर्ज कराने पहुंचा। अब अदालत ने अपना फैसला सुनाया। गुरुवार को सांसद पप्पू यादव पूरी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कोर्ट कैंपस पहुंचे थे।

प्रशांत किशोर की हालत में सुधार, आईसीयू से जनरल वार्ड में शिफ्ट

पीके के वकील उतरे मैदान में

पटना (एजेंसियां)।

जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर 2 जनवरी से अब तक आमरण अनशन पर हैं। इस बीच उनकी तबियत बिगड़ने पर उन्हें पटना के मेदांता अस्पताल के आईसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया था। आज उनके अनशन का 8वां दिन है। हालांकि प्रशांत किशोर के समर्थकों के लिए अच्छी खबर है। उनके स्वास्थ्य में अब काफी सुधार हुआ है। इस सुधार के बाद उन्हें आईसीयू से जनरल वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है। सुधार होने की वजह उन्हें दिया जाने वाला विशेष दवा का असर है। उन्हें चिकित्सकों के द्वारा सामान्य भोजन और निर्धारित दवाओं का पालन करने की सलाह दी गई है, लेकिन वह नियमित भोजन और दवा लेने के लिए इनकार कर रहे हैं। फ़िलहाल क्लिनिकल टीम उनके साथ बनी

हुई है, जो प्रशांत किशोर के स्वास्थ्य का ख्याल रख रही है। गुरूवार को प्रशांत किशोर के वकील अमित कुमार सबके सामने हैं। उन्होंने बिहार सरकार को पांच बिंदुओं पर घेरने की क

अधिवक्ता अमित कुमार ने कहा है कि यह आश्चर्यजनक है कि जब प्रशांत किशोर को कोर्ट परिसर से निकाला गया और बेऊर जेल की ओर ले जाया गया तब कोर्ट के अंदर सुनवाई चल ही रही थी। बिना कस्टडी के कागज लिए इन्होंने प्रशांत किशोर को बेऊर जेल ले जाना चाहा। हालांकि जेल अधीक्षक ने बिना कस्टडी कागज के उन्हें अंदर रखने से मना कर दिया।

प्रशांत किशोर और बीपीएससी छात्रों के साथ अनशन करने वाले लोगों पर गांधी मूर्ति के नीचे हथियार रखने का आरोप लगाया गया है। अधिवक्ता अमित कुमार ने कहा कि क्या बिहार सरकार कंबल और मफलर को हथियार मानती है?

अधिवक्ता अमित कुमार ने बताया कि जिन धाराओं पर केस दर्ज किया गया है वह चौंकाने वाला है। उन्होंने कहा कि बीएनएस धारा 190, 191 (2), (3) और 223 सभी के सभी जमानती धाराएं हैं, लेकिन ये हास्यास्पद है कि 191(3) यह धारा दंगा करने का दोषी, यह घातक हथियार रखने पर लगाया जाता है। वहां पर किसी बच्चे के हाथ में एक छड़ी तक नहीं थी, कंबल और मफलर को बिहार पुलिस हथियार मानती है तो बिहार पुलिस गजब है। अधिवक्ता अमित कुमार ने कहा कि यह सत्याग्रह था, यह किस तरह से उपद्रवी हो गया।

अधिवक्ता अमित कुमार ने बताया कि कोर्ट ने पहले शर्त रखा था। फिर हमने कहा कि जब सारे जमानती धाराएं हैं जिसके अनुसार थाना से ही बेल मिल सकता था, फिर आप शर्त क्यों रख रही हैं? तब कोर्ट ने प्रशांत किशोर को झठ बॉन्ड पर ही जमानत दे दिया, जिसकी 4 शर्त हैं। पहले कोर्ट ने एक शर्त लगाया था कि प्रशांत किशोर किसी धरना प्रदर्शन में शामिल नहीं होंगे, जिसे बाद में हटा दिया गया। अधिवक्ता अमित कुमार ने प्रशांत किशोर के जमानती झठ बॉन्ड में लिखे हुए 4 पॉइंट्स बताए और कहा कि अब आप ही तय कीजिए कि यह तथ्य है या शर्त?

अधिवक्ता अमित कुमार का कहना है कि प्राथमिकी गांधी मैदान थाना में दर्ज किया गया था, लेकिन प्रशांत किशोर को गांधी मैदान थाना में नहीं ले जाया गया।

पुलिस उन्हें बेऊर जेल ले गई। इतना ही नहीं जब भीड़ नहीं संभाली गई तो माइक प्रशांत किशोर को ही थमा दिया गया, उसके लिए अपने एक और ऋखठ कर दिया। अधिवक्ता अमित कुमार ने सरकार को घेरते हुए कहा कि सरकार यह क्यों नहीं बताती है कि उसकी पुलिस किस ऑथोरिटी से उन्हें बेऊर जेल लेकर गई। हमें पुलिस के द्वारा कोई कागज नहीं दिया गया। पुलिस ने सिर्फ झूठ का पुलिंदा बनाया है।

लालू यादव के करीबी राजद विधायक आलोक मेहता के 16 ठिकानों पर ईडी का छापा

पटना (एजेंसियां)।

पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व रेल मंत्री और राष्ट्रीय जनता दल अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की पार्टी के विधायक आलोक मेहता के 16 ठिकाने पर प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने छापेमारी की है। ईडी की अलग-अलग टीम पूर्व मंत्री आलोक मेहता के पटना, समस्तीपुर, वैशाली, दिल्ली, उत्तर प्रदेश के 16 ठिकानों पर पहुंची है।

आलोक मेहता पर बैंक लोन से जुड़े मामलों में गड़बड़ी करने का आरोप लगा है। इन्हीं सब गड़बड़ियों की जांच करने के लिए ईडी के अधिकारी उनके ठिकानों पर पहुंचे हैं।

बता दें कि मामला वैशाली कोऑपरेटिव बैंक से जुड़ा है। बताया जा रहा है कि इसमें करोड़ों रुपए के हेरफेर को लेकर जांच चल रही है। मिली जानकारी के अनुसार, वित्तीय अनियमितताओं और धोखाधड़ी के आरोपों के तहत ईडी ने यह कार्रवाई की है। ईडी ने पूर्व मंत्री आलोक कुमार मेहता के पटना, वैशाली, समस्तीपुर से लेकर कोलकाता, वाराणसी और दिल्ली के ठिकानों पर छापेमारी की है। ईडी ने पटना में राजद विधायक के सरकारी और निजी आवास पर भी छापेमारी की है।

बताया जा रहा है कि आलोक मेहता पहले को-ऑपरेटिव बैंक के चेयरमैन खुद बने थे। जब वह बिहार सरकार के मंत्री बन गये तो उनके पिता चेयरमैन की जिम्मेदारी संभालने लगे।

मंत्री बनने से पहले आलोक मेहता लगभग 20 साल तक इस बैंक के चेयरमैन रहे थे। सूत्रों ने बताया कि खुलासा हुआ है कि लिच्छवि कोल्ड स्टोरेज प्राइवेट लिमिटेड और महुआ को-ऑपरेटिव कोल्ड स्टोरेज नाम की दो कंपनियों ने बैंक के करीब 60 करोड़ का गबन किया था। इसको लेकर ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। अब देखना होगा कि आगे और क्या निकलकर सामने आता है?

पटना विश्वविद्यालय के छात्र रहे आलोक मेहता बिहार के सीनियर राजनेता हैं। राजद में बहुत कम लोग ऐसे हैं, जो लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव- तीनों के चहेते हैं। आलोक मेहता हर बार महागठबंधन सरकार में मंत्री रहे हैं और हर बार उन्हें राजद ने मजबूत विभाग दिए थे। जनवरी 2024 में महागठबंधन सरकार गिरने से पहले जब आईएएस केके पाठक से तत्कालीन शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर की ठनी हुई थी तो राजद ने वह विभाग अपने विश्वसनीय आलोक मेहता को दिया था। बिहार के हिसाब से बेहद खास राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग लंबे समय तक आलोक मेहता के पास रहा था।

बिहार की मुस्कान ने रचा इतिहास, एयरफोर्स में एरोनॉटिकल इंजीनियर बनने का सपना किया साकार

छपरा (एजेंसियां)।

सारण जिले की बेटी मुस्कान गिरि ने अपनी मेहनत, दृढ़ निश्चय और सपनों को साकार करने की अद्भुत मिसाल पेश की है। बचपन में आकाश में उड़ने के सपने देखने वाली मुस्कान ने देश की सर्वोच्च और चुनौतीपूर्ण एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग परीक्षा में सफलता हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे छपरा जिले को गौरवान्वित किया है।

मुस्कान का बचपन एयरफोर्स में कार्यरत पिता सुमन कुमार गिरि के साथ विभिन्न स्थानों पर बीता। पिता के साथ हवाई जहाज और आकाश में उड़ने की कहानियां सुनते-सुनते, मुस्कान ने भी एक दिन एयरफोर्स का हिस्सा बनने का सपना देखा। उन्होंने इसे मात्र सपना बनाकर नहीं छोड़ा, बल्कि इसे साकार करने के लिए कड़ी मेहनत की।

मुस्कान की प्रारंभिक शिक्षा एयरफोर्स कैंपस के केंद्रीय विद्यालयों में हुई। उन्होंने कर्नाटक, कानपुर और हैदराबाद में पढ़ाई करते हुए हर कदम पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। दसवीं बोर्ड परीक्षा में केंद्रीय विद्यालय एयरफोर्स एकेडमी, हैदराबाद से स्कूल टॉपर बनने के बाद उन्होंने इंटरमीडिएट की पढ़ाई विकास कांसेप्ट स्कूल, हैदराबाद से पूरी की। आगे की शिक्षा उन्होंने जवाहरलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से कंप्यूटर साइंस में पूरी की। इसके बाद उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी शुरू की। उनके दृढ़ निश्चय और आत्मविश्वास का परिणाम यह रहा कि वे देश की प्रतिष्ठित एयरफोर्स एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग परीक्षा में पहले ही प्रयास में सफल हुईं।

मुस्कान की इस सफलता में उनके पिता और दादा का विशेष योगदान रहा। मुस्कान के पिता सुमन कुमार गिरि एयरफोर्स में जूनियर वारंट अधिकारी हैं। उन्होंने मुस्कान को हमेशा दृढ़ निश्चय और खुद पर भरोसा रखने का मूलमंत्र दिया।

वहीं, दादा सुरेश कुमार गिरि शिक्षाविद और प्रेरणादायक व्यक्तित्व हैं, उन्होंने उन्हें प्रेरणा दी। मुस्कान ने बताया कि छुट्टियों में जब भी वे अपने गांव रिविलगंज के गोदना मठिया जाती थीं, तो दादा जी से प्रेरणादायक कहानियां और मूल मंत्र सुनती थीं।

मुस्कान का कहना है कि सफलता के लिए विचारों की शुद्धता, खुद पर भरोसा और दृढ़ निश्चय जरूरी है। उनके मुताबिक कि सपने देखना तो आसान है, लेकिन उन्हें पूरा करने के लिए मेहनत और समर्पण चाहिए। उन्होंने 29 दिसंबर 2024 को एयरफोर्स एकेडमी में एरोनॉटिकल इंजीनियर के रूप में अपना योगदान दिया।

मुस्कान का प्रशिक्षण अब हैदराबाद स्थित एयरफोर्स एकेडमी में प्रारंभ होगा। छह महीने के शुरुआती प्रशिक्षण के बाद वे बेंगलुरु के एयरफोर्स टेक्निकल कॉलेज में एक वर्ष का गहन प्रशिक्षण लेंगी। इसके बाद उन्हें विशेष विभाग में तैनात किया जाएगा, जो फाइटर, हेलीकॉप्टर या ट्रांसपोर्ट विमान से संबंधित हो सकता है।

मुस्कान की सफलता से उनके गांव में खुशी की लहर दौड़ गई है। परिवार, रिश्तेदार और ग्रामीणों ने इस अवसर पर उनकी उपलब्धि की सराहना की। बधाई देने वालों में नगर पंचायत की अध्यक्षा अमिता यादव, वार्ड पार्षद कलावती देवी, संतोष सिंह, विजय शंकर गिरि और अन्य स्थानीय लोग शामिल रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com